शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बेंगलूरु समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में व्यापक बारिश @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 17 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-287

मोदी सरकार ने कर्मचारियों और किसानों को दिया दीपावली का तोहफा

केन्द्रीय कर्मियों के महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की बढोतरी

गेहूं, चना सहित छह रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाया

नई दिल्ली 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मोदी सरकार ने केन्द्रीय कर्मचारियों और किसानों को दीपावली का तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते तथा पेंशनभोगियों की महंगाई राहत में तीन प्रतिशत की बढोतरी करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने रबी की 6 फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा दिया। सबसे ज्यादा इजाफा सरसों-तिलहन में 300 रुपए किया गया

केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि केन्द्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों को महंगाई राहत में तीन प्रतिशत की बढोतरी एक जुलाई से लागू होगी। यह निर्णय सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों में स्वीकृत फार्मूले के अनुरूप लिया गया है। इस निर्णय से सरकारी खजाने पर 9448.35 करोड़ रुपए का वार्षिक बोझ बढेगा। इस निर्णय से केन्द्र सरकार के 49 लाख 18 हजार कर्मचारियों और 64 लाख 89 हजार पेंशनभोगियों को फायदा मिलेगा। पहली जुलाई से देय महंगाई भत्ते की दर अब 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई है।

महंगाई भत्ता ऐसा पैसा है जो महंगाई बढ़ने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों के जीवन स्तर को बनाए रखने के लिए दिया जाता है। यह पैसा सरकारी कर्मचारियों, पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों और पेंशनधारकों को मिलता है। इसका कैलकुलेशन देश की मौजूदा महंगाई के अनुसार हर 6 महीने पर किया जाता है। इसकी गणना संबंधित वेतनमान के आधार पर कर्मचारियों के मूल वेतन के अनुसार की जाती है। महंगाई भत्ता शहरी, अर्ध-शहरी या ग्रामीण क्षेत्र के कर्मचारियों का अलग-अलग हो सकता है। इससे पहले कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के महासचिव एसबी यादव ने 30 सितंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर डीए की दरों में बिना कोई देरी किए वृद्धि करने की मांग की थी।

पत्र में कहा गया कि सामान्य तौर पर महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत में बढ़ोतरी का भुगतान अक्तूबर के पहले सप्ताह में हो जाता था। इस बार केंद्र सरकार ने दशहरे पर भी ऐसी कोई घोषणा नहीं की। ▶10 पर

रबी सीजन के लिए एमएसपी घोषित

सबसे ज्यादा इजाफा सरसों-तिलहन में 300 रुपए किया गया

नई दिल्ली 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए गेंहू, चना और जौ समेत छह रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने वर्ष 2025-26 के लिए अनिवार्य रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि के प्रस्ताव का अनुमोदन किया ।

बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सरकार ने किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के वास्ते वर्ष 2025-26 में रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है। एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि रेपसीड और सरसों के लिए 300 रुपए प्रति क्विंटल और मसूर के लिए 275 रुपए प्रति क्विंटल की घोषणा की गई है। चना के लिए 210 रुपए प्रति क्विंटल, गेहूं के लिए 150 रुपए प्रति क्विंटल, कुसुम के लिए 140 रुपए प्रति क्विंटल और जौ के लिए 130 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने बताया कि नए एमएसपी के अनुसार गेंहू का मूल्य 2275 रुपए से बढाकर 2425 रुपए, जौ का मूल्य 1850 रुपए से बढाकर 1980 रुपए, चना का मूल्य 5440 रुपए से बढाकर 5650 रुपए, मसूर का मूल्य 6425 रुपए से बढाकर 6700 रुपए, रेपसीड एवं सरसों का मूल्य 5650 रुपए से बढाकर 5950 रुपए और ▶10 पर

एससीओ की बैठक में जयशंकर ने पाकिस्तान को उसके घर में लताड़ा

आतंकवाद और व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते

हमारे बीच भरोसे में कमी आई है तो हमें अपने अंदर झांकने की जरूरत

इस्लामाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के इस्लामाबाद में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एसीओ) की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने संबोधन में एक बार फिर पाकिस्तान पर निशाना साधा। पाकिस्तान का नाम लिए बगैर विदेश मंत्री ने कहा कि अगर आतंकी घटनाएं जारी रहेंगी तो फिर व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। इस तरह जयशंकर ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को उसी के घर में लताड़ लगाई। जयशंकर ने पाकिस्तान-चीन का नाम लिए बिना कहा कि सभी देशों को एक दूसरे की सीमाओं का सम्मान करने की जरूरत है।

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि यदि एससीओ के सदस्य देशों के बीच दोस्ती में कमी आई है और पड़ोसी से संबंध बिगड़े हैं तो इस पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हमारे बीच भरोसे में कमी आई है तो हमें अपने अंदर झांकने और इसकी वजह समझने की जरूरत है। इससे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एससीओ बैठक की शुरुआत करते हुए कहा था कि पाकिस्तान शांति, सुरक्षा और आर्थिक तरक्की चाहता है।

शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर दिए अपने संबोधन में भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि हम ऐसे समय मिल रहे हैं, जब दुनिया संकटों से गुजर रही है। दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं और उनका पूरे विश्व पर नकारात्मक असर हो रहा है। कोरोना महामारी ने कई विकासशील देशों को बुरी तरह प्रभावित किया। साथ ही जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितता और वित्तीय कमजोरी विकास को प्रभावित कर रही है। विदेश मंत्री ने एससीओ देशों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने, विश्वास, दोस्ती और अच्छे पड़ोसी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि एससीओ संगठन के सामने आतंकवाद, अलगावाद और कट्टरपंथ से लड़ने की साझा चुनौती है।

पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अगर विश्वास की कमी है या सहयोग पर्याप्त नहीं है। दोस्ती कम हो गई है और अच्छे पड़ोसी की भावना गायब है तो निश्चित रूप से आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। साथ ही यह तभी संभव है जब हम पूरी ईमानदारी से चार्टर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें, तभी हम आपसी सहयोग और प्रतिबद्धता के फायदों को पूरी तरह से महसूस कर सकते हैं। यह सिर्फ हमारे फायदे के लिए नहीं है। दुनिया आज बहु-ध्रुवीयता की तरफ बढ़ रही है। वैश्वीकरण और पुनर्संतुलन ऐसी वास्तविकताएं हैं, जिन्हें नकारा नहीं जा सकता। इन्होंने निवेश, व्यापार, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग के अवसर पैदा किए हैं। अगर हम इसे आगे बढ़ाते हैं तो इससे हमारे क्षेत्र को बहुत फायदा होगा। ▶10 पर

वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त हरियाणा- पंजाब को दी चेतावनी

आदेश का पालन नहीं हुआ तो दर्ज होगा अवमानना का मामला

बिना दांतों वाला बाघ बनकर रह गया है केंद्रीय पैनल

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट लगातार सख्त है। पराली जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के पैनल कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा सरकारों को फटकार लगाई है। साथ ही चेतावनी दी कि अगर आदेश का पालन नहीं किया गया तो वह अधिकारियों के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने के दोषी पाए गए अधिकारियों पर मुकदमा नहीं चलाने पर बुधवार को हरियाणा और पंजाब सरकारों को फटकार लगाई। साथ ही राज्य के मुख्य सचिवों को 23 अक्तूबर को पेश होने और स्पष्टीकरण देने को कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सीएक्यूएम को बिना दांतों का बाघ कहा है। कोर्ट ने कहा- पंजाब हरियाणा की सरकारों ने पराली जलाने वालों के खिलाफ एक्शन नहीं लिया। सीएक्यूएम पंजाब-हरियाणा सरकारों के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करे। न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम रहने पर हरियाणा और पंजाब सरकार के अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। ▶10 पर

मस्जिद में जय श्रीराम का नारा लगाना अपराध नहीं

कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा- इससे किसी की धार्मिक भावना कैसे आहत होगी

बेंगलुरु, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को मस्जिद के अंदर जय श्री राम के नारे लगाने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि यह समझ से परे है कि जय श्री राम के नारे लगाने से किसी समुदाय की धार्मिक भावनाएं कैसे आहत होंगी।

न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि मस्जिद के अंदर जय श्रीराम का नारा लगाना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने या सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना नहीं है। न्यायालय ने यह फैसला सुनाते हुए धार्मिक मान्यताओं का अपमान करने के दो आरोपियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने दक्षिण कन्नड़ के कीर्तन कुमार और सचिन कुमार के खिलाफ आरोपों को खारिज करते हुए कहा, यह समझ से परे है कि जय श्री राम का नारा लगाना किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ▶10 पर

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने दिलाई मुख्यमंत्री और मंत्रियों को शपथ

10 साल बाद बदली हुई सरकार, बदले हुए मुख्यमंत्री

सीएम उमर अब्दुल्ला ने सुरेंद्र चौधरी को बनाया डिप्टी सीएम

कांग्रेस का कोई भी विधायक फिलहाल मंत्रिमंडल में शामिल नहीं

जम्मू, 16 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज नए मुख्यमंत्री और मंत्रियों को शपथ दिलाई। 10 साल बाद हुए चुनाव के बाद प्रदेश में बदली हुई सरकार और बदले हुए मुख्यमंत्री दिखाई दे रहे हैं। 16 साल बाद फिर से जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री बने उमर अब्दुल्ला ने जम्मू के नौशेरा विधानसभा सीट से जीते सुरेंद्र चौधरी को उप मुख्यमंत्री बना कर बदली हुई राजनीति का सार्वजनिक संदेश दिया। उमर मंत्रिमंडल में कांग्रेस का कोई विधायक शामिल नहीं हुआ है। श्रीनगर में डल झील के किनारे प्रतिष्ठित एसकेआईसीसी में एक हाई-प्रोफाइल समारोह में शपथ ग्रहण समारोह हुआ।

जम्मू संभाग से आने वाले सुरेंद्र कुमार चौधरी ने विधानसभा चुनाव में जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष रवींद्र रैना को नौशेरा सीट से हराया। हालांकि सुरेंद्र चौधरी खुद भी भाजपा में रहे हैं। पिछले साल जुलाई महीने में सुरेंद्र चौधरी ने भाजपा से इस्तीफा देकर नेशनल कॉन्फ्रेंस का दामन थामा था। चौधरी ने मार्च 2022 में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) छोड़कर भाजपा की सदस्यता ली थी। सीएम उमर अब्दुल्ला और डिप्टी सीएम सुरेंद्र चौधरी के साथ सकीना इटू, सतीश शर्मा, जावेद डार और जावेद राणा ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। सुरेंद्र चौधरी के अलावा जावेद राणा और सतीश शर्मा भी जम्मू क्षेत्र से आते हैं। शपथ समारोह में इंडी गठबंधन के शीर्ष नेताओं ने हिस्सा लिया, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल थे। नेकां प्रमुख डॉ. फारूक अब्दुल्ला के निमंत्रण पर इंडी गठबंधन के अखिलेश यादव, प्रकाश करात, कनिमोई समेत कई नेता शामिल हुए। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुईं।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव में नेकां सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, जिसने अपने दम पर 42 सीटें हासिल कीं। नेकां को जम्मू क्षेत्र के चार निर्दलीय विधायकों का समर्थन मिला, ▶10 पर

सैनी होंगे हरियाणा के नए मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण आज

पीएम मोदी सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह में होंगे शामिल

चंडीगढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के नए सीएम नायब सैनी होंगे। पंचकूला स्थित भाजपा दफ्तर में भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें सर्वसम्मति से नेता चुन लिया गया। भाजपा के पर्यवेक्षक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव बैठक में मौजूद रहे। विधायक दल की बैठक में अनिल विज और कृष्ण बेदी ने सैनी का नाम रखा था। सैनी गुरुवार को पंचकूला में शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। बैठक के बाद सीएम नायब सैनी राज्यपाल से मिलने पहुंचे और सरकार बनाने का दावा पेश किया।

शाह ने कहा कि बैठक में एक ही प्रस्ताव मिला जो नायब सिंह सैनी के नाम का था। मैं उनका नाम घोषित करता हूं। नायब सैनी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। वहीं मुख्यमंत्री सैनी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही 24 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बुधवार को विधायक दल का नेता चुने जाने पर पार्टी के नेताओं और प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,130/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,220/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 20^0

संगीत, नृत्य युवा पीढ़ी को राष्ट्र की परंपराओं से जोड़ने में निभाता है अहम भूमिका : मोदी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

संगीत नाटक अकादमी ने भारतीय नृत्य पर बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय महोत्सव आयोजित किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महोत्सव के लिए एक विशेष संदेश साझा किया और भारतीय संस्कृति में नृत्य के महत्व रेखांकित करते हुए कहा यह युवा पीढ़ी को राष्ट्र की परंपराओं से जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज राजधानी में छह दिवसीय महोत्सव का उद्घाटन किया। यह मंत्रालय का भारतीय नृत्य पर पहला अंतरराष्ट्रीय महोत्सव है, जिसका उद्देश्य भारतीय नृत्य शैलियों की विविधता और समृद्धि का जश्न मनाया तथा उनका अन्वेषण करना है। उन्होंने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य कला में स्थायी करियर पर चर्चा को बढ़ावा देना और भारतीय नृत्य के लिए संस्थागत समर्थन को प्रोत्साहित करना है, जिससे सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मंच बने।

श्री मोदी ने संगीत नाटक अकादमी एवं संस्कृति मंत्रालय का आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक क्षण और एक यादगार अवसर है। विभिन्न देशों के कलाकारों की भागीदारी सांस्कृतिक विनिमय में मदद करती है। संगीत और नृत्य ऐसी भाषाएं हैं जो सीमाओं को

पार करती हैं और जिन्हें सभी जगह समझा जाता है। प्रदर्शन कलाओं के लिए सबसे प्राचीन ग्रंथ भारत में भरत मुनि द्वारा लिखे गए थे। इस विरासत को आगे बढ़ाना गर्व और जिम्मेदारी दोनों है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस तरह के महोत्सवों में युवा पीढ़ी को संलग्न करने से उन्हें अपनी जड़ों से जुड़े रहने में मदद मिलती है और यह राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को मजबूत करता है।

श्री शेखावत ने कहा, यह महोत्सव भारतीय नृत्य की भव्य परंपरा का जश्न मनाता है, जिसमें दुनिया भर के कलाकारों, विद्वानों और प्रथागत कलाकरों को एक साथ लाया जाता है। जैसे लगातार बहने वाली गंगा, ये परंपराएं पीढ़ियों की समर्पण के माध्यम से फलती-फूलती हैं, हमें विविधता के बीच गहरी एकता से जोड़ती हैं। आज की उथल-पुथल भरी दुनिया में, जहां भू-राजनीतिक अस्थिरता और नैतिक पतन सामान्य हैं, भारत अपनी प्राचीन बुद्धि, कला और मूल्यों के माध्यम से एक सांस्कृतिक दिशा प्रदान करता है। जब से हमारे प्रथाओं की वैश्विक स्वीकृति बढ़ रही है, योग से लेकर आयुर्वेद तक। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को आगे बढ़ाएं। यह महोत्सव विचारों के आदान-प्रदान का एक मंच है, जैसे समुद्र का मंथन, जिसने अमृत का उत्पादन किया, भारत और दुनिया को प्रेरणा और दिशा देने के लिए। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव उमा नंदुरी, डॉ पद्मा सुब्रह्मण्यम पद्म विभूषण, डॉ सोनल मानसिंह पद्म विभूषण पद्म भूषण, संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ संध्या पुरेचा सहित विश्व भर के कलाकार और गणमान्य उपस्थित रहे।

डॉ. मानसिंह ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर चिंता व्यक्त करते हुये कहा, जब लोग वैज्ञानिक प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अधिक के बारे में बात कर रहे हैं, मुझे डर है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शायद एक दिन ऐसा परिदृश्य पैदा कर देगी, जहां सोनल मानसिंह एआई की मदद से नृत्य करेंगी। हमें सभी चीजों को उचितता, संतुलन और रचनात्मकता की समझ के साथ जमा करते हुए आगे बढ़ना होगा। डॉ. पुरेचा ने कहा, यह ऐतिहासिक कार्य, जिसे दक्षिण-पूर्व और ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

महाप्रबंधक से राजस्थान जाने वाली ट्रेनों के फेरे बढ़ाने की मांग

मैसूरु–अजमेर एक्सप्रेस का जवाई बांध पर ठहराव हो सुनिश्चित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थानी प्रवासियों ने बुधवार को हुब्बल्ली में दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव से भेंट कर राजस्थान जाने वाली ट्रेनों के फेरे बढ़ाने के साथ मैसूरु–अजमेर एक्सप्रेस का जवाईबांध स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की है। इस अवसर पर महाप्रबंधक को दिए ज्ञापन में बेंगलूरु मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य अश्विन सेमलानी ने बताया कि मैसूरु से फालना तक जाने में जितना किराया लगता है उससे कहीं ज्यादा किराया फालना से जवाई बांध तक पहुंचने में लगता है। रेलवे बोर्ड इस ट्रेन का ठहराव उत्तर पश्चिम रेलवे के जवाई बांध स्टेशन पर करता है तो बेंगलूरु व मैसूरु में रहने वाले हजारों लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इस पर महाप्रबंधक ने रेलवे बोर्ड चेयरमैन को यह प्रस्ताव भिजवाने व मैसूरु–अजमेर एक्सप्रेस का ठहराव जवाई बांध स्टेशन पर कराने तथा राजस्थान के लिए दैनिक ट्रेन चलवाने के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। सेमलानी ने ज्ञापन में बताया कि मैसूरु व बेंगलूरु से राजस्थान के लिए एक भी नियमित ट्रेन नहीं होने के कारण प्रवासी बंधुओं को वेटिंग टिकट में ही यात्रा करने को मजबूर होना पड़ता था। रेलवे ने अब वेटिंग टिकट में यात्रा करने पर भी पाबंदी लगा दी है। इसके बाद प्रवासी बंधुओं के लिए खासी परेशानी हो गई है। चार माह पहले जिस दिन ट्रेन खुलती है उसी दिन सभी ट्रेनों में आरक्षण फुल हो जाता है और पहले दिन से ही वेटिंग टिकट शुरू हो जाते हैं। ऐसे में त्योहार व वैवाहिक सीजन में अपने घर जाने का प्रवासियों का सपना धूमिल होता नजर आ रहा है। रेलवे त्योहारी सीजन में स्पेशल ट्रेन तो चलाता है लेकिन राजस्थान को हर बार भूल जाता है। जबकि बेंगलूरु में सबसे अधिक प्रवासी राजस्थान के ही हैं। उन्होंने बताया कि रेलवे ने राजस्थान के विभिन्न शहरों के लिए मैसूरु व बेंगलूरु से नौ जोड़ा ट्रेन चला रखी है। ताज्जुब की बात ये है कि इनमें से एक भी ट्रेन दैनिक नहीं है। बेंगलूरु–मैसूरु व यशवंतपुर से राजस्थान की ओर जाने वाली नौ ट्रेनों में से पांच साप्ताहिक व चार द्विसाप्ताहिक ट्रेन हैं। हाल ये है कि कर्नाटक की राजधानी से राजस्थान की राजधानी को जोड़ने के लिए मात्र दो ट्रेन हैं। इनमें एक यशवंतपुर जयपुर साप्ताहिक सुविधा एक्सप्रेस व एक द्विसाप्ताहिक ट्रेन मैसूरु जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन है। इस अवसर पर दक्षिण पश्चिम रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य महेन्द्र सिंघी, गौतम गुलेच्छा, भूपेन्द्र सिंघवी, संजय मूथा तथा जय क्रांति युवा सेना के अध्यक्ष विनोद चौहान भी उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच सेंट्रल बेंगलूरु द्वारा डांडिया नाइट का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच केंद्रीय बेंगलूरु (एमवाईएमसीबी) द्वारा डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। मन्त्रा रिजॉर्ट में 600 से अधिक लोग खुशी, संगीत और उत्सव की शाम के लिए एकत्र हुए।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सांस्कृतिक उत्सवों के माध्यम से सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देना था। बेंगलूरु के विभिन्न हिस्सों से लोग पारंपरिक डांडिया और गरबा नृत्य में भाग लेने के लिए एकत्र हुए। उपस्थित लोगों को संगीत, प्रदर्शन और विभिन्न गतिविधियों के साथ एक यादगार रात का अनुभव मिला, जिसने सभी आयु वर्ग के मेहमानों का दिल जीत लिया। शाम की शुरुआत ऊर्जा से भरे गरबा गीतों के साथ हुई, जिसने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद गायक हितेश मेहता, ऋषभ मेहता और सीमा रायकर के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों का मन मोह लिया। डीजे डीवू के जबर्दस्त धुनों से दर्शक रातभर नृत्य करते रहे। बच्चों के लिए एक विशेष खेल क्षेत्र भी बनाया गया था, जिसमें ट्रैम्पोलिन शामिल था, जिससे सबसे छोटे मेहमान भी आनंदित हो सकें। रात में स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था थी। मारवाड़ी युवा मंच सेंट्रल बेंगलूरु के अध्यक्ष शिशिर अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता का श्रेय मारवाड़ी युवा मंच सेंट्रल बेंगलूरु की बारीक योजना और समुचित प्रबंधन को जाता है। इस स्तर के कार्यक्रम का प्रबंधन करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मेहमानों के चेहरों पर मुस्कान और खुशी देखना सब कुछ सार्थक बनाता है। सचिव गौतम लोहीया और प्रमुख सदस्यों ऋतिक बंसल, रौनक झुनझुनवाला, प्रत्यूष बंसल, आयुष भीम्सारिया और आशीष कुमार अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रही, जिसमें सतीश गोयल (अग्रवाल समाज), नितेश तिवारी (मारवाड़ी युवा मंच कर्नाटका प्रांत), रोहित केडिया (अग्रवाल युवा संघ), संदीप टिबरेवाल (पूर्वांचल परिवार) और स्नेह जाजू (मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु) शामिल थे। विकास केडिया (श्याम सेवा संघ) और अन्य प्रमुख समुदाय के सदस्य भी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य और कैंसर जागरूकता शिविर 26 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मातृछाया जैन महिला संगठन द्वारा आधुनिक मशीनों द्वारा लगभग 500 जरूरतमंद लोगों के लिए स्वास्थ्य और कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन एपीएस एजुकेशनल ट्रस्ट, एन आर कॉलोनी में 26 अक्टूबर को किया जाएगा।

शिविर की योजना पर चर्चा के लिए संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी के नेतृत्व में सभा आयोजित की गई। संगठन की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि रामैया हॉस्पिटल के साथ मिलकर शिविर में कैंसर परीक्षण हेतु आधुनिक मशीनों द्वारा जांच की जाएगी। सचिव रेशमा बडोला ने जानकारी दी कि शिविर के मुख्य प्रायोजक गीता देवी कनकराज संचेती हैं। मुख्य अतिथि के रूप में बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या एवं बसवनगुड़ी क्षेत्र के विधायक रवि सुब्रमण्यम को आमंत्रित किया गया है। समाज के गणमान्य लोगों की भी उपस्थिति रहेगी। सभा में पूर्व अध्यक्ष निर्मला दांतेवाड़िया, उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना, कार्य संयोजिका कविता पोरवाल, त्रिशला दांतेवाड़िया एवं कार्य कमेटी का पूर्ण सहयोग रहेगा। मीना सोलंकी ने सभी का आभार जताया।

परिषहों को समभाव से सहन करना ही साधु जीवन: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने परमात्मा महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र के दूसरे अध्ययन का विवेचन करते हुए कहा कि साधु जीवन के 22 परिषह बताये गये है। परिषह वह है जो स्वतः जीवन में आते है और जो किसी के द्वारा मिलते है कोई और जिसके निमित्त बनते है वह उपसर्ग कहलाते है। यानि जो धर्म में स्थिर रहने के लिए और कर्मों को क्षय करने के लिए समभाव से सहे जाते है उन्हें परिषह कहते है। साधु जीवन में धर्म पालन करते समय आने वाले कष्टों से विचलित न होकर समभावपूर्वक सहन करना ही साधु जीवन है। संयम के पथ पर कदम बढाते समय विविध प्रकार के कष्ट आते है पर साधक उन कष्टों से घबराता नहीं है। उन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जो समभाव रखकर उन परिषहों को सहन करते है उनकी सिद्धि की साधना बढ़ती जाती है।

22 परिषह में जैसे क्षुधा परिषह यानि क्षुधा (भूख) लगी हो या शुद्ध निर्दोष आहार न मिले तो भूख सहन करना परंतु दोषित आहार न लेना। प्यास परिषह – प्यास लगने पर उचित जल न मिले तो सचित जल की इच्छा भी नहीं करना तथा प्यास को सहन करना। या शीत परिषह यानि सर्दी को साम्य भाव से सहन करते हुए वस्त्र ग्रहण नहीं करना अथवा मर्यादा से अधिक तथा अकल्पनीय वस्त्र ग्रहण नहीं करना। इन परिषहों को समभाव से सहना ही साधु जीवन बताया गया है। उन्होंने कहा कि तीन प्रकार की आत्माएं बताई है। पहली स्वयं समृद्ध आत्मा जिसे किसी भी गुरु की, शास्त्र ज्ञान की आवश्यकता नहीं पड़ती और जो केवलज्ञान को प्राप्त करती है। तीर्थंकरो की आत्मा। दूसरी बुद्ध बाधित आत्मा यानि तीर्थंकर की वाणी को सुनकर जिसे आत्मज्ञान होता है। तीसरी प्रत्येक बुद्ध आत्मा वह होती है जो किसी के निमित्त को पाकर जागृत हो जाती है और जिसे आत्म ज्ञान प्राप्त होता है। पूर्व में रूपेशमुनि ने उत्तराध्ययन सूत्र आराधना का वांचन और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वासुपूज्यस्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ अक्किपेट के तत्वावधान में आचार्य भगवंत श्री हीरचंद सूरीश्वरजी की पावन प्रेरणा, पन्यासप्रवर श्री विमलपुण्यविजय जी एवं साध्वी वर्या श्री करुनासिद्धि जी की निश्रा में बेंगलूरु में सर्व प्रथम अलौकिक मंदिर जी की सजावट सहित ऐतिहासिक दो दिवसीय प्रदर्शनी सहित सेमिनार का भव्य आयोजन शनिवार से होगा। इस आयोजन में मंदिरजी, आराधना भवन, पाठशाला में पांचों मंजिल में अलग अलग आठ कर्मो की कोर्ट, चौदह राजलोक, महामंत्र नवकार, आठवां वार परिवार, जैन श्रमण परिचय, जैन वंशज–महाराणा प्रताब और छत्रपति शिवाजी, जम्बूदीप, कालचक्र, निगोद से निर्वाण, व्यसन मुक्त एवं हिंसा मुक्त विश्व आदि के बारे में चित्र एवं झांकी के माध्यम से विस्तार पूर्वक बताया जायेगा। कैलाश संखलेचा ने बताया कि ट्रस्ट मंडल के अंतर्गत आने वाली सभी संस्थाओं सहित 30 सेवा भावी मंडल के सदस्य कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लगे हैं।

मोह, कषाय से ग्रसित मानव में धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में नवपद ओली आराधना के आठवें चारित्र दिवस पर श्रीपाल चारित्र के वांचन के दौरान श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने फरमाया कि धर्म पर, नवपद पर पूर्ण श्रद्धा आस्था रखने से उस धर्म के प्रति श्रद्धा का ही यह फल था कि मंत्र सिद्ध कर आहान करते ही साक्षात् देवता श्रीपाल जी के समक्ष सेवा में प्रकट हो जाते थे। इस कलयुग पंचम आरे में संसार में मोह – आसक्ति कषाय से ग्रसित मानव में धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा, आस्था के भाव का अभाव है। इसलिए अब इंसान के समक्ष देवता प्रकट नहीं होते है। अरिहन्त, सिद्ध, साधु और केवली प्ररुपित दयामय धर्म पर ही शरण ग्रहण करने पर और उन पर दृढ़ सच्ची आस्था रखने से साधक के कार्य में सफलता मिलती है और सभी प्रकार की उनकी मनोवांछित सिद्धि फल की प्राप्ति होती है। श्रीपाल जी ने सत्य, शील, तप, दान, क्षमादि दस धर्मो की आराधना करते हुए अपनी प्रबल पुण्यवानी, आयम्बिल तप साधना और नवपद नवकार महामंत्र पर दृढ़ आस्था रखने से ही देव सहायक रूप बनते हैं और जहां–जहां भी वे गये वहां राज्यादि सम्मान – आदर को प्राप्त किया। वास्तव में यह सब नवकार महामंत्र धर्म और तप साधना का ही महा प्रभाव – चमत्कार हैं। धर्म सभा का संचालन मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आगामी 17 नवंबर को स्थानीय महावीर धर्मशाला में कर्नाटक गजकेसरी खड्डरदारी संत श्री गणेशीलाल जी के निर्धारित जन्मोत्सव समारोह के तहत श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक के पदाधिकारी साधु साध्वीवृंद से निश्रा प्रदान करने की विनती कर रहे हैं। इसी क्रम में समिति के चेयरमैन गौतम चंद धारीवाल के साथ अन्य पदाधिकारियों ने श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ चामराजपेट स्थानक में विराजित दक्षिण दीपिका उपप्रवर्तनी साध्वी सत्य प्रभा जी एवं सुप्रभा जी के समक्ष विनती की। साथ ही समिति के पदाधिकारियों ने इस बाबत श्री संघ को भी ज्ञापन विनती पत्र दिया। इस दौरान समिति के महामंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहर लाल बाफना, अनिल बाफना, अनिल बागरेचा, महावीर चंद्र बोहरा इत्यादि मौजूद रहे।

धर्मचक्र महापूजन का आयोजन

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी के पावन सानिध्य और प्रेरणा में चल रहे धर्मचक्र तप एवं आगमरत्न सागरजी की 31वीं ओली पूर्णाहुति निमित्त पंचान्हिका महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत बुधवार को सुबह धर्मचक्र महापूजन, दोपहर को गांव सांझी और शाम को संध्याभक्ति का भव्य आयोजन किया गया। संगीतकार अनीश राठौड़ पधारे थे।

स्वर्ग–नर्क का इंसान के भीतर होता है निर्माण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि कालचक्र के वर्णन में 6 आरे का विशेष वर्णन दिया गया है। तीसरे आरे के अंत में श्री ऋषभदेव भगवान का जन्म हुआ और प्रथम राजा बने। वे 15वें कुलकर थे। मरु देवी माता और नाभि राय के पुत्र थे। आदिनाथ भगवान ने दीक्षा से पहले लोगों को असि मसि कृषि तीनों सिखाई। चरित्र धर्म और श्रावक धर्म दोनों ही ऋषभदेव भगवान से शुरू हुए। विशेष बात यह रही कि ऋषभ देव भगवान की सर्वज्ञता प्राप्त होने के बाद मरु देवी माता को केवल ज्ञान हो गया। स्वर्ग–नर्क , पहले इंसान के भीतर इसका निर्माण होता है। तुच्छ सोच ही तुच्छ शब्द निकलवाती है और फिर कर्म भी तुच्छ करने लगता है। वर्तमान में इंसान ऊपर से गन्ने की मीठास जैसा दिखाना चाहता है। परन्तु मीठास के बाद जो भीतर है वही तुच्छता निकलेगी। महामंत्री संपत राज मांडोत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के जयनगर स्थित अग्रसेन भवन में ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती स्वामी द्वारा भारतवर्ष में चलाये जा रहे गौर रक्षा अभियान में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज बेंगलूरु के प्रमुख कार्यवाहक एवं गौ भक्त सुनील शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने पादुका पूजन कर शंकराचार्य को हार पहनाकर उन्हे सम्मानित किया। शंकराचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि मेरी इस यात्रा का उद्देश्य देश से गौ हत्या के कलंक को मिटाकर गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करवाना है। गाय को पशु सूची से हटाकर माता घोषित करवाना एवं गौ हत्या को दंडनीय अपराध घोषित करवाना है। शंकराचार्य को जब यह बताया गया कि सुनील शर्मा द्वारा पिछले ग्यारह वर्षों से माध्यम गौ शाला में शानदार तरीके से गायों की सेवा की जाती है तो उन्होने साधुवाद देते हुए उनकी भूरि भूरि प्रशंसा की। शंकराचार्य ने उनका अभिनंदन किया।

सुनले कन्हैया अर्जी हमारी भजन संध्या 10 नवंबर को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लागबाग रोड स्थित पूर्णिमा थियेटर के पीछे गोडवाड़ जैन भवन में हर वर्ष की तरह इस बार भी श्री श्याम सखा परिवार द्वारा 10 नवंबर को बाबा श्याम के भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। सुभाष राजपुरोहित ने बताया कि इस अवसर पर बाबा श्याम का फूलों से भव्य दरबार सजाया जाएगा तथा दोपहर 2 बजे से पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जायेगी। तत्पश्चात भजन संध्या का कार्यक्रम होगा, जिसमें आमंत्रित भजन गायक प्रेम शर्मा जयपुर, कन्हैया झा रायसिंहनगर और गिरिराज शर्मा जयपुर द्वारा बाबा श्याम को मधुर भजनों की प्रस्तुति से रिझाया जाएगा। रामसुन्दर बगड़िया, पण्डित मुरारी दाधीच, किशन बगड़िया, श्रेया इंदोरिया एवं श्रुति पुरोहित भी अपनी प्रस्तुति से समा बांधेंगी। इस भजन संध्या के लिए श्री श्याम सखा परिवार की पूरी टीम जोरदार तैयारी में जुटी है।

बेंगलूरु समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में व्यापक बारिश

गुरुवार तक ऑरेंज अलर्ट घोषित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले कुछ दिनों से बेंगलूरु समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में जारी बारिश बुधवार को भी जारी रही। मौसम विभाग ने गुरुवार तक बारिश जारी रहने की संभावना जताई है। भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) के अनुसार, सुबह 8:30 बजे समाप्त हुए 24 घंटों में बेंगलूरु शहर में 66.1 मिमी बारिश दर्ज की गई, एचएएल हवाई अड्डे पर 89.3 मिमी बारिश दर्ज की गई और केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 9.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। अगले 24 घंटों के लिए जारी आईएमडी के पूर्वानुमान में कहा गया है कि आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। पूर्वानुमान में कहा गया है, हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें, कभी-कभी भारी बारिश की संभावना है।

अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 23 डिग्री सेल्सियस और 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) के अनुसार मंगलवार की सुबह 8:30 बजे से बुधवार की सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई वर्षा (मिमी) के स्थान-वार विवरण के अनुसार, बेंगलूरु शहरी अनेकल नेरिगा स्टेशन पर 152.5, बेंगलूरु शहरी बेंगलूरु उत्तर सोमाशेट्टीहल्ली स्टेशन पर 102.5, बेंगलूरु शहरी अनेकल मुगलुरू स्टेशन पर 92.5, बेंगलूरु शहरी बेंगलूरु उत्तर चिक्काबनवारा स्टेशन पर 90, बेंगलूरु केएसएनडीएमसी कैंपस-एसपीटी स्टेशन पर 89.5, बेंगलूरु शहरी बेंगलूरु उत्तर शिवकोटे स्टेशन पर 88, बेंगलूरु येलहंका विद्यारण्यपुरा स्टेशन पर 80.5, बेंगलूरु येलहंका जक्कुर-1 स्टेशन पर 75.5, बेंगलूरु शहरी बेंगलूरु पूर्व डोड्डागुब्बी स्टेशन पर 74 और बेंगलूरु येलहंका जक्कुर-2 स्टेशन पर 73 एमएम बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश कोनेना अग्रहारा और एचएएल हवाई अड्डे पर 92 मिमी दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान चौडेश्वरी और विद्यारण्यपुरा में 89.5 मिमी और जक्कुर में 75.5 मिमी बारिश हुई। केएसएनडीएमसी ने कहा कि राज्य भर में पिछले 24 घंटों के दौरान टेलीमेट्रिक रेन गेज स्टेशनों से प्राप्त वर्षा के आंकड़ों के आधार पर, 20 जिलों बेंगलूरु शहरी, उडुपी, तुमकुरु, कोलार, रामनगर, बेंगलूरु ग्रामीण, बेल-गावी, विजयपुरा, दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़, चित्रदुर्ग, शिवमोग्गा, हासन, चिक्कमगलूरु, कलबुर्गी, दावणगेरे, धारवाड़, हावेरी, विजयनगर और चिकबल्लापुर में व्यापक बारिश देखी गई। इसमें कहा गया है कि पांच जिलों चामराजनगर, बागलकोट, मांड्या, यादगीर और कोडागु में काफी व्यापक बारिश हुई। तीन जिलों (मैसूरु, बल्लारी और गदग) में छिटपुट बारिश हुई। तीन जिलों बीदर, रायचूर और कोप्पाला में छिटपुट बारिश देखी गई। शून्य जिलों में शुष्क/नगण्य बारिश देखी गई।

अधिकतम वर्षा 152.5 मिमी के साथ नेरिगा ग्रामपंचायत, अनेकल तालुक, बेंगलूरु शहरी जिला में दर्ज की गई। राज्य के लिए वर्षा का समग्र वितरण एक विस्तृत श्रेणी के अंतर्गत है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक गुरुवार तक राज्य के दक्षिणी भीतरी इलाकों में भारी बारिश की संभावना है और मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट की घोषणा की है। उत्तरी कर्नाटक में कहीं-कहीं अलर्ट घोषित किया गया है। तटीय, पहाड़ी, दक्षिणी और उत्तरी भीतरी इलाकों में बारिश जारी रहेगी, गरज-चमक और तेज हवाओं के कारण कुछ स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र के मुताबिक, 1 अप्रैल से मंगलवार तक राज्य में 97 मिमी बारिश हुई। सामान्य वर्षा 80 मिमी की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। दक्षिणी भीतरी इलाकों में 108 मिमी, उत्तरी भीतरी इलाकों में 73 मिमी, तटीय क्षेत्रों में 138 मिमी बारिश दर्ज की गई।

वहीं पहाड़ी इलाकों में 127 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो पूरे राज्य में सामान्य से अधिक है। इससे पहले मंगलवार को भारी बारिश के कारण येलहंका में स्थित फीनिक्स मॉल ऑफ एशिया पानी में डूब गया।

सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में देखा गया कि मॉल के पार्किंग और प्रवेश द्वार पर पानी भरा है, जिससे ग्राहक मॉल के अंदर नहीं जा पा रहे हैं। मंगलवार को हुई बारिश ने तबाही मचा दी और मॉल के चारों तरफ पानी भर गया।

क्षेत्र में पानी भरने के कारण लोगों को ट्रैक्टर ट्रॉली के जरिए घरों से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

मस्जिद के अंदर जय श्री राम का नारा लगाने का आरोप

कोर्ट ने दो लोगों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला किया खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को मस्जिद के अंदर कथित तौर पर जय श्री राम के नारे लगाने के मामले में दो लोगों के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज आपराधिक मामला खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली एकल खंडपीठ ने आरोपी व्यक्तियों की अपील याचिका पर गौर करते हुए आदेश पारित करते हुए कहा कि यह समझ से परे है कि जय श्री राम के नारे लगाने से किसी समुदाय की धार्मिक भावनाएं कैसे आहत होंगी। आरोपियों पर मस्जिद में कथित तौर पर जय श्री राम के नारे लगाने के लिए आईपीसी की धारा 295ए के तहत आरोप लगाए गए थे। उन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 447 (आपराधिक अतिक्रमण), 505 (सार्वजनिक शरारत के लिए बयान), 506 (आपराधिक धमकी), 34 (सामान्य इरादा) और 295ए (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना) के तहत भी मामला दर्ज किया गया था। पीठ ने कहा कि मामले में शिकायतकर्ता ने स्वयं कहा था कि संबंधित क्षेत्र में हिंदू और मुस्लिम सद्भावना से रह रहे हैं। पीठ ने रेखांकित किया कि याचिकाकर्ताओं के खिलाफ आगे की कार्यवाही की अनुमति देना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि कोई भी कृत्य आईपीसी की धारा 295ए के तहत अपराध नहीं बनेगा।

पुलिस ने आरोप लगाया था कि आरोपी व्यक्ति 24 सितंबर, 2023 को रात करीब 10.50 बजे मस्जिद के अंदर घुसे और जय श्री राम के नारे लगाए। उन पर धमकी देने का भी आरोप लगाया गया था। जब शिकायत दर्ज की गई तो आरोपियों को अज्ञात व्यक्ति के रूप में दिखाया गया और बाद में आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। हालांकि, अपने खिलाफ आरोपों को चुनौती देते हुए आरोपियों ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर की और उनके खिलाफ इस संबंध में मामला रद्द कर दिया। पीठ ने यह भी कहा कि शिकायतकर्ता ने उल्लेख किया कि इलाके में हिंदू और मुसलमान सद्भाव से रहते हैं और उन्होंने यह भी दावा किया कि जय श्री राम के नारे लगाने से सांप्रदायिक तनाव भड़केगा।

19 अक्टूबर तक दक्षिण कन्नड़ में भारी बारिश का हाई अलर्ट जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आने वाले दिनों में भारी बारिश और तेज समुद्री लहरों के कारण बुधवार से 19 अक्टूबर तक दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में हाई अलर्ट जारी किया गया है। थोड़े समय की शांति के बाद, मानसून पूरे राज्य में नए सिरे से तीव्रता के साथ लौटा है, तटीय क्षेत्रों सहित कई क्षेत्रों में भारी बारिश देखी गई।

भारतीय मौसम विभाग ने कम दबाव वाले सिस्टम के कारण बारिश बढ़ने की चेतावनी दी है। इसके मद्देनजर, दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन ने मछुआरों को समुद्र में जाने से परहेज करने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, जनता और पर्यटकों को निचले इलाकों और जलभराव वाले

इलाकों से बचने की सलाह दी गई है। बारिश ने पहले ही बेंगलूरु में व्यवधान पैदा कर दिया है, जहां पिछले 18 घंटों से लगातार बारिश हो रही है, जिससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई है और तापमान में 6 डिग्री की गिरावट आई है। सड़कें नदियों में बदल गई हैं और कई घरों में पानी घुस गया है, जिससे काफी असुविधा हो रही है। तटीय क्षेत्र में पिछले दो दिनों में मध्यम बारिश देखी गई है, अगले चार से पांच दिनों में भारी बारिश का अनुमान है।

भारी बारिश के कारण चेन्नई और बेंगलूरु के बीच कई ट्रेन सेवा रद्द

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण चेन्नई से बेंगलूरु जाने वाली कुछ ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। बंगाल की खाड़ी में बने दबाव के कारण तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। चेन्नई में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश हो रही है और लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इसके चलते भारतीय मौसम विभाग ने पूरे तमिलनाडु राज्य में भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। इस पृष्ठभूमि में, रेलवे विभाग ने भारी बारिश के कारण बुधवार को चेन्नई से बेंगलूरु और मैसूरु तक चलने वाली कुछ ट्रेनों को रद्द कर दिया। रद्द की गई ट्रेनों में चेन्नई-बेंगलूरु - 12657, चेन्नई-बेंगलूरु-12607, 12608, चेन्नई-मैसूरु-12609, मैसूरु-चेन्नई - 12610, चेन्नई-बेंगलूरु - 12027, बेंगलूरु-चेन्नई - 12028, मैसूरु-बेंगलूरु-20623, बेंगलूरु-मैसूरु - 20624 और मैसूरु-चेन्नई सेंट्रल-16022 शामिल है।

कांग्रेस विधायक नागेंद्र का आरोप

वाल्मीकि घोटाले में सीएम और डिप्टी सीएम का नाम लेने के लिए ईडी ने मुझ पर बनाया दबाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी नागेंद्र, जो बुधवार को जेल से बाहर आए, ने आरोप लगाया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में करोड़ों रुपये के घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके डिप्टी डी के शिवकुमार का नाम लेने के लिए ईडी ने उन पर दबाव बनाया। उन्होंने ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) पर कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने की साजिश के तहत भाजपा के दबाव में उन्हें गिरफ्तार करने का भी आरोप लगाया। यहां की एक विशेष अदालत ने सोमवार को कांग्रेस विधायक को जमानत दे दी, जिन्हें घोटाले के सिलसिले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। नागेंद्र ने कहा देश में शासन कर रही भाजपा किसी भी तरह से कांग्रेस की सरकारों को अस्थिर करने की साजिश कर रही है। तीन महीने तक ईडी ने हमारी सरकार को अस्थिर करने के इरादे से मुझे परेशान किया। वाल्मीकि घोटाले में मेरी कोई भूमिका नहीं होने के बावजूद अचानक मुझे गिरफ्तार कर लिया गया। भाजपा के केंद्रीय नेताओं के दबाव में ईडी ने मुझे गिरफ्तार करके राज्य सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की। जेल से रिहा होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि घोटाले के सिलसिले में सिद्धरामैया और शिवकुमार का नाम लेने के लिए उन पर दबाव डाला गया था। उन्होंने कहा मैंने इसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि जब मेरी भूमिका ही नहीं है (घोटाले में), तो उनकी (सीएम और डीसीएम) भूमिका कहां है? सरकार की भूमिका कहां है? बैंक में हुए घोटाले और सरकार के बीच कोई संबंध नहीं है। इसके बावजूद, राज्य और केंद्र दोनों में भाजपा ने साजिश रची, जैसा कि उन्होंने मुडा घोटाले में किया है। जब उनसे पूछा गया कि किस संदर्भ में उन पर सीएम का नाम बताने का दबाव डाला गया, तो पूर्व मंत्री ने कहा यह वित्त विभाग (सीएम के पास) के संबंध में था। बिना किसी लिखित आदेश के, बिना किसी आदेश के पैसे ट्रांसफर किए गए। उस समय जब आचार संहिता थी (लोकसभा चुनावों के दौरान), बैंक अधिकारियों ने बिना केवाईसी की जांच किए ही यह कर दिया। यह राज्य सरकार का घोटाला नहीं है, यह बैंक घोटाला है। न तो मुख्यमंत्री और न ही संबंधित मंत्री

के रूप में मुझे इसकी जानकारी थी। अनावश्यक रूप से, ईडी उनके (सीएम) नाम को इससे जोड़ने की कोशिश कर रहा है। नागेंद्र ने घोटाले में शामिल होने के आरोपों के बाद जून में अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। ईडी ने हाल ही में कहा था कि नागेंद्र की पहचान मुख्य आरोपी और घोटाले के पीछे के मास्टरमाइंड के रूप में की गई है, कथित तौर पर उसने 24 अन्य लोगों की मदद से इस घोटाले को अंजाम दिया था। ईडी ने जुलाई में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत नागेंद्र को गिरफ्तार किया था, और जांच के दौरान पांच अन्य प्रमुख आरोपियों को भी गिरफ्तार किया था। कांग्रेस नेता ने कहा केवल अन्य दलों के नेताओं जैसे केजरीवाल (दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल), सिसोदिया (मनीष सिसोदिया), कविता (तेलंगाना एमएलसी और भारत राष्ट्र समिति नेता) को ईडी द्वारा गिरफ्तार किया जा रहा है, लेकिन हमें न्यायपालिका पर भरोसा है क्योंकि यह किसी के चंगुल में नहीं है, यही कारण है कि मुझे आज जमानत मिली है। वाल्मीकि निगम के पैसे का इस्तेमाल लोकसभा और अन्य चुनावों में किए जाने के सवाल पर नागेंद्र ने कहा कि जांच जारी है। एसआईटी (राज्य सरकार द्वारा गठित) ने कहा है कि पैसे का चुनाव में दुरुपयोग नहीं किया गया। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें फिर से मंत्री बनाया जाएगा, नागेंद्र ने कहा, यह कांग्रेस आलाकमान, सिद्धरामैया, शिवकुमार और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर छोड़ दिया गया है। मेरे पास हिम्मत है कि एक आम पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर मैंने सरकार को बचाया है। यह लड़ाई किसी भी वजह से खत्म नहीं होगी। भाजपा को जड़ से उखाड़ने का काम कर्नाटक से शुरू होगा। हम संदूर, शिग्गांव और चन्नपट्टना उपचुनावों में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करके अपना साहस दिखाएंगे।

20 करोड़ का इस्तेमाल बेल्लारी निर्वाचन क्षेत्र में हुआ

ईडी ने कहा था कि उसकी जांच से पता चला है कि नागेंद्र के प्रभाव में, निगम के खाते को बिना किसी उचित प्राधिकरण के एमजी रोड शाखा (बैंक की) में स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां गंगा कल्याण योजना के तहत राज्य के खजाने से 43.33 करोड़ रुपये सहित 187 करोड़ रुपये उचित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना और सरकारी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए जमा किए गए थे। संघीय जांच एजेंसी ने कहा इन निधियों को बाद में कई फर्जी खातों के माध्यम से निकाल लिया गया और नकदी और बुलियन में बदल दिया गया। ईडी की जांच में यह भी पता चला है कि डायवर्ट किए गए फंडों में से 20.19 करोड़ रुपये का इस्तेमाल बेल्लारी निर्वाचन क्षेत्र से 2024 के लोकसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार का समर्थन करने के साथ-साथ बी नागेंद्र के व्यक्तिगत खर्चों के लिए किया गया था।

विधानसभा उपचुनाव मामला

कांग्रेस 2-3 दिन में उम्मीदवारों की सूची हाईकमान को भेजेगी: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस 13 नवंबर को राज्य में तीन विधानसभा सीटों के लिए होने वाले उप-चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों पर अंतिम रिपोर्ट दो-तीन दिन में पार्टी हाईकमान को भेजेगी। शिवकुमार, जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि उपचुनाव की तैयारियां औपचारिक रूप से गुरुवार को शुरू होंगी। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा हम अपना काम करेंगे। आज हमारे पास कुछ कार्यक्रम हैं। इसे खत्म होने दें। गुरुवार से हम इसे (चुनाव की तैयारियों) आगे बढ़ाएंगे। हमने पहले ही अपनी स्थानीय बैठकें कर ली हैं। दो-तीन दिन में हम उम्मीदवारों पर अंतिम रिपोर्ट (कांग्रेस हाईकमान को) भेज देंगे। उन्होंने कहा कि वह और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया उपचुनाव और उम्मीदवारों पर चर्चा करेंगे। कांग्रेस

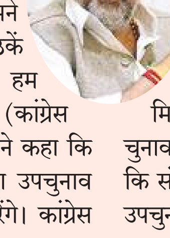

महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, जो संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) के प्रमुख हैं, पीएसी से संबंधित बैठक में भाग लेने के लिए शहर का दौरा कर रहे हैं, इस बात का उल्लेख करते हुए शिवकुमार ने कहा, हम उनसे मिलेंगे। वे हमारे नेता हैं। भारत के चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि संदूर, शिग्गांव और चन्नपट्टना के लिए उपचुनाव 13 नवंबर को होंगे और परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है और नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। संदूर, शिग्गांव और चन्नपट्टना के लिए उपचुनाव आवश्यक हैं, क्योंकि मई में हुए चुनावों में अपने-अपने प्रतिनिधियों - कांग्रेस के ई तुकाराम, भाजपा के पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई और जेडी (एस) के केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के लोकसभा में चुने जाने के बाद ये सीटें खाली हो गई थीं।

कावेरी चरण 5 जल परियोजना का शुभारंभ

सरकार बारिश के कहर को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कर्नाटक के जल संकट को हल करने के लिए बहुप्रतीक्षित कावेरी चरण 5 जल परियोजना का शुभारंभ किया।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा बेंगलूरु के एक तिहाई हिस्से को पानी मिलेगा। अगले 10 सालों तक कोई समस्या नहीं होगी। 50 लाख लोगों को पानी मिलेगा। करीब 5000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। मैंने जो भी वादा किया था, उसे मैंने पूरा किया है। मैं बेंगलूरु के लोगों को बधाई देना चाहता हूं। बीबीएमपी के तहत 110 गांवों को भरपूर पानी उपलब्ध कराने के लिए, कावेरी चरण 5 पेयजल परियोजना मालवल्ली तालुक के तोरेकाडनहल्ली में शुरू की गई। कावेरी चरण 5 जल आपूर्ति परियोजना भारत में अपनी तरह की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है, जिसे बेंगलूरु में लगभग 5 मिलियन लोगों को पानी की आपूर्ति करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस स्मारकीय परियोजना में 775 एमएलडी की क्षमता वाले भारत के सबसे बड़े जल उपचार संयंत्र का निर्माण शामिल है।

परियोजना को निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक बाढ़ नियंत्रण प्रणाली द्वारा समर्थित किया गया है। टीके हल्ली, हारोहल्ली और तातागुनी में तीन उन्नत बूस्टर पंपिंग स्टेशन बनाए गए हैं, जो 500 मिमी से लेकर 2200 मिमी व्यास वाले स्टील पाइप के जरिए 450 मीटर की ऊंचाई तक पानी पंप करने की अनुमति देते हैं – जो लगभग 50 मंजिला इमारत की ऊंचाई है। ये पाइप बेंगलूरु तक पानी पहुंचाने के लिए लगभग 110 किलोमीटर की दूरी तय करते हैं। इस परियोजना को पूरा करने के लिए 145,000 मीट्रिक टन स्टील और 2.4 करोड़ मानव-घंटे के उपयोग की आवश्यकता थी, जिससे यह आधुनिक इंजीनियरिंग की उपलब्धि बन गई।

कावेरी चरण 5 परियोजना के माध्यम से पहुँचाया गया पानी एक स्टील ट्रंक मुख्य पाइपलाइन के माध्यम से बेंगलूरु के उपनगरों में वितरित किया जाएगा। इन जलाशयों से यशवंतपुर, बेंगलूरु दक्षिण, टी. दशरहल्ली, महादेव-पुरा, राजराजेश्वरीनगर और बोम्मनहल्ली के इलाकों में पानी पहुंचेगा, जिससे चिन्हित इलाकों में हर घर तक पानी पहुंचेगा। इस बीच, उपमुख्यमंत्री ने बारिश के कारण जलभराव के लिए बेंगलूरु को बदनाम करने के लिए विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा प्रकृति को नियंत्रित करना संभव नहीं है।

सरकार बारिश के कहर को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। विपक्षी दलों को बेंगलूरु की छवि खराब करना बंद करना चाहिए। कावेरी 5वें चरण की परियोजना के उद्घाटन से लौटने के बाद मैं स्थिति का जायजा लेने के लिए बीबीएमपी, पुलिस विभाग और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ एक और दौर की बैठक करूंगा। बेंगलूरु में बारिश पर विपक्षी नेताओं की पोस्ट के सवाल पर उन्होंने कहा क्या हम प्रकृति से बारिश रोकने के लिए कह सकते हैं।

चक्रवातों के कारण यह अप्रत्याशित बारिश है। सरकार और बेंगलूरु के लोग इससे निपटने में सक्षम हैं। इससे पहले 5वें चरण परियोजना के उद्घाटन से पहले, शुभ लग्न पर अनुष्ठान होम किया गया, गंगा पूजा की गई, सात नदियों का पानी लाया गया और पूजा अर्चना की गई।

मुडा के चेयरमैन ने दिया इस्तीफा भाजपा ने सिद्धरामैया को घेरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के चेयरमैन के. मैरीगौड़ा ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती बीएम को साइटों के आवंटन में अनियमितता को लेकर विवाद के बीच उन्होंने यह फैसला लिया। उन्होंने अपना इस्तीफा नगर विकास विभाग सचिव को सौंप दिया। मैरीगौड़ा के इस फैसले के बाद भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि मुडा के चेयरमैन ने इस्तीफा दे दिया और सीएम सिद्धरामैया ने जमीन लौटाने की पेशकश की है। इससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस नेता सिद्धरामैया सिर से पैर तक मुडा घोटाले में लिप्त हैं। उन्होंने सीएम से इस्तीफे की भी मांग की। उन्होंने आगे कहा बल्लारी लोकसभा क्षेत्र में चुनाव के लिए प्रत्येक लोगों को 200 रुपये दिए गए थे। चार्जशीट में बताया गया कि महर्षि वाल्मीकि बोर्ड के पास जो पैसा था, उसे कांग्रेस ने राजनीतिक काम में लगाया। चीफ अकाउंटेंट पी. चंद्रशेखर के सुसाइड नोट में भी कहा गया है कि 187 करोड़ रुपये अवैध तरीके से स्थानांतरित किये गये थे। भाजपा सांसद ने कहा सिद्धरामैया द्वारा आवंटित भूमि लौटाने की पेशकश और सदन में यह स्वीकार करना कि पैसे को डायवर्ट किया गया, क्या इससे अपराध स्वीकार करने की बू नहीं आती? मैं सिद्धरामैया से अपील करता हूं कि उनमें थोड़ी सी भी नैतिकता बची है तो वे इस्तीफा दे दें। आपको आज के सूर्यास्त का इंतजार नहीं करना चाहिए। आज के सूर्यास्त से पहले ही कर्नाटक के शासन पर से पर्दा उठ जाना चाहिए। इस्तीफा देने के बाद के. मैरीगौड़ा ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा मैंने सीएम के निर्देश के बाद इस्तीफा दिया। इसके अलावा मुझे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी थी, जिसके कारण मैंने इस्तीफा दिया। मेरे पर कोई दबाव नहीं बनाया गया। मुझे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं, जिसके कारण मैंने इस्तीफा दिया। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा जांच जारी है और यह जारी रहेगा। यह जांच के बाद ही मालूम चलेगा कि कोई अनियमितता थी या नहीं।

वक्फ बोर्ड मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को लगाई फटकार

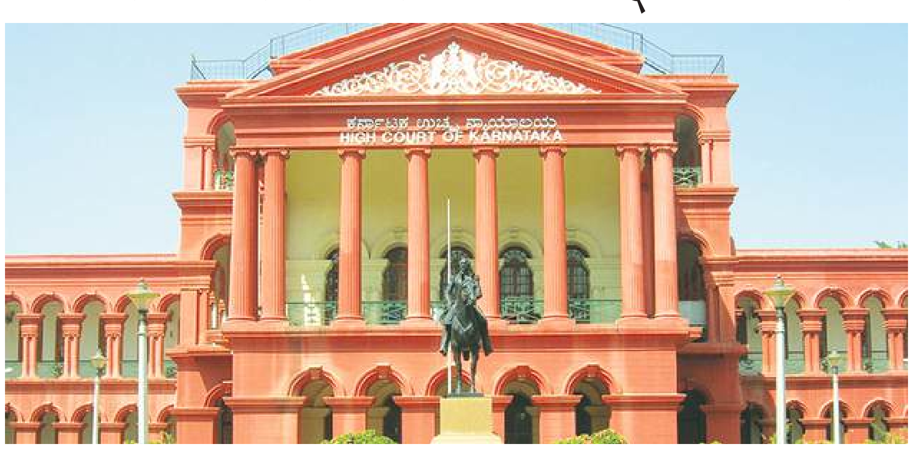

नोटिस जारी कर मांगा जवाब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वक्फ बोर्ड मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को लेकर अपना सख्त रुख अपनाया है। जहां सिद्धरामैया सरकार के वक्फ बोर्ड को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति देने के फैसले पर सवाल उठाते हुए अदलात ने दायर जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया है। बता दें कि कर्नाटक सरकार ने वक्फ बोर्ड को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति दे दी थी, जिसके विरोध में हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई। जिसपर सुनवाई के दौरान कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए जवाब मांगा है। दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकारी वकिल के तर्क पर मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया और न्यायमूर्ति केवी अरविंद की पीठ ने कहा कि वक्फ बोर्ड के पास विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का कोई कार्य नहीं है। जानकारी के अनुसार अदालत में वकिल ने तर्क दिया था कि बोर्ड को केवल विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार दिया गया है। पीठ ने इस मामले में राज्य सरकार से 12 नवंबर से पहले पहले जवाब मांगा है। कर्नाटक हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका में की गई मांग की बात करें तो, याचिकाकर्ता ने मांग की है कि अल्पसंख्यक, वक्फ एवं हज विभाग के अवर सचिव द्वारा जारी 30 सितंबर 2024 के सरकारी आदेश को वक्फ अधिनियम, 1995 में कानून के विपरीत और असंगत घोषित किया जाने की मांग की गई है और इसलिए कर्नाटक सरकार के इस फैसले को अधिनियम के विरुद्ध घोषित किया जाए।

राज्य में भाजपा की सदस्यता 50 लाख से अधिक हो गई: नंदीश रेड्डी

बेंगलूरु के नागरिक इस सरकार से निराश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश महासचिव नंदीश रेड्डी ने खुशी जताई कि कर्नाटक भाजपा ने सदस्यता अभियान के तहत 50 लाख सदस्यता पंजीकरण पूरे कर लिए हैं। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र की अध्यक्षता में, राज्य के विपक्षी नेताओं आर. अशोक, चलवाडी नारायणस्वामी के नेतृत्व में, सभी पदाधिकारियों के सहयोग और कड़ी मेहनत से यह संभव हो सका है। उन्होंने बताया कि केंद्र में पार्टी नेतृत्व ने कर्नाटक सदस्यता अभियान की विशेष सराहना की है। 2014 में ऑनलाइन माध्यम से सदस्यता अभियान शुरू हुआ। 2019 में मिस्ड कॉल के जरिए सदस्यता की गई थी, इस बार सदस्यता अभियान के लिए एक कमेटी भी बनाई गई। उन्होंने कहा सांसद

पीसी मोहन, विधायक महेश तेंगिनाकाई, गौड़ा पाटिल, विधान परिषद सदस्य केएस नवीन, प्रताप सिम्हा नाइक और मैं एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले के लिए वरिष्ठ नेताओं को प्रभारी नियुक्त किया गया है। पहले जब मेंबरशिप होती थी तो सिर्फ मिस्ड कॉल देने की व्यवस्था थी। इस बार मिस्ड कॉल के बाद उपलब्ध लिंक के माध्यम से पूरी जानकारी प्राप्त की जा रही है। उन्होंने कहा पता, परिवार की जानकारी, विधानसभा क्षेत्र, बूथ विवरण, ईमेल आईडी भी प्राप्त की जा रही है। यह अभियान प्रधानमंत्री के विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप उस लक्ष्य की ओर एक कदम बढ़ाने के लिए किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर अब तक 9 करोड़ 22 लाख 11 हजार सदस्यताएँ पूर्ण हो चुकी हैं। हमारा लक्ष्य 11 करोड़ है और लोग उससे आगे सदस्यता पाने के लिए उत्सुक हैं। सदस्यता अभियान को 15 की बजाय 31 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष जिले का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा हम, सभी नेता भी यात्रा करेंगे। 2014 में राज्य में 74 लाख 88 हजार थे। हमने 2019 में कुल 1 करोड़ 1 लाख 75 हजार सदस्यता कराई। इस बार हमें सवा करोड़ का लक्ष्य दिया गया है और उससे भी आगे 50 लाख करने का लक्ष्य अमित शाह ने दिया है। उन्होंने कहा कि हम उस लक्ष्य तक सफलतापूर्वक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

विजयेंद्र, वरिष्ठ बीएल संतोष, विनोद तावड़े, सदस्यता प्रभारी विजय राहतकर, प्रदेश प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल और सह प्रभारी सुधाकर रेड्डी अभियान पर नजर रख रहे हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी विकास परियोजनाओं का लालच देकर सत्ता में आई थी। लेकिन, वास्तव में, उनके सत्ता में आने के बाद कोई विकास परियोजनाएँ नहीं हो रही हैं। बेंगलूरु में जहां आईटी बीटी उद्योग हैं, आज एक वाहन को एक किमी की दूरी तय करने में औसतन 20 से 25 मिनट लगते हैं। बेंगलूरु के नागरिक इस सरकार से निराश हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि लोग गुस्से और चिंता के कारण कोस रहे हैं। एक तरफ बेंगलूरु में बारिश हो रही है।

समस्या विकास कार्यों के बिना है। स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां दे दी गई हैं। टेक कंपनियों ने वर्क फ्रॉम होम का ऐलान कर दिया है। इसका मुख्य कारण मुख्यमंत्री और उनकी टीम है। उन्होंने कम से कम अब जागने की मांग की। उन्होंने शिकायत की कि सरकार कुर्सी की लालसा में राज्य की जनता की समस्याओं को पूरी तरह से भूल गयी है। म्यूजिकल चेयर का सहारा न लें। उन्होंने लोगों की समस्याओं पर जवाब देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विकास परियोजनाएं शुरू नहीं की गईं तो वह और उग्र संघर्ष करेंगे।

उपचुनाव की घोषणा के बाद तीनों दल पूरी तरह सक्रिय

जीत के लिए बना रहे गेम प्लान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तीन विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव की घोषणा होते ही तीनों दलों में तीव्र राजनीतिक गतिविधियां शुरू हो गई हैं और मिनी युद्ध जीतने के लिए विभिन्न रणनीतियां शुरू हो गई हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग ने रामनगर जिले के चन्नपट्टना, हावेरी जिले के शिग्गांव और बेल्लारी जिले के संदूर के उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की है। इन तीन निर्वाचन क्षेत्रों में सत्तारूढ़ कांग्रेस सभी निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेगी। एनडीए के सहयोगियों में भाजपा-2 और भाजपा जेडीएस-1 को मैदान में उतार सकती है। इस बीच, उपचुनाव में टिकट पाने के लिए दावेदार खूब जोर-आजमाइश कर रहे हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को अहम मंत्रणा की और उम्मीदवारों के चयन और प्रभारी मंत्रियों की

नियुक्ति पर चर्चा की। चूंकि एआईसीसी महासचिव के.सी.वेणुगोपाल राज्य में आ चुके हैं, इसलिए उनसे चर्चा कर उम्मीदवारों के चयन के संबंध में 2-3 दिनों के भीतर हाईकमान को रिपोर्ट भेजने का निर्णय लिया गया है। इन विधानसभा क्षेत्रों में स्थानीय नेताओं के साथ कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं और मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री सीधे चुनाव प्रचार के लिए मैदान में उतरेंगे। जैसा कि जेडीएस चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखने के लिए दृढ़ है, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने अपने बेटे निखिल कुमारस्वामी के भविष्य को आकार देने के लिए एक और प्रयास शुरू किया है। सीपी योगेश्वर, जो भाजपा के विधान परिषद सदस्य भी हैं, यह कहकर गरम हैं कि वह चुनाव लड़ेंगे। तीन निर्वाचन क्षेत्रों में से, चन्नपट्टना को एक उच्च वोल्टेज क्षेत्र में बदल दिया गया है। जेडीएस और भाजपा के बीच सीट बंटवारे और चुनावी रणनीतियों को लेकर अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। पर्दे के पीछे खूब चर्चाएं और तैयारियां चल रही हैं। ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि सत्तारूढ़ कांग्रेस को हराने के लिए दोनों पार्टियों को मिलकर लड़ना पड़ रहा है। यदि भाजपा शिग्गांव निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखने के लिए दृढ़ है, जो पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के इस्तीफे से खाली हुई थी, तो पूर्व मंत्री रामालू बेल्लारी के संदूर में विधान सभा में प्रवेश करने की उम्मीद कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र के खुद इस संसदीय क्षेत्र की कमान संभालने की संभावना है। दूसरी ओर, कांग्रेस में मंत्री जमीर अहमद खान और हाल ही में जेल से रिहा हुए सांसद नागेंद्र को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जहां उन्हें अपनी क्षमता को खतरे में डालना पड़ रहा है। डीके शिवकुमार जहां चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, वहीं कुमारस्वामी यहां टक्कर देने के लिए तैयार हैं। शिग्गांव में, कांग्रेस के पास बसवराज बोम्मई के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए सक्षम नेताओं की कमी है। तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में, सत्तारूढ़ दल ने अपने उम्मीदवार की घोषणा या पहचान नहीं की है। मंत्रियों की आंतरिक समिति की ओर से दी गई रिपोर्ट में 2-3 नाम भी सुझाए गए हैं। इसके बावजूद किसी और को चुनने की संभावना प्रबल है। चन्नपट्टना उम्मीदवार को लेकर भाजपा और जेडीएस नेताओं के बीच चर्चा के बाद ही अंतिम फैसला होने की संभावना है। लेकिन जाहिर तौर पर निखिल कुमारस्वामी युद्ध के मैदान में उतर चुके हैं। सीपी योगेश्वर ने एक निजी रिसॉर्ट में समर्थकों की बैठक की और स्पष्ट संदेश दिया। कुल मिलाकर भारी बारिश और ठंड के बावजूद तीनों विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है।

स्कूटर पेड़ से टकराया, सवार की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां मदूर के शारदा नगर में बुधवार को एक दुखद दुर्घटना में स्कूटर सवार नियंत्रण खो बैठा और पेड़ से टकरा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मदूर निवासी नागेश (51) के रूप में हुई है। वह एक निजी अस्पताल में बस स्टाफ के रूप में काम करता था। यह दुर्घटना उस समय हुई जब वह छुट्टी पर था और बेरी बाजार से नारियल खरीदकर घर जा रहा था। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। मेंगलूरु दक्षिण यातायात पुलिस के एएसआई यशवंत ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज किया।

भारी बारिश की संभावनाओं के मद्देनजर बीबीएमपी अलर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अगले 48 घंटों में बेंगलूरु में भारी बारिश होने की संभावनाओं को गंभीरता से लेते हुए बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका ने मौसम के पूर्वानुमान पर सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया दी है। मुख्य आयुक्त तुषार गिरि नाथ ने एक वर्चुअल मीटिंग का नेतृत्व किया, जिसमें अधिकारियों से सतर्क रहने और संभावित आपात स्थितियों के लिए तैयार रहने का आग्रह किया गया। खासकर बाढ़ की आशंका वाले इलाकों में। बीबीएमपी ने बारिश से संबंधित मुद्दों को कम करने के लिए कई उपाय लागू किए हैं। नागरिक शिकायतों को दूर करने के लिए शहर भर में आठ नियंत्रण कक्ष और निगम मुख्यालय में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया

है। गिरे हुए पेड़ों और शाखाओं को संभालने के लिए विशेष टीमों की तैनाती है। रुकावटों को रोकने के लिए जल निकासी प्रणालियों की निरंतर निगरानी और सफाई की जा रही है। उचित वर्षा जल निकासी सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख सड़कों का निरीक्षण किया जा रहा है। निवासी जलभराव या गिरे हुए पेड़ों जैसी समस्याओं की शिकायत बीबीएमपी हेल्पलाइन 1533 पर कॉल करके कर सकते हैं।

गांधी से आज भी विश्व के नेताओं व राष्ट्रों को मिलती है प्रेरणा: बिरला

जेनेवा/नई दिल्ली 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

149वीं अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) एसेंबली में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जेनेवा में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि शांति और अहिंसा के प्रतीक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से आज भी विश्व के नेताओं तथा राष्ट्रों को प्रेरणा मिलती है। श्री बिरला ने कहा कि गांधीजी की शिक्षाएं देशकाल की सीमाओं से परे हमें याद दिलाती हैं कि जलवायु परिवर्तन, महिला-पुरुष समानता या संघर्ष जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान एकजुटता, संवेदनशी-लता और सहयोग से ही किया जा सकता है।

इस बीच श्री बिरला ने विभिन्न देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारियों के साथ संसदीय रुचि के मुद्दों पर विचार साझा किए। स्विट्ज़रलैंड की नेशनल काउंसिल के प्रेसिडेंट एरिक नसबामर के साथ बातचीत करते हुए, श्री बिरला ने इस बात का उल्लेख किया कि पिछले साल भारत और स्विट्ज़रलैंड के बीच मैत्री संधि के 75 पूरे हुए। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने और बहुपक्षीय मंच पर सहयोग बढ़ाए जाने पर जोर दिया। दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग को और मजबूत करने का आग्रह करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है। उन्होंने भारत और स्विट्ज़रलैंड की घनिष्ठता को बढ़ाने में स्विस-भारत संसदीय मैत्री समूह की सराहना की ।

थाईलैंड की सीनेट के प्रेसिडेंट मोंगकोल सुरसाज्जा से मुलाकात के दौरान श्री बिरला ने दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश, संपर्क, संस्कृति और पर्यटन, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, तथा लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित कई क्षेत्रों में बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों पर विचार साझा किए। आर्मीनिया की नेशनल एसेंबली के प्रेसिडेंट एलन सिमोनियन से बातचीत के दौरान श्री बिरला ने भारत और आर्मीनिया के बीच साझा मूल्यों और दोनों देशों के लोगों के बीच गहरी मित्रता की भावना पर आधारित सौहार्दपूर्ण संबंधों के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की आबादी युवा है और राजनीतिक स्थिरता होने के कारण यहाँ अपार अवसर हैं, इसलिए दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की सा-झेदारी को बढ़ाने की संभावनाएँ है। श्री बिरला ने कहा कि दोनों देश व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में साझेदारी को बढ़ावा देकर भारत के बदलते आर्थिक परिदृश्य से लाभान्वित हो सकते हैं।

मालदीव की पीपुल्स मजलिस के स्पीकर अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से मुलाकात के दौरान श्री बिरला ने कहा कि भारत और मालदीव के बीच ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ संबंध रहे हैं, जो दोनों देशों के नागरिकों के कल्याण में सहायक रहे हैं। लोक सभा अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं को साझा करने से लोकतांत्रिक प्रणालियों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने लोक सभा सचिवालय के प्राइड संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मालदीव की भागीदारी बढ़ाने की बात करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों में लोकतांत्रिक सिद्धांतों को और बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। लोक सभा अध्यक्ष ने नेपाल की राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण प्रसाद दहल से भी मुलाकात की। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत और नेपाल न केवल पड़ोसी देश हैं, बल्कि साझा इतिहास और संस्कृति के संरक्षक भी हैं, लोक सभा अध्यक्ष ने दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे भावनात्मक जुड़ाव का उल्लेख किया जिसके कारण दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत हुए हैं। उन्होंने दोनों संसदों के बीच परस्पर लाभकारी संवाद की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सांसदों के बीच उद्देश्यपूर्ण संवाद से दोनों देशों के घनिष्ठ संबंध और मजबूत होने के साथ ही लोकतांत्रिक मूल्य और सुदृढ़ होंगे। श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत की नेबरहुड फ़र्स्ट नीति में नेपाल का प्रमुख स्थान है। इसके साथ ही उन्होने सभी क्षेत्रों में दोनों देशों के विशेष संबंधों को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

आतंकी पन्नू ने ही खोल दी टूडो की पोल, कहा-

तीन साल से भारत के खिलाफ कनाडा को वही भड़का रहा था

ओटावा/नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और कनाडा के बीच रिश्तों में आई खटास के बीच खलिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने बड़ा खुलासा किया है।

सीबीसी न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में पन्नू ने कबूल किया है कि वो पिछले कई वर्षों से कनाडा के पीएम के संपर्क में हैं और उसने ही भारत के खिलाफ जानकारी मुहैया कराई, जिस पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कार्रवाई की है। इस दौरान पन्नू ने कहा, कि कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो का बयान न्याय, कानून के शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति कनाडा की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बता दें कि कनाडा ने पिछले साल हुई खालिस्तानी समर्थक निज्जर की हत्या मामले में भारत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके बाद सोमवार को कनाडा ने छह भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है। वहीं खलिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इस पर कहा कि ये कार्रवाई उसके ही कहने पर कनाडा के पीएम ने की है। इस दौरान पन्नू ने आरोप लगाया कि उसके संगठन (एसएफजे) ने ही कनाडा के पीएमओ को इस बारे में जानकारी दी कि कैसे भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा के साथ-साथ अन्य अधिकारी और इन सबके पहले के अधिकारियों देश में जासूसी नेटवर्क स्थापित किया, जिसने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या करने वाले भारतीय एजेंटों को सहायताएं दी।

खलिस्तानी आतंकी पन्नू ने इस दौरान कहा कि, कनाडाई सिख के रूप में हम चाहते हैं कि वैंकूवर और टोरंटो में भारतीय दूतावास हमेशा के लिए बंद हो जाने चाहिए। क्योंकि इसके बाद भारत अन्य लोगों को राजनयिकों की जगह भरने के लिए भेजेगा। और इस तरह से भारत का जासूसी नेटवर्क खत्म नहीं होगा। इस इंटरव्यू के दौरान पन्नू ने ये भी कहा कि वो भारत की हत्या की धमकी या सरकार की तरफ से मेरे खिलाफ रची जा रही हत्या की साजिशों से नहीं डरता, चाहे वह कनाडा में हो या अमेरिका में हो। सीबीसी न्यूज को दिए साक्षात्कार में पन्नू ने भारतीय-कनाडाई समुदाय पर कनाडा के संविधान के प्रति वफादार न होने का भी आरोप लगाया। उसने कहा- ये भारतीय-कनाडाई, जिनके भारत में पारिवारिक संबंध हैं, क्या वे कनाडा के संविधान के प्रति वफादार हैं या वे अभी भी भारतीय संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाना चाहते हैं? क्योंकि हरदीप निज्जर की हत्या के बाद से मैंने किसी भी भारतीय-कनाडाई संगठन को मोदी सरकार का समर्थन करते हुए खुलकर सामने आते नहीं देखा है।

जालंधर पंचायत चुनाव में हुआ रिकॉर्ड 66.3 प्रतिशत मतदान

जालंधर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पंजाब के जालंधर में मंगलवार को हुए पंचायत चुनाव के दौरान जिले की 695 पंचायतों में शांतिपूर्ण ढंग से रिकॉर्ड 66.3 प्रतिशत मतदान हुआ, वहीं मतदान के तुरंत बाद मतगणना प्रक्रिया भी सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

ज़िला उपायुक्त सह-ज़िला चुनाव अधिकारी डा. हिमांशु अग्रवाल ने बुधवार को बताया कि जिले की 890 ग्राम पंचायतों में से 195 पंचायतें पहले ही सर्वसम्मति से चुनी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि लोहियां खास ब्लॉक में सबसे अधिक 28 पंचायतें सर्वसम्मति से चुनी गई। इसी तरह, जालंधर वेस्ट ब्लॉक में 25 पंचायतें, फिल्लौर में 24 पंचायतें और नकोदर में 20 पंचायतें सर्वसम्मति से चुनी गई। इसके अलावा शाहकोट में 19, भोगपुर में 17, नूरमहल में 15, रुड़कां कलां में 14, मेहतपुर में 13, आदमपुर में 11 और जालंधर ईस्ट ब्लॉक में नौ गांवों में सहमति बनी। डा.अग्रवाल ने कहा कि जिले के 11 ब्लॉकों आदमपुर, भोगपुर, जालंधर पूर्व, जालंधर पश्चिम, लोहियां खास, मेहतपुर, नकोदर, नूरमहल, फिल्लौर, रुड़का कलां और शाहकोट के 695 गांवों में 66.3 प्रतिशत मतदान हुआ और उसके तुरंत बाद मतों की गिनती हुई। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 815033 मतदाता है,जिनमें 420756 पुरुष, 394268 महिला और नौ अन्य मतदाता शामिल है। उन्होंने कहा कि इनमें से 66.3 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। डा.अग्रवाल ने बताया कि जिले में 1004 मतदान केंद्रों पर 7,426 मतदान कर्मी नियुक्त किए गए थे। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण चुनाव करवाने के लिए एस.एस.पी. हरकमल प्रीत सिंह खख के नेतृत्व में ग्रामीण पुलिस ने समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की। एस.एस.पी. खख ने बताया कि मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने के लिए जिले भर में 2500 से अधिक ग्रामीण पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया गया था। उन्होंने ग्रामीण पुलिस और मतदाताओं का आभार व्यक्त किया।

...दो बार गलती से उधर चले गए अब कभी नहीं जाएंगे : नीतीश

पटना/कटिहार, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ टिके रहने की प्रतिबद्धता दुहराते हुए कहा कि दो बार गलती से उधर (महागठबंधन) चले गए थे लेकिन अब यह गलती फिर कभी नहीं करेंगे।

श्री कुमार ने बुधवार को कटिहार जिला में बरारी प्रखंड के लक्ष्मीपुर पंचायत स्थित भगवती मंदिर इंटर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 405.53 करोड़ रुपये की लागत से अलग-अलग विभागों की 183 विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में कहा, दो बार गलती से हमलोग उधर चले गये लेकिन अब यह गलती कभी दोबारा नहीं करेंगे। हमलोग पूरी मजबूती के साथ एकजुट रहकर बिहार की तरक्की और जनता की भलाई के लिए काम करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 400 करोड़ रुपये से अधिक की कुल 183 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया है। इससे लोगों को काफी फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वह अनेक बार कटिहार जिले में जगह-जगह जाकर लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनते रहे हैं और उसका तत्काल निदान करने की दिशा में काम करने के लिए अधिकारियों को निर्देश देते हैं। 06 दिसंबर 2022 को मनिहारी अनुमंडल के देवड़ा घाट को गंगा नदी के कटाव से हुए नुकसान को वह देखने आए थे। 05 जनवरी 2023 को समाधान यात्रा के क्रम में वह यहां आकर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए थे। उस समय तक कोसी और गंगा नदी के कटाव से विस्थापित हुए परिवारों को आवासीय भूमि उपलब्ध कराने के लिए जमीन चिन्हित नहीं की गई थी लेकिन आज इस कार्यक्रम के माध्यम से विस्थापित एवं भूमिहीन गरीब परिवारों को आवासीय भूमि का बंदोबस्ती का पर्चा प्रदान कर उन्हें बेहद सुखद अनुभूति हो रही है।

श्री कुमार ने कहा कि इस वर्ष के अगस्त में भी आई बाढ़ से भी काफी लोग प्रभावित हुए, इन्हें सरकार की तरफ से हरसंभव मदद पहुंचाई गई। बाढ़ प्रभावित इलाकों में सामुदायिक रसोई, पशुओं के लिए चारा का प्रबंध किया गया। वर्ष 2005 से जब उन्हें काम करने का मौका मिला तब से वह आपदा प्रभावित इलाकों में लोगों को मदद पहुंचाने का काम कर रहे हैं। आपदा से जो भी नुकसान होता है उसका आकलन कराकर हर प्रकार की सहायता लोगों को दी जाती है। प्रारंभ से ही वह कहते रहे हैं कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। मुख्यमंत्री ने कटिहार जिला के बरारी अंचल अंतर्गत 5279 तथा कुर्सेला अंचल के 353 विस्थापित एवं भूमिहीन गरीब परिवारों को आवासीय भूमि का बंदोबस्ती पर्चा का लाभ दिया। उन्होंने सांकेतिक रूप से गंगा और कोसी के कटाव से विस्थापित एवं भूमिहीन गरीब परिवारों के 10 लाभुकों को आवासीय भूमि का बंदोबस्ती पर्चा प्रदान किया। राज्य संपोषित मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास सहायता योजना के तहत आवास निर्माण के लिए वित्तीय सहायता, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, कृषि यांत्रिकरण योजना, जैविक कॉरिडोर योजना, मुख्यमंत्री अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना, मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, कुशल युवा, कार्यक्रम के लाभुकों को मुख्यमंत्री ने सांकेतिक चेक एवं स्वीकृति पत्र प्रदान किया।

श्री कुमार ने जीविका संपोषित 996 स्वयं सहायता समूहों को 10.60 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक, विभिन्न बैंकों द्वारा 17,702 स्वयं सहायता समूहों को 143.92 करोड़ रुपये की राशि का सांकेतिक चेक एवं सतत् जीविकोपार्जन योजना के तहत 889 परिवारों को स्वरोजगार के लिए 3.87 करोड़ रुपये की राशि का सांकेतिक चेक जीविका दीदियों को प्रदान किया।

भारत के नए नियमों ने वैज्ञानिक एवं नैतिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया: अनुप्रिया

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया सिंह पटेल ने बुधवार को कहा कि भारत के नए नियमों और विनियामक प्रक्रियाओं ने वैश्विक अपेक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुरूप वैज्ञानिक और नैतिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया है। श्रीमती पटेल ने यहां 19वें अंतर्राष्ट्रीय औषधि विनियामक प्राधिकरण सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि विनियमन के क्षेत्र में भारत के प्रयासों से दुनिया भर के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम मिल सकते हैं। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी.के. पॉल भी उपस्थित थे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) देश में पहली बार यह कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक देशों के नियामक प्राधिकरण, नीति निर्माता और स्वास्थ्य अधिकारी भाग ले रहे हैं। श्रीमती पटेल ने देश में शुरू किए गए नए नियमों और नियामक प्रक्रियाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा, नये औषधि और नैदानिक परीक्षण नियम 2019 और चिकित्सा उपकरण नियम 2017 के रूप में नैदानिक परीक्षण के क्षेत्रों में प्रकाशित नए नियमों ने वैश्विक अपेक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के अनुरूप वैज्ञानिक और नैतिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा उपकरणों और निदान के क्षेत्र में नियामक आवश्यकताओं को सुसंगत बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठनों और क्षेत्रीय नेटवर्क के साथ वैश्विक स्तर पर सहयोग किया रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हाल ही में प्रकाशित संशोधित अनुसूची, जैविक, जांच उत्पादों सहित विभिन्न उत्पादों के लिए अच्छे विनिर्माण प्रथाओं की डब्ल्यूएचओ आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है।

यूपी में बनेगा देश का सबसे बड़ा रेलवे पुल, ट्रेन और कारें एक साथ भरेंगी रफ्तार

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सरकार ने वाराणसी से दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन तक रेलमार्ग पर गंगा नदी पर एक रेल सह सड़क पुल बनाने को बुधवार को मंजूरी दे दी जिसकी कुल अनुमानित लागत 2642 करोड़ रुपए होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस परियोजना को मंजूरी दी गयी। उत्तर प्रदेश के दो जिलों को कवर करने वाली इस परियोजना से भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क लगभग 30 किलोमीटर बढ़ जाएगा। रेल, सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। इस परियोजना में दो मंजिला पुल में ऊपर के डेक पर छह लेन की सड़क तथा निचले डेक पर चार रेल लाइनें बनायी जाएंगीं। इस प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना परिचालन को आसान बनाएगी और भीड़भाड़ को कम करेगी, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढाँचागत विकास उपलब्ध होगा।

यह परियोजना उत्तर प्रदेश में वाराणसी और चंदौली जिलों से होकर गुजरती है। वाराणसी रेलवे स्टेशन, भारतीय रेलवे का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जो प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ता है और तीर्थयात्रियों, पर्यटकों तथा स्थानीय आबादी के लिए प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। यात्री और माल ढुलाई दोनों के लिए महत्वपूर्ण वाराणसी-पं.दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) जंक्शन मार्ग, कोयला, सीमेंट और खाद्यान्न जैसे सामानों के परिवहन के साथ-साथ बढ़ती पर्यटन और औद्योगिक मांगों को पूरा करने में अपनी भूमिका के कारण भारी भीड़ का सामना करता है। इस मुद्दे के समाधान के लिए, बुनियादी ढांचे के उन्नयन की आवश्यकता है, जिसमें गंगा नदी पर एक नया रेल-सह-सड़क पुल और तीसरी और चौथी रेलवे लाइनें शामिल हैं।

इन संवर्द्धनों का उद्देश्य क्षमता, दक्षता में सुधार करना और क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक वृद्धि का समर्थन करना है। भीड़भाड़ से राहत के अलावा, प्रस्तावित खंड पर सालाना 278.3 लाख टन माल ढुलाई का अनुमान है। यह परियोजना प्रधानमंत्री के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाएगी जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह परियोजना मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम है जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का माध्यम होने के कारण, रेलवे जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने और कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन (149 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा, जो छह करोड़ पेड़ों के रोपण के बराबर है।

राज्य का दर्जा मिलने पर ही उमर सरकार में शामिल होगी कांग्रेस

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन के बावजूद वहां नई सरकार में शामिल नहीं होने के कांग्रेस के निर्णय पर तमाम कयासों के बीच पार्टी के शीर्ष सूत्रों ने कहा है कि हम जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के वादे के साथ चुनाव लड़े थे और उससे पहले सरकार में शामिल होना हमें ठीक नहीं लगा।

कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि पार्टी नेता राहुल गांधी ने वहां की जनता से राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया था और जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने को लेकर सरकार की तीखी आलोचना की थी। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया था कि हम जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाएंगे। सूत्रों ने कहा जब तक यह वादा पूरा नहीं होता, वहां हमारा सरकार में शामिल होने का कोई नैतिक औचित्य नहीं दिखता है। सूत्रों ने यह भी बताया कि जम्मू-कश्मीर को जैसे ही पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाएगा कांग्रेस गठबंधन सरकार में शामिल हो जाएगी। पार्टी राज्य की जनता से किये वादे को लेकर संवेदनशील है और अपने को इसके लिए नैतिकरूप से प्रतिबद्ध मानती है। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नयी सरकार का आज गठन हुआ।

खबरें जो सोच बदल दें शुभ लाभ

कुंभ में अपनों से बिछुड़ना अब बीते दिनों की बात हुई

हाई टेक प्रणालियों से सुसज्जित महाकुंभ में श्रद्धालु रहेंगे सुरक्षित

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय सिनेमा में कुंभ मेला का जिक्र होते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले वही क्लासिक कहानियां आती हैं, जहां भाई-भाई, मां-बेटा या प्रेमी-प्रेमिका भीड़ में एक-दूसरे से बिछड़ जाते थे। यह बिछड़ने का दृश्य बॉलीवुड की कई पुरानी फिल्मों में बड़े भावनात्मक मोड़ के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। योगी सरकार फिल्मी महाकुंभ में लोगों के खोने और फिर सालों बाद मिलने की इस धारणा को तोड़ने की पूरी तैयारी कर ली है। अब कुंभ मेले में हर व्यक्ति का ध्यान रखा जाएगा, कोई भी अब अपनों से नहीं बिछुड़ेगा और ऐसा हुआ भी तो वह जल्द से जल्द अपने परिवार से मिल सकेगा।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण और पुलिस विभाग ने मिलकर इस बार के महाकुंभ मेले में एक उच्च तकनीक से युक्त खोया-पाया पंजीकरण प्रणाली से तीर्थयात्रियों को सुरक्षित करेगा। यह नई पहल सुरक्षा, जिम्मेदारी और तकनीक का अद्भुत संगम है, जो महाकुंभ मेला को सुरक्षित और सुखद अनुभव बना देगी। योगी सरकार की पहल अब उस फिल्मी ड्रामे को हकीकत से दूर ले जाकर

सुरक्षा और पुनर्मिलन की नई कहानी लिखने को तैयार है। कुंभ मेले में आने वाले करोड़ों तीर्थयात्रियों को अब भीड़ में खोने का डर नहीं रहेगा, क्योंकि सरकार की यह नई प्रणाली खोए हुए तीर्थयात्रियों को सुरक्षित और शीघ्र उनके परिजनों से मिलाने का भरोसा देगी।

भारतीय सिनेमा में कुंभ मेले की भीड़ से अलग हुए लोगों की कहानियां एक स्थायी कथानक रही हैं। फिल्मों में गंभीर संवाद हो या हास्य, कहीं न कहीं कुंभ मेले में बिछड़ने वाले डायलॉग सुनने को मिल ही जाते हैं। चाहे वो 1943 में आई फिल्म तकदीर हो या 70 के दशक में आई फिल्म मेला। इनमें भाइयों का मेले में बिछड़ने की कहानी सिनेमा के पर्दे पर वर्षों तक दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी। इन कहानियों का मुख्य आधार यही था कि भीड़ में खो जाने के बाद, अपने प्रियजनों को खोज पाना लगभग असंभव होता था। लेकिन अब इस हाई-टेक खोया-पाया केंद्र की बदौलत, महाकुंभ मेले में ऐसा फिल्मी बिछुड़ने वाला दृश्य शायद ही देखने को मिले। इन केंद्रों में खोए हुए व्यक्तियों का डिजिटल पंजीकरण होगा, जिससे उनके परिवार या मित्र आसानी से उन्हें खोज सकेंगे। साथ ही सभी लापता व्यक्तियों के लिए केंद्रों पर उद्घोषणा की जाएगी। पहले जहां एक मेला कई परिवारों के लिए बिछड़ने और असहाय खोज की दुखभरी गाथा लेकर आता था, अब वही मेला उनके पुनर्मिलन की एक नई कहानी लिखने जा रहा है।

महाकुंभ 2025 में शामिल होने वाले तीर्थयात्रियों के लिए सरकार ने ऐसे डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की स्थापना करेगा जो खोए हुए व्यक्तियों को उनके परिजनों से मिलाने के लिए तकनीक का सहारा लेते हैं। इसमें हर खोए हुए व्यक्ति का पंजीकरण तुरंत किया जाएगा और उसकी जानकारी को अन्य केंद्रों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और एक्स पर भी प्रसारित किया जाएगा। यह व्यवस्था महाकुंभ मेले को न केवल सुरक्षित बनाएगी, बल्कि परिवारों को जल्दी और आसानी से अपने प्रियजनों से जोड़ने का काम करेगी। जहां फिल्मी कहानियों में खोए हुए व्यक्तियों को ढूंढने में सालों लग जाते थे, वहीं अब 12 घंटे के भीतर अगर कोई अपने खोए हुए सदस्य का दावा नहीं करता है, तो पुलिस हस्तक्षेप करके उन्हें सुरक्षित ठिकाने तक पहुंचाएगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी व्यक्ति लंबे समय तक खोया हुआ महसूस न करे, और वह जल्द से जल्द अपने परिवार से मिल सके।

पुरानी फिल्मों में, कुंभ मेले में बिछड़ने के बाद अक्सर परिवारों का मिलन संयोग पर आधारित होता था, किसी चमत्कार या किस्मत के भरोसे। लेकिन अब योगी सरकार की इस नई पहल के तहत हर खोए हुए व्यक्ति की पहचान और सुरक्षा की जिम्मेदारी खोया-पाया केंद्र और पुलिस की होगी। खासतौर पर बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। किसी भी वयस्क को बच्चे या महिला का दावा करने पर पहले उनकी पहचान की पुष्टि करनी होगी। अगर कोई संदेह होता है तो तत्काल पुलिस को सूचित किया जाएगा ताकि बच्चा या महिला सुरक्षित हाथों में जाए। यह व्यवस्था उन फिल्मी कहानियों को पूरी तरह बदल देती है, जहां खोए हुए बच्चे को गलत हाथों में सौंप दिया जाता था और उसके जीवन में नाटकीय बदलाव आते थे। अब, जब कोई व्यक्ति कुंभ मेले में खोता है तो उसे सुरक्षित, व्यवस्थित और जिम्मेदार प्रणाली के तहत उसका ख्याल रखा जाएगा। किसी भी वयस्क को बच्चे या महिला को ले जाने से पहले सुनिश्चित करना होगा कि वह उसे पहचानते हैं और उनकी पहचान प्रमाणित है। इससे पहले की कहानियों में जहां बिछड़ने का दर्द और फिर मिलने की खुशी का एक लंबा सफर होता था, अब सरकार की इस पहल ने इस प्रक्रिया को सरल, तेज और सुरक्षित बना दिया है।

महाकुंभ 2025 को स्वच्छ कुंभ बनाएगी योगी सरकार

10 हजार सफाई कर्मी तैनात होंगे, 1.5 लाख शौचालय बनेंगे

25 हजार से अधिक लाइनर बैग युक्त डस्टबिन रखे जाएंगे

प्रयागराज, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ 2025 को योगी सरकार स्वच्छ कुंभ बनाने जा रही है। इस महाआयोजन को स्वच्छ बनाने का लिए योगी सरकार और मेला प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसके तहत, 10 हजार से ज्यादा सफाई कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जा रही हैं। वहीं 1.5 लाख शौचालय और 25 हजार लाइनर बैग युक्त डस्टबिन स्थापित किए जा रहे हैं।

कुम्भ मेले में स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए कुल 1,45,000 शौचालय और मूत्रालयों की व्यवस्था की गई है। 300 से अधिक सेक्शन गाड़ियों और जेट स्प्रे सफाई प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा। 10,000 से अधिक कर्मचारी इन शौचालयों की सफाई सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही क्यूआर कोड के माध्यम से सेवा स्तर की निगरानी की जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की कमी को तुरंत दूर किया जा सके। कचरे के बेहतर प्रबंधन के लिए 120 टिपर और 40 कॉम्पेक्टर ट्रकों का उपयोग किया जाएगा। प्रत्येक सेक्टर में ट्रांसफर स्टेशन की व्यवस्था की गई है और वाहनों की जीपीएस आधारित निगरानी होगी ताकि सफाई समय पर और प्रभावी रूप से की जा सके। 25,000 लाइनर बैग युक्त डस्टबिन लगाए जाएंगे और प्रतिदिन तीन बार इन बैगों को बदला जाएगा। कुम्भ मेले में 10,200 सफाई कर्मचारी (850 गैंग) तैनात किए जाएंगे। इनके रहने के लिए विशेष स्वच्छता कॉलोनियों का निर्माण किया गया है। साथ ही, इन कर्मचारियों की दैनिक मजदूरी का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जाएगा ताकि किसी प्रकार की वित्तीय गड़बड़ी न हो और मजदूरों को समय पर उनके श्रम का उचित मूल्य मिल सके।

मिल्कीपुर उपचुनाव का रास्ता खुलने की संभावना

अवधेश के खिलाफ दाखिल याचिका वापस लेंगे गोरखनाथ बाबा

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया है। इस सीट पर एक पिटीशन की वजह से चुनाव घोषित नहीं हो पाया था। गोरखनाथ बाबा के वकील ने स्पष्ट किया है कि वह कोर्ट में दाखिल अपनी याचिका वापस ले लेंगे। अब इस बात के कयास लग रहे हैं कि बाकी सीटों के साथ भी इस सीट पर चुनाव कराया जा सकता है। यह सीट अवधेश प्रसाद के द्वारा खाली की गई थी। मालूम हो कि वह सपा से फैजाबाद सीट से सांसद बन गए थे। इस सीट पर सपा ने अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। अवधेश प्रसाद के पुत्र अजीत प्रसाद को पार्टी ने सपा से टिकट दिया है।

यूपी में विधानसभा की 10 में से नौ सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी गई है। अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट पर अभी उप-चुनाव नहीं होगा। नौ सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी।

यूपी में करहल (मैनपुरी), सीसामऊ (कानपुर), मिल्कीपुर (अयोध्या), कटेहरी (अंबेडकरनगर), कुंदरकी (मुरादाबाद), खैर (अलीगढ़), गाजियाबाद, फूलपुर (प्रयागराज), मझवा (मिर्जापुर) और मीरापुर (मुजफ्फरनगर) पर उपचुनाव होने हैं। सीसामऊ सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है जबकि 9 विधायक, लोकसभा सदस्य बन चुके। चुनाव आयोग ने मंगलवार को महाराष्ट्र, झारखंड विधानसभा चुनावों के साथ उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनावों का ऐलान कर दिया है। अयोध्या के मिल्कीपुर विधानसभा में उपचुनाव की घोषणा नहीं की गई। 2022 विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी बाबा गोरखनाथ को 13 हजार से अधिक वोटों से हराया था। चुनाव प्रक्रिया में जमा किए सपा प्रत्याशी के दस्तावेजों में कमी होने पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई थी जिसको देखते हुए चुनाव आयोग ने मिल्कीपुर विधानसभा पर उपचुनाव की घोषणा नहीं की है।

भाजपा नेता बाबा गोरखनाथ के अधिवक्ता ने वीडियो जारी कर मामले से जुड़ी याचिका वापस लेने की बात कही है। अधिवक्ता रुद्र विक्रम सिंह का कहना है कि मिल्कीपुर उपचुनाव को याचिका की वजह से रोका गया है। अभी सपा नेता अवधेश प्रसाद वहां से विधायक भी नहीं हैं जिस वजह से याचिका का औचित्य भी नहीं रह गया है। एक दो दिन में उच्च न्यायालय में याचिका को वापस लेने की अपील करेंगे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र निरंतर प्रगति की ओर : योगी

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कैबिनेट के फैसलों का स्वागत किया

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों का स्वागत किया। सीएम योगी ने जनहित में लिए गए सभी फैसलों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, अन्नदाता किसानों के कल्याण के लिए सतत समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दृढ़ नेतृत्व में कृषि क्षेत्र को निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर किया है। इस क्रम में आज केंद्रीय कैबिनेट द्वारा रबी विपणन सीजन 2025-26 के लिए रबी फसलों गेहूं, जौ, चना, मसूर, रेपसीड और सरसों, कुसुम के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि का निर्णय अत्यंत अभिनंदनीय है। यह निर्णय अन्नदाता किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ ही उन्हें कृषि क्षेत्र में और अधिक निवेश करने हेतु प्रोत्साहित भी करेगा। कृषक बंधुओं की आय में वृद्धि सुनिश्चित करते इस निर्णय हेतु प्रधानमंत्री जी

का हार्दिक आभार!

सीएम योगी ने केंद्रीय कैबिनेट में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए किए गए निर्णय को अभिनंदनीय बताया। सीएम योगी ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीएम) और पेंशनरों की महंगाई राहत (डीआर) की अतिरिक्त किस्त को स्वीकृति प्रदान की है। इसके अंतर्गत मूल वेतन/पेंशन की 50 प्रतिशत की मौजूदा दर से 3 प्रतिशत की वृद्धि का निर्णय अभिनंदनीय है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय कैबिनेट द्वारा वाराणसी में गंगा नदी पर रेल-सह सड़क पुल निर्माण को स्वीकृति देने पर भी आभार जताया। सीएम ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में पावन नगरी काशी विकास के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इस विकास यात्रा को और गति प्रदान करते हुए आज केंद्रीय कैबिनेट द्वारा वाराणसी में गंगा नदी पर रेल-सह-सड़क पुल व वाराणसी-पंडित दीनदयाल उपाध्याय मल्टीट्रैकिंग के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है। सीएम योगी ने कहा कि क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के साथ ही यह परियोजना वाराणसी और चंदौली के लोगों के लिए आत्मनिर्भरता के नए मार्ग भी प्रशस्त करेगी। सीएम ने इस लोक-कल्याणकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

मखाने की खेती को बढ़ावा दे रही योगी सरकार

18 जिलों के किसानों को मिलेगा 40 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर अनुदान

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने मखाने की खेती को बढ़ावा देने के लिए नई योजना शुरू की है। इसके तहत तहत किसानों को प्रति हेक्टेयर 40 हजार रुपए का अनुदान दिया जायेगा। प्रदेश के 18 जिलों में योजना की शुरुआत की गई है।

इसमें उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन के नवान्मेषी कार्यक्रम के अंतर्गत कार्य किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य रोजगार सृजन के साथ-साथ किसानों की आय में वृद्धि करना है।

योगी सरकार के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि मखाना खेती की विभाग द्वारा अनुमन्य इकाई की लागत 80 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर है। इसमें सरकार 50 प्रतिशत यानी 40 हजार रुपए का अनुदान देगी। इसके लिए किसानों को जिला उद्यान अधिकारी के पास पंजीकरण कराना होगा।

योजना के तहत प्रत्येक चिह्नित जनपदों में 10 हेक्टेयर मखाना उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। इससे प्रदेश में कुल 180 हेक्टेयर में मखाने की खेती होगी। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, प्रयागराज, सीतापुर, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, गाजीपुर, बस्ती, संतकबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, बलिया, कुशीनगर, महाराजगंज, मिर्जापुर, बरेली में इस योजना को लागू किया जा रहा है। इन जिलों में मखाने की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु और संसाधन उपलब्ध हैं। यहां तालाबों और निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति मखाना उत्पादन के लिए अनुकूल है।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में यूपी अव्वल घोषित

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

शिक्षा के प्रति समर्पित योगी सरकार के निर्देशन में उत्तर प्रदेश ने इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत एक और कीर्तिमान स्थापित करने में सफलता अर्जित की है। यूपी ने देश में सर्वाधिक 2 लाख 10 हजार 347 नामांकन कराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश ने पिछले वर्ष इस योजना के तहत 50,329 नामांकन किए थे, जो इस वर्ष 1 लाख 60 हजार 18 की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 2 लाख 10 हजार 347 तक पहुंच गया है। यह संख्या योजना की शुरुआत से अब तक की सर्वाधिक नामांकन संख्या है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य कक्षा 6 से 10 के छात्रों में नवाचार और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना है। इस वर्ष का ऑनलाइन नामांकन 1 जुलाई से 15 अक्टूबर 2024 तक चलाया गया था।

आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों ने पिछले वर्ष की तुलना में अधिक नामांकन किया है। प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग के स्कूलों के साथ-साथ बेसिक शिक्षा परिषद के जूनियर हाई स्कूलों, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों, कम्पोजिट और संस्कृत विद्यालयों के छात्रों ने भी अपनी मौलिक और नव-ाचारी विचारों का ऑनलाइन नामांकन किया है।

देश में सर्वाधिक नामांकन कराने वाले 50 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 12 जनपद प्रमुख हैं। इनमें लखनऊ (6,086), प्रयागराज (5,555), हरदोई (4,811), आजमगढ़ (4,728), कानपुर देहात (4,726), बरेली (4,690), आगरा (4,684), बुलंदशहर (4,617), लखीमपुर खीरी (4,439), अलीगढ़ (4,424), बाराबंकी (4,098) और बिजनौर (4,057) शामिल हैं।

संपादकीय

नफरती हिंसा की वजह

जब भी हिंदू देवी-देवता की प्रतिमा की विसर्जन या शोभा-यात्रा निकलती है, तो वह नफरत, अराजकता, वैमनस्य और हिंसा में तबदील क्यों हो जाती है? कई बार हत्याएं भी कर दी जाती हैं। यह सिलसिला लगातार जारी है। मुसलमानों का कोई मजहबी जुलूस या मौका हो, तो हिंदू उस पर प्रहार नहीं करते। उसमें रोड़ा नहीं अटकाते। यहां तक कि हिंदुओं ने मस्जिद से की जाने वाली अजान पर भी सांप्रदायिक आपत्ति नहीं जताई है। शोभा-यात्रा निकालने की अपनी शोभा है। मुसलमानों को उस पर क्या आपत्ति होनी चाहिए? भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और धार्मिक आजादी का मौलिक अधिकार भी हमें दिया गया है। फिर हिंसा और हत्याओं की क्या वजूहात हो सकती हैं? हम कई बार यह सवाल उठा चुके हैं कि अचानक एक भीड़ कहां से उमड़ आती है? घरों और मस्जिद की छतों से पथराव कैसे होने लगता है? ये छोटे-बड़े पत्थर कहां से, किस तरह इक_I किए जाते हैं? कुछ शहरों, कस्बों में अचानक तलवारें भी चमकने लगती हैं। तलवारें, डंडे और हथियार कहां से आते हैं? कौन उनकी सप्लाई करता है? क्या पत्थरबाजी, दंगे, खून-खराबे की कोई पूर्व नियोजित साजिश तैयार की जाती है? तो साजिशकार कौन हैं? सिर्फ उप्र के बहराइच में ही सांप्रदायिक हिंसा, आगजनी, तोड़-फोड़ नहीं हुई है। बहराइच को छावनी में तबदील करना पड़ा। करीब 30 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया और 10 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए। उप्र के कई इलाकों में सांप्रदायिक माहौल बिगड़ता रहा है। फिलहाल बहराइच जैसे हालात तेलंगाना, कर्नाटक, झारखंड और पश्चिम बंगाल आदि राज्यों के शहरों और कस्बों में भी पैदा किए गए हैं। सांप्रदायिक हिंसा, दंगे अपने आप ही नहीं भडक़ते, उन्हें सुलगाया और फैलाया जाता है। भारत में दंगों के काले इतिहास मौजूद हैं। दंगे औसतन सभी राज्यों में होते रहे हैं। उनके असंख्य उदाहरण भी मौजूद हैं। बेशक सरकार किसी भी दल की रही हो! संविधान के किस अनुच्छेद में यह उल्लेख है कि अमुक मुसलमानों का इलाका है, तो ये हिंदू, सिख, ईसाई आदि के इलाके हैं? ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। जिन मोहल्लों में मुस्लिम आबादी रहती है, प्रशासन उन्हें 'संवेदनशील' घोषित करता है, जबकि गैर-मुस्लिम क्षेत्रों के संदर्भ में ऐसा नहीं है। मुसलमान संवेदनशीलता के आधार पर नाजुक इलाके क्यों हैं? दरअसल देश को इलाकों और मोहल्लों में बांटा नहीं जा सकता। इस बार भी मुसलमानों ने आपत्ति की कि शोभा-यात्रा उनकी मस्जिद के सामने से क्यों गुजरी? क्या यह कानूनन अपराध है या कोई प्रतिबंध लगा रखा है? किसी मुस्लिम की छत से 'हरा झंडा' उतारा गया और उसकी जगह 'भगवा झंडा' लहराया गया, यह अनैतिक हरकत है। इसका कोई औचित्य भी नहीं है। यह घोर सांप्रदायिक है। अवैध कब्जे की एक हरकत है। यदि ऐसी हरकत कर भी दी गई, तो गोली मार कर एक इनसानी हत्या करने की नौबत क्यों आई? जिस हिंदू नौजवान को मार दिया गया, उसकी शादी मात्र दो माह पहले ही हुई थी। किसी औरत को इस कदर विधवा कर देना क्या 'मजहबी प्रावधान' है? जाहिर है कि अलग-अलग समुदायों के लोगों के भीतर नफरत और उन्माद भरे हैं। दूसरी तरफ, यदि शोभा-यात्रा के दौरान उग्रता, हुड़दंग, अभद्र शोर, भडक़ाऊ नारेबाजी की जाती है, तो वह धार्मिक यात्रा भी बेमानी है। बहराइच या अन्य राज्यों के शहरों में जो नफरती टकराव हुए, वे वाकई अपराध हैं, लेकिन क्या दंगों की भीड़ को कभी सजा दी गई है? कहा जा रहा है कि बीते चार महीने के दौरान ही देश का माहौल बदल गया और आदमी दूसरे को मरने-काटने पर आमादा है। इसका बुनियादी कारण क्या है? चार महीने में देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक ढांचे में ऐसा कौनसा बदलाव आया है कि इनसान हत्या पर उतारू है। भारत तो अपनी सहिष्णुता, सौहार्द, समभाव के लिए विश्व विख्यात रहा है। यदि ऐसे ही सांप्रदायिक टकराव जारी रहेंगे, तो देश की छवि, प्रतिष्ठा कलंकित होगी। हिंदू और मुसलमान दोनों ही समुदाय इस देश के नागरिक हैं।

> मुसलमानों का कोई मजहबी जुलूस या मौका हो, तो हिंदू उस पर प्रहार नहीं करते। उसमें रोड़ा नहीं अटकाते। यहां तक कि हिंदुओं ने मस्जिद से की जाने वाली अजान पर भी सांप्रदायिक आपत्ति नहीं जताई है। शोभा-यात्रा निकालने की अपनी शोभा है। मुसलमानों को उस पर क्या आपत्ति होनी चाहिए? भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और धार्मिक आजादी का मौलिक अधिकार भी हमें दिया गया है। फिर हिंसा और हत्याओं की क्या वजूहात हो सकती हैं? हम कई बार यह सवाल उठा चुके हैं कि अचानक एक भीड़ कहां से उमड़ आती है? घरों और मस्जिद की छतों से पथराव कैसे होने लगता है? ये छोटे-बड़े पत्थर कहां से, किस तरह इक_I किए जाते हैं? कुछ शहरों, कस्बों में अचानक तलवारें भी चमकने लगती हैं। तलवारें, डंडे और हथियार कहां से आते हैं? कौन उनकी सप्लाई करता है? क्या पत्थरबाजी, दंगे, खून-खराबे की कोई पूर्व नियोजित साजिश तैयार की जाती है? तो साजिशकार कौन हैं? सिर्फ उप्र के बहराइच में ही सांप्रदायिक हिंसा, आगजनी, तोड़-फोड़ नहीं हुई है।

हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार, सख्त कार्रवाई की दरकार

ललित गर्ग

> हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षडयंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है।

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों एवं हिन्दुओं पर हो रहे हमलें, मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में मुकुट का चोरी होना, हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षडयंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है। नई दिल्ली में बांग्लादेश के हिन्दू-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर बार-बार चिंता तो व्यक्त की जा रही है, लेकिन करारा एवं सख्त संदेश देने की कोई कोशिश होती हुई नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार के शासन में यदि ऐसी घटनाओं पर सख्ती नहीं बरती गयी तो फिर कब बरती जायेगी? यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में विजयदशमी पर्व पर आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए हिन्दुओं पर हो रहे इन हमलों को लेकर बड़ा संदेश दिया है, अपेक्षा है सरकार भी जैसे को तैसे वाली स्थिति में आकर हिन्दुओं की रक्षा की सार्थक एवं प्रभावी पहल करें।

बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी-सवा करोड़ से ज्यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गये, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से ज्यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए वहां अंतरिम सरकार ने हिंदू मंदिरों, गिरजाघरों या अल्पसंख्यकों

के किसी भी धार्मिक संस्थान पर हमलों की जानकारी देने के लिए हॉटलाइन शुरू की थी, लेकिन कितनी ही शिकायतें मिलने के बावजूद उन पर कार्रवाई का न होना, इनको लेकर मोहम्मद यूनुस सरकार का चुप्पी साधे रखना इस समस्या को गंभीर बना रहा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वहां के हिंदुओं के लिए ही नहीं, भारत की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। इन हमलों एवं कट्टरतावादी शक्तियों का सक्रिय होना भारत एवं बांग्लादेश दोनों ही देशों के लिये खतरनाक है। कट्टरपंथियों के निरंकुश बने रहने से वहां की सरकार के इरादे और इच्छाशक्ति सवालों के घेरे में है।

भारत ने उचित तरीकों से ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्तों में खटास घोलते हुए एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा एवं डरा देने वाली है। जेशोश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। ऐसे में लगातार बिगड़ती स्थितियों में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। यह एक अराजकता की स्थिति है।

बांग्लादेश में बद से बदतर हो रहे हालात एवं हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न, हमलों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सावधान कर कोई गलत नहीं किया। सक्रिय, व्यवस्थित और संगठित होकर ही ऐसी नापाक एवं संकीर्ण मानसिकताओं का माकुल जबाव दिया जा सकता है। भागवत ने कहा, ''दुर्बल रहना अपराध है, हिंदू समाज को ये समझना चाहिए। अगर आप संगठित नहीं रहते हैं, तो आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।'' देश के दुश्मनों की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने कहा, ''भारत लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन जब कोई भी देश जो आगे बढ़ रहा होता है तो उसकी राह में अडंगा लगाने वाले लोग भी बहुत सारे होते हैं। इसलिए दूसरे देशों की सरकारों को कमजोर करना दुनिया में चलता रहता है।' लेकिन किसी राष्ट्र को कमजोर करने के लिये हिंदुओं यानी अल्पसंख्यकों पर हमलों का सहारा लेना, उन्हें प्रोत्साहित करना विकृत एवं अराष्ट्रीय मानसिकता का द्योतक है।

वैसे भी बांग्लादेश का विकास भारत के सहयोग पर निर्भर है, जिस भू-भाग को रवींद्रनाथ टैगोर 'आमार सोनार बांग्ला' (मेरा स्वर्णिम बंगाल) कहते थे, जहां की अर्थ-व्यवस्था एवं अन्य विकास योजनाएं भारत के सहयोग से ही आगे बढ़ती रही है, कभी भारत की कोशिशों से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। बांग्लादेश को आधी से ज्यादा बिजली भारत से मिलती है। अनाज की बड़ी सप्लाई भी भारत से होती है। अगर भारत ने व्यापारिक संबंध तोड़ लिए तो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। बावजूद इन सब स्थितियों के वहां भारत-विरोधी घटनाओं का उग्र से उग्रतर होना खुद के पांव पर कुल्हाड़ी चलाने जैसा है। बांग्लादेशी आकाओं को भगवान सद्बुद्धि दे। फिर भी अगर बांग्लादेश नहीं सुधरता है तो समय आ गया है कि हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं पर भारत कड़ा रुख अख्तियार करे। बांग्लादेश पर दबाव बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को पुरजोर ढंग से उठाना चाहिए। इसके लिए कूटनीतिक प्रयास तेज करने की जरूरत है।

दृष्टि कोण

लद्दाख आंदोलन की अनदेखी न हो

एक महीने से ज्यादा समय से लद्दाख से अपनी मांगों को लेकर पदयात्रा करते हुए सोनम वांगचुक के नेतृत्व में दिल्ली पहुंच कर सौ से ज्यादा लोग बैठे हैं। कठिन जलवायु में इतनी लंबी यात्रा करके 80 वर्ष के बूढ़े साथियों समेत यह दल दिल्ली पहुंचा है। दिल्ली पुलिस का इनके साथ व्यवहार कुछ अच्छा नहीं रहा। बिना कारण आप क्यों शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात कहने के लिए इतने कष्टों के बाद दिल्ली पहुंचने पर उनके साथ शकिया लोगों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। पुलिस की यह अति सक्रियता स्वयंभू थी या प्रेरित, यह कहना तो कठिन है, किन्तु अवांछित थी, यह तो निश्चय ही कहा जा सकता है। उसके बाद भी अभी तक सरकार की ओर से आंदोलनकारियों से बातचीत का कोई संदेश मिला नहीं लगता। हरियाणा और जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव के चलते सरकार की अति व्यस्तता तो समझ में आती है, किन्तु अब कोई बाधा नहीं दिखती, इसलिए यह आशा की जानी चाहिए कि सरकार अति शीघ्र वार्ता करके सोनम वांगचुक का आमरण अनशन समाप्त करवाएगी और समस्या का सर्व समावेशी हल तलाश करने की दिशा में मार्ग प्रशस्त करेगी, ताकि शांति बनी रहे। सोनम वांगचुक पिछली सर्दियों में भी लद्दाख की कुछ मांगों को लेकर लंबा अनशन कर चुके हैं। उनकी कुछ मांगें केवल लद्दाख केन्द्रित हैं और कुछ पूरे हिमालय के संवेदनशील पर्यावरण को बचाने से संबंधित हैं। लद्दाख को सी श्रेणी राज्य का दर्जा देकर विधानसभा और उप राज्यपाल की व्यवस्था की जा सकती है। जाहिर है कि स्थानीय समस्याओं को जितना चुने हुए प्रतिनिधि समझ सकते हैं उतना प्रशासनिक तंत्र नहीं समझ सकता, जिससे लोगों में असंतोष बना रह सकता है। इस सीमान्त क्षेत्र में देश किसी असंतोष को सहन करने की स्थिति में नहीं है। दूसरी मांग छठी अनुसूची में डालने की है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 244 के अनुसार छठी अनुसूची लागू की गई। छठी अनुसूची को स्वायत्त जिला परिषदों की स्थापना और संचालन करके स्वदेशी आदिवासी समूहों की रक्षा के लिए बनाया गया था। असम, मिजोरम और मेघालय में तीन-तीन स्वायत्त जिला परिषदें हैं, त्रिपुरा में केवल एक है। स्वायत्त जिला परिषदों को अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों के लिए कानून बनाने का अधिकार है, जिसमें भूमि, खेती, विरासत, वन, और रीति-रिवाजों सहित आदिवासी और स्वदेशी समूहों से संबंधित हर पहलू को शामिल किया गया है। उन्हें भूमि और अन्य कर एकत्रित करने का भी अधिकार है। इससे छठे अनुसूची क्षेत्रों को बाहरी दबावों से बचाव की प्रभावी शक्तियां मिल जाती हैं, जिनका उपयोग स्थानीय संवेदनशील पर्यावरण और परंपराओं को संरक्षित करने में किया जा सकता है। पर्वतीय लोग आर्थिक रूप से उतने सशक्त नहीं होते क्योंकि वहां संसाधनों की कमी रहती है। यदि कुछ संरक्षण न दिया जाए तो पैसे वाले लोग वहां के संसाधनों को खरीद कर स्थानीय लोगों को हाशिए पर ला सकते हैं। यह डर सभी पर्वतीय राज्यों में कमोबेश रहा है। आदिवासी लोगों में यह और भी ज्यादा है। इस मुद्दे पर चर्चा करके रास्ता निकाला जा सकता है। लेकिन उनकी चिंता निराधार नहीं ठहराई जा सकती। सुना गया है कि लद्दाख के लोगों से छठी अनुसूची में लाने का वादा वर्तमान सरकार द्वारा किया गया था, तो इस समस्या को हल करने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए। फिर भी सरकार हिचकिचा क्यों रही है, समझ से परे है। पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दों के बारे में उनकी मांगें हिमालय व्यापी महत्व रखती हैं। इसी कारण अन्य हिमालयी राज्यों में भी सोनम वांगचुक के संघर्ष के प्रति समर्थन का भाव है। पर्यावरण मित्र विकास और बृहदाकार निर्माण आधारित विकास में टकराव पूरे हिमालय में ही देखने को मिल रहा है। बृहदाकार निर्माण आधारित विकास संवेदनशील हिमालयी परिस्थिति तंत्र को तोडफ़ोड़ कर आगे बढ़ता है जिससे एक ओर पर्वतीय क्षेत्रों में मानव निर्मित आपदाओं में बढ़ोतरी हो रही है, तो दूसरी ओर लोगों को पर्याप्त रोजगार भी नहीं मिल रहे। आपदाग्रस्त और विस्थापितों का पुनर्वास भी बड़ी समस्या बना हुआ है। भाखड़ा और पौंग बांधों के विस्थापित अभी तक भी पूरी तरह से बस नहीं पाए हैं। इसलिए हिमालय में विकास के लिए वैकल्पिक मॉडल की खोज नवाचार के माध्यम से करनी होगी। कम से कम इतना तो मान कर ही चलना होगा कि हिमालय के लिए 'स्माल इज ब्यूटीफल' पर्वतीय राज्यों पर जलविद्युत उत्पादन का बड़ा दबाव है। इसमें कुछ नदियां तो लुप्त प्रायः ही हो गई हैं। ये झील में हैं या सुरंग में हैं। नदी तंत्र की रक्षा के लिए नदी दोहन की कोई सीमा निर्धारित करनी होगी। मान लो 60 फीसदी से ज्यादा नदी का दोहन नहीं करेंगे, तो नदी भी जिंदा रहेगी और बिजली भी बन जाएगी।

कुछ अलग

आह पेंशन भोगी! वाह पेंशन भोगी!..

समस्त जीव जगत नस्ल नस्ल के भोगियों, रोगियों से अटा पटा पड़ा है। यहां कोई कर्मभोगी है तो कोई धर्मभोगी। कोई गरमभोगी है तो कोई नरमभोगी। कोई शर्मभोगी है तो कोई बेशर्मभोगी। कोई सत्ताभोगी है तो कोई म_Iभोगी। कोई पेंशनभोगी है तो कोई वेतनभोगी। पर मैं इन सबसे अलग हटकर भुक्तभोगी हूं। अपनी अपनी फील्ड में चरम भोग करने के बाद भी हर भोगी की अपनी अपनी पीड़ाएं हैं, अपनी अपनी कथाएं, अंतरकथाएं हैं, अपनी अपनी व्यथाएं हैं। वे वेतनभोगी वेतनभोगी नहीं जिनकी पांचों उंगलियां घी में और सिर हरदम कड़ाही में न हो। मेरे लिए ऐसे वेतनभोगी प्रातः स्मरणीय हैं, पल पल वरणीय हैं। कभी वे भी ऐसे ही वेतनभोगी थे। जब वे वेतनभोगी थे तो मत पूछो कितने भोगी थे? पर सब उनको कहते योगी थे। योगी वही जो जमकर अपने पद का भोग करे, उपभोग करे, दुरुपयोग करे। और अब वे वेतनभोगी से पेंशनभोगी क्या हुए कि जब देखो रोना ही रोना। सरकार ये नहीं दे रही, सरकार वो नहीं दे रही। महीनों के मेडिकल क्लेम लटके पड़े हैं। पहले तो अपना राज था। बिन बीमार हुए भी जितना मन किया कागजों में जमकर बीमार हो लेते थे। अब सच्ची को बीमार हो रहे हैं तो महीनों के मेडिकल क्लेम पेंडिंग। डर लगता है अब तो सच्ची को बीमार होते भी। कल इन्हीं पेंशनभोगी जी महाराज का फोन आया। मुझे पता था कि इधर मैं उनका फोन उठाऊंगा, उधर वे अपना पेंशनरी रोना शुरू कर देंगे। जबकि उनको लाख बार कहा कि बंधु! बड़े से बड़े वेतनभोगी को भी एक न एक दिन पेंशनभोगी होना ही पड़ता है, चाहे वह नाक रगड़ रगड़ कितनी ही एक्सटेंशनें लेता रहे। इसलिए हे नर! पेंशनर होने के दिन रोने के नहीं, लंबी तान प्रसन्नचित्त सोने के दिन हैं। जनता की गालियों से बचे तो करोड़ों कमाए। मैंने फोन उठाते ही उन पेंशन पीड़ित को हंसाते पूछा, 'और प्रभु, कैसे हो?' 'बुरे हाल हैं। पेंशन मर्जी की मिल रही है', वे पेंशनभोगी होने से पहले जो अपने ऑफिस में काम करवाने आने वालों को रुलाया करते थे, उनकी तरह रोने लगे। 'तो क्या हो गया? इसी बहाने सब्र से इंतजार करने का आनंद लो। यहां इंतजार करने के सिवाय और कर भी क्या सकते हैं?' 'खाक आनंद लो! अब कहां रहा पेंशन में वह सब्र! काश! तुम भी मेरी तरह पेंशनधारी होते तो तुम्हें पता चलता कि पेंशन का इंतजार पेंशनर पल पल कैसे करता है? एक तो पेंशनर होने के बाद और पहले ही टेंशनें कम न थीं, अब पेंशन की भी टेंशन। अब देखो न! वेतनभोगियों को वेतन पहले और पेंशनभोगियों को पेंशन बाद में! क्या पेंशनभोगी भोगी नहीं? क्या हमारे पेट नहीं? क्या हमारे बच्चे नहीं? क्या हमारे बीवियां नहीं? ऊपर से हर दूसरे दिन कोई न कोई त्योहार! क्या हमारी जरूरतें नहीं? बंधु! जीव मर जाता है, पर उसकी जरूरतें कभी नहीं मरतीं। क्या हम बीमार नहीं होते? वैसे पेंशनभोगी और पितर को प्रसन्न करना बहुत आसान होता है बंधु! पेंशनभोगी को समय पर पेंशन, मेडिकल क्लेम और एरियर मिल जाएं तो वह प्रसन्न और पितर का उसकी तिथ पर श्राद्ध हो जाए तो वह प्रसन्न।' 'देखो दोस्त! भले ही पेंशनभोगी नरकभोगी हो जाए तो हो जाए, पर सरकारी एरियर की एक खासियत तो जरूर है कि वह नहीं मरता। एरियर के असली हकदार के मरने के बाद भी उसे नहीं तो उसके परिवार वालों को मिलकर ही रहता है।' 'ऐसे एरियर का क्या करना जो जायज हकदार के मरने के बाद मिले, जिसका वह भोग न कर सके', मित्र ने वाजिब सवाल उठाया तो मैंने उन्हें मरने के बाद मिलने वाले एरियर का सबसे बड़ा लाभ बताया, 'देखो दोस्त! वैसे जाने के बाद तो छोड़ो, जिंदा रहते भी बिन जरूरत के यहां कोई किसी को याद नहीं करता। पर जब तुम्हारे मरने के बाद तुम्हारे नाती-पोतों को तुम्हारा एरियर मिलेगा तो कुछ देर के लिए ही सही, मत पूछो, उन्हें कितनी प्रसन्नता होगी।

देश दुनिया से

युवा डॉक्टरों को भी आत्मनिरीक्षण की जरूरत

> हां, उनका दृढ़ निश्चय या सत्ताधारी राजनीतिक प्रतिष्ठान से लड़ने का उनका साहस वाकई में प्रशंसनीय है। फिर भी, मैं उनसे और उनके वरिष्ठ सहयोगियों से अपील करना चाहता हूं कि वे अपने क्षितिज को व्यापक बनाएं, पर्याप्त रूप से आत्म-चिंतनशील बनें और साथ ही आधिपत्यवादी बायोमेडिसिन की खामियों का आलोचनात्मक विवेचन करें – इसके प्रभुत्व का विमर्श, इसके वस्तुकरण और इससे जुड़े अनेकानेक आचरणों का। हालांकि, डॉक्टरों का मैं भी प्रशंसक हूं, और मैं आधुनिक चिकित्सा की उल्लेखनीय उपलब्धियों से अवगत हूं। जैसे कि, व्यक्ति इंसुलिन लेकर अपने मधुमेह को नियंत्रित कर लेता है और यथासंभव सामान्य जीवन सुचारु रूप से जीता है, या फिर घुटने की सर्जरी करवाकर पुनः आत्मविश्वास से चलने लगता है – आधुनिक चिकित्सा की श्लाघापूर्ण गाथाएं हर घर में सुनी जा सकती हैं।

अब जब मैं कोलकाता से यह लेख लिख रहा हूं, तो युवा डॉक्टरों को सड़क पर उतरकर, अपनी आवाज़ उठाते, पश्चिम बंगाल के सरकारी अस्पतालों में भ्रष्टाचार के विशाल नेटवर्क का पर्दाफाश करते या उनमें व्याप्त 'धमकाने वाली संस्कृति' के अत्याचार को उजागर करते और अपने कार्यस्थल पर सुरक्षा और संरक्षण की मांग करते हुए देख रहा हूं। हां, उनका दृढ़ निश्चय या सत्ताधारी राजनीतिक प्रतिष्ठान से लड़ने का उनका साहस वाकई में प्रशंसनीय है। फिर भी, मैं उनसे और उनके वरिष्ठ सहयोगियों से अपील करना चाहता हूं कि वे अपने क्षितिज को व्यापक बनाएं, पर्याप्त रूप से आत्म-चिंतनशील बनें और साथ ही आधिपत्यवादी बायोमेडिसिन की खामियों का आलोचनात्मक विवेचन करें – इसके प्रभुत्व का विमर्श, इसके वस्तुकरण और इससे जुड़े अनेकानेक आचरणों का। हालांकि, डॉक्टरों का मैं भी प्रशंसक हूं, और मैं आधुनिक चिकित्सा की उल्लेखनीय उपलब्धियों से अवगत हूं। जैसे कि, व्यक्ति इंसुलिन लेकर अपने मधुमेह को नियंत्रित कर लेता है और यथासंभव सामान्य जीवन सुचारु रूप से जीता है, या फिर घुटने की सर्जरी करवाकर पुनः आत्मविश्वास से चलने लगता है – आधुनिक चिकित्सा की श्लाघापूर्ण गाथाएं हर घर में सुनी जा सकती हैं। लेकिन फिर भी, इन उपलब्धियों के बावजूद, मैं अपनी दुविधा से इनकार नहीं कर सकता, यहां तक कि आधुनिक बायोमेडिकल व्यवस्था की कुछ गंभीर आलोचना भी करता हूं। मैं चाहता हूं कि युवा डॉक्टर – विशेषकर – क्योंकि उन्होंने अभी तक अपनी आलोचनात्मक सोच खोई नहीं होती, व्याप्त प्रणाली की आलोचना पर विचार करें और अपने संघर्ष को एक नया अर्थ दें। युवा डॉक्टरों को ज्ञान की प्रचलित राजनीति पर विचार करने की जरूरत है। क्या यह तथ्य नहीं है कि आयुर्वेद, यूनानी या होम्योपैथी जैसी 'पारंपरिक' चिकित्सा प्रणालियों को खारिज करना काफी आसान है? यदि बतौर एक मरीज आप आधुनिक बायोमेडिकल प्रणाली से असंतोष के बारे में बोलने की हिम्मत करते हैं, तो आपको याद दिलाया जाएगा कि आप केवल एक अनाड़ी हैं, इसलिए, आपके लिए डॉक्टर द्वारा सुझाए गए या निर्धारित की गई हर चीज या लिखे नुस्खे को स्वीकार करना श्रेयस्कर है। वास्तव में, जैसा कि इवान इलिच ने अपनी उत्कृष्ट रचना 'लिमिट्स टू मेडिसिन' में बड़ी बारीकी से व्यक्त किया है कि आधिपत्यवादी बायोमेडिसिन में निहित प्रभुत्व का विमर्श रोगी की प्रभावशीलता को सीमित कर देता है। लेकिन फिर, बतौर रोगी, आप केवल मापने योग्य मापदंडों (मसलन, आपका ब्लड कल्चर, या आपकी बायोप्सी रिपोर्ट के निष्कर्ष) के एक समुच्चय के साथ कोई 'पहचानहीन' शरीर न होकर, चेतना सहित एक जीवित आत्मा और जीता-जागता व्यक्तित्व भी हैं, और आप जिस ढंग से जीना या मरना चाहते हैं, उसको लेकर आपकी अपनी पसंद होनी चाहिए। क्या आपके लिए जरूरी है कि किसी सुपर-स्पेशिएलिटी अस्पताल के आईसीयू में कीमोथैरेपी की दर्दनाक प्रक्रिया से गुजरें, इस उम्मीद के साथ कि इससे आपको 'एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया' के दर्द से अस्थायी राहत मिल सकेगी, और अगले दो महीने तक और जीवन चल सकता है? या, क्या आपको खुद को एक्सपेरिमेंट करने की एक वस्तु में बदलने से मना कर देना चाहिए और अपने घर वापस लौटना चाहिए ताकि अपने शयनकक्ष में, अपने प्रियजनों की मौजूदगी के बीच दुनिया छोड़ी जा सके? चाहे यह 'वैज्ञानिकता' की शक्ति और आभा से युक्त सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर हों या फिर कृत्रिम जीवन-रक्षक प्रणालियों की तकनीक, किसी को भी आपको आपकी पसंद या आपकी इच्छा से वंचित करने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। हालांकि, विडंबना यह है कि आधिपत्य वाली बायोमेडिसिन के कारण और इलिच के शब्दों में कहें तो, 'मौत के चिकित्साकरण' के परिणामस्वरूप लगता है हममें से अधिकांश ने जीने और मरने के अनुभव पर अपना नियंत्रण खो दिया है। डॉक्टरों और उनसे संलग्न दवा उद्योग की हर बात पर 'हां' न कहने को अक्सर गैरजिम्मेवाराना काम या 'विज्ञान विरोधी' स्वभाव का प्रदर्शन माना जाता है! इसी प्रकार, क्या युवा डॉक्टरों के लिए यह संभव होगा कि वे इस बात से कुछ असहज महसूस करें कि उनके पेशे को किस प्रकार व्यापार या मुनाफ़ा कमाने वाले धंधे में बदल दिया गया है? बेशक, डॉक्टरों को कमाने और एक बढ़िया जीवन जीने की ज़रूरत है। लेकिन फिर, हम देखते हैं कि कैसे हमारे भीड़भाड़ से अटे सरकारी अस्पतालों में अच्छी सुविधाओं की कमी के कारण (मत भूलें कि वित्तीय वर्ष 2024 के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.2 प्रतिशत रखा गया है) कॉर्पोरेट सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल 'बढ़िया स्वास्थ्य' को 'उचित' मूल्य सूची के साथ एक वस्तु के रूप में बेचने में संकोच नहीं करते – मसलन, आईसीयू में रखने का खर्च प्रतिदिन 90,000 रुपये, या डीलक्स कमरा : 75,000 रुपये हर रोज, या बाईपास सर्जरी और किडनी प्रत्यारोपण के लिए आकर्षक 'पैकेज' या 'छूट'।

आप का नजरिया

लौट आओ हिमाचल

कनाडा में बसे हिमाचलियों के मन में राज्य के प्रति सरोकार, उनकी सांस्कृतिक एकता से पुनः प्रदर्शित हुए और इसी सद्भावना की प्रशंसा मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने की है। खास तौर पर वह उन्हें राज्य में निवेश के लिए प्रेरित कर रहे हैं। दरअसल हिमाचल के बाहर एक ऐसा समृद्ध हिमाचल है, जो राज्य का संबल बन सकता है। सवाल यह है कि लौट के क्यों वे हिमाचल आएं। निश्चित रूप से घर की संवेदना, धरती का मोह उन्हें खींच कर वापस ला सकता है, बशर्ते हम उनका स्वागत-सम्मान कर पाएं। हालांकि राज्य में उलटी बयार बह रही है। रोज एक हिमाचल रात्रिकालीन बसों में दूर कहीं निकल कर, अपनी सुबह टटोलता है। उसकी सुबह देश के विभिन्न शहरों, राज्यों व अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच होती है। सुबह को हमने दिन की कैद में उजाड़ दिया। एक भेड़ चाल में चलते हुए हमारा भविष्य क्यों गौण हुआ। क्यों हमारी उपाधियां शून्य होने के कगार पर हैं। हिमाचल में पैदा हो रहे रोजगार का इतना निर्यात हो गया कि पूरा बीबीएन, एक अलग प्रदेश नजर आता है। वहां की धूप बैसाखियों पर चलती है, क्योंकि सुबह की लाली को कोई बाहरी ले गया। वहां अगर हिमाचल होता, तो औद्योगिक करवटों में रोजगार का निर्माण होता, लेकिन वहां ठेके पर जो लाद रहा है, उसने दिहाड़ी का निर्यात किया है। जाहिर है इस निवेश से मजदूरी निकली, लेकिन हम इसके साथ कहां तक चलते। हमारी शिक्षा हमें सफेदपोश बनाने को उकसाती है। हम कच्ची-पक्की नौकरी का मूल्यांकन करते हुए भी सरकारी क्षेत्र में अस्थायी या अनुबंधित रोजगार को वरीयता देते हैं। इसी के चलते सरकारें निवेश करती रहीं ताकि सरकारी नौकरी मिलती रहे। खैर अब ऐसे हालात नहीं कि सरकार युवा शक्ति को अपने रोजगार कार्यालय के भरोसे प्रेरित कर सके, इसलिए निजी निवेश चाहिए ताकि राज्य में आगे बढने के संदेश बदलें। विडंबना यह है कि हिमाचल में पूंजी निवेश के दायरे में फिजाओं का स्पर्श अनुकूल नहीं रहा, दूसरे यह भी कि किस दिशा में आगे बढ़ा जाए। हिमाचली युवा से पूछा जाए कि वह किस ओर टकटकी लगाए बैठा है या प्रदेश से निकली अर्जियों का मजमून पढ़ा जाए तो मालूम होगा कि रोजगार के किन विषयों में युवाओं की जिज्ञासा बढ़ी है। जाहिर है आईटी के क्षेत्र में हिमाचली बच्चों को मंजिलें व मकसद कहीं दूर मिल रहे हैं। यानी जिन राज्यों ने आईटी पार्क बनाए, वहां निवेश के हर पहलू ने आर्थिकी व रोजगार दिए। पर्यटन में मनोरंजन, रोमांच और कांफ्रेंस आयोजन के माध्यमों में निवेश की एक अलग संस्कृति विकसित हो रही है और अगर इसे हिमाचल अंगीकार कर ले, तो बाधाओं की धूल और आर्थिक संकट के बादल छंट जाएंगे। बेशक हिमाचली एनआरआई अगर लौटते हैं, तो वे नैतिकता के बंधन और राज्य के सरोकारों के कारण ही आएंगे। इसलिए सर्वप्रथम ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के सारे पैमान लबालब करने होंगे, ताकि ऐसा माहौल मिल सके और उस सुकून में बढ़ोतरी हो जो विदेशी परिपाटी में कोई अनहोनी घटना नहीं। पूर्व मंत्री स्व. जीएस बाली ने ऊना में बाकायदा एक एनआरआई सिटी का ख्वाब देखा था।

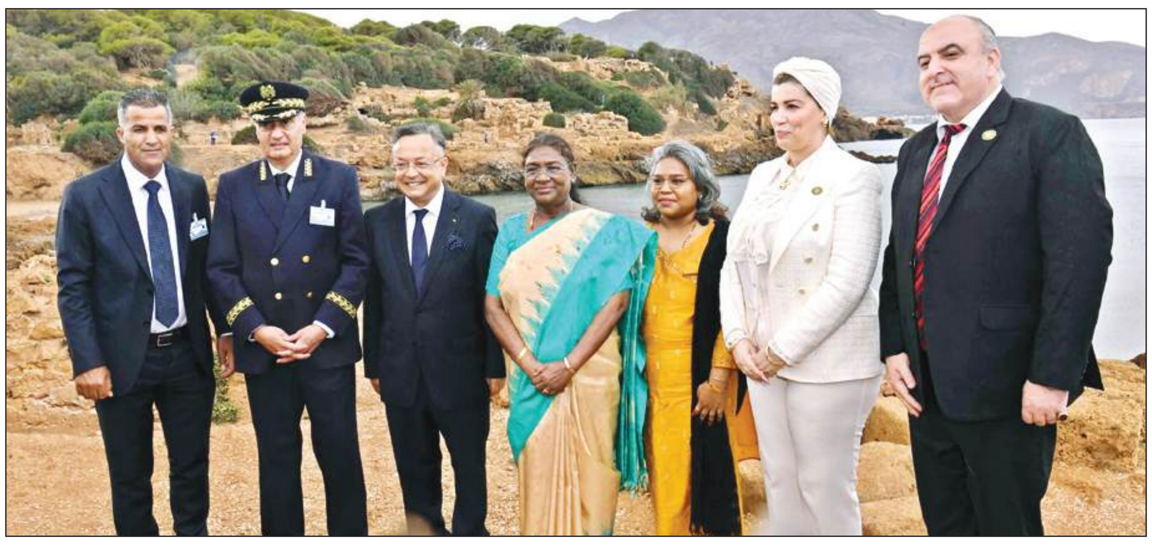

राष्ट्रपति मुर्मू मॉरिटानिया की राजकीय यात्रा पर

अल्जीयर्स, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 13 से 19 अक्टूबर तक तीन अफ्रीकी देशों अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की राजकीय यात्रा का पहला चरण मंगलवार को पूरा हो गया। वह तीन तक अल्जीरिया में रुकीं। उनकी यात्रा का दूसरा चरण मॉरिटानिया से शुरू होगा।

यह यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रही है जब मॉरिटानिया अफ्रीकी संघ की अध्यक्षता संभाल रहा है। यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु मॉरिटानिया के राष्ट्रपति मोहम्मद औलद शेख अल गजौनी से बातचीत करेंगी।

मॉरिटानिया के प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री के भी राष्ट्रपति मुर्मु से मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा राष्ट्रपति मुर्मु भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत करेंगी। यह यात्रा भारत-मॉरिटानिया द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा देगी।

मॉरिटानिया से मलावी के राष्ट्रपति डॉ. लाजरस मैकार्थी चकवेरा के निमंत्रण पर राष्ट्रपति मुर्मु 17 से 19 अक्टूबर तक मलावी का दौरा करेंगी।

यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु मलावी के नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। प्रमुख व्यापार और उद्योग जगत के नेताओं और भारतीय प्रवासियों से बातचीत करेंगी। सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों का दौरा करेंगी।

अल्जीरिया की अपनी राजकीय यात्रा के अंतिम दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्राचीन रोमन शहर टिपासा के पुरातात्विक स्थल पर अल्जीरिया की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की झलक देखी।

छठी शताब्दी ईसा पूर्व में बना टिपासा भूमध्यसागरीय तटों पर एक संपन्न सांस्कृतिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में कार्य करता था। उन्होंने न्यूमिडियन युग के दौरान निर्मित मॉरिटानिया के शाही मकबरे का भी दौरा किया।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर इस्लामाबाद में मंगोलिया के प्रधानमंत्री से मिले

इस्लामाबाद। भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर की यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर मंगोलिया के प्रधानमंत्री लुव्सन्नामस्रेन ओयुन-एर्डीन से मुलाकात हुई। जयशंकर ने एक्स हैंडल इस मुलाकात का सचित्र विवरण पोस्ट किया है। उन्होंने हम दोनों ने द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। मंगोलिया के प्रधानमंत्री से मिलकर खुशी हुई। विदेशमंत्री जयशंकर एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने मंगलवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचे। वहां उनका शानदार स्वागत किया गया। जयशंकर की रात को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से एससीओ प्रतिनिधियों के लिए आयोजित रात्रिभोज के दौरान भेंट हुई। दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया और बेहद संक्षिप्त बातचीत हुई। भारत पहले ही साफ कर चुका है कि जयशंकर की यात्रा पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय रिश्ते सुधारने के उद्देश्य से नहीं है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि एससीओ के सदस्य देशों के प्रमुखों की 23वीं बैठक 16 अक्टूबर को होगी। सालाना तौर पर होने वाली इस बैठक में व्यापार और आर्थिक एजेंडे पर चर्चा होती है। जयशंकर इसमें भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत एससीओ के तहत गठित विभिन्न व्यवस्थाओं में लगातार सक्रिय रहता है ।

इटली में बैंक खातों को लेकर मचा बवाल, पीएम मेलोनी ने बना लिया मुद्दा

रोम। इटली में नेताओं, उद्योगपतियों, मशहूर हस्तियों और खिलाड़ियों के निजी बैंक खातों की जानकारी

एक बैंक क्लर्क को हो गई है। इसके बाद से पूरे देश में हड़कंप मच गया है। हालांकि ये जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है इसके बाद राजनीति हो रही है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है और आरोप लगाया है कि विपक्षी दल इस पूरे मामले को उनके खिलाफ साजिश के रूप में देख रहे हैं। मेलोनी के परिवार के अन्य सदस्य, उनकी पार्टी के कई नेताओं और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की डिटेल्स भी कोविएलो द्वारा चेक की गई हैं, जिनमें रक्षा मंत्री, यूरोपीय मामलों के मंत्री और पर्यटन मंत्री शामिल हैं। क्लर्क का नाम विन्सेन्ज़ो कोविएलो है, जो इटली के सबसे बड़े बैंक बैंका इंटेसा सैनपाओलो में काम करता था। उसने फरवरी 2022 से लेकर अब तक 6,976 खातों की जानकारी चुपके से निकाल ली। कोविएलो ने अपनी कार्रवाई का कारण बताया कि उसे यह जानने की इच्छा थी कि देश के नेता और बड़े कारोबारी कितने अमीर हैं। उसने कहा कि वह अपने करियर से निराश था और नेताओं की बैंक डिटेल्स देखकर उसे संतुष्टि मिली। उसने इस जानकारी को कहीं नोट नहीं किया और न ही किसी से साझा किया, बल्कि यह जानकारी केवल उसके पास है। कोविएलो की बैंक में काम करने की वजह से उसे इन खातों तक आसान पहुंच थी। उसने यह जानकारी हासिल की कि कब पैसे आए, कब निकाले गए, किसके खाते में पैसे ट्रांसफर हुए, और कहां से और कहां भेजे गए। इस जानकारी से किसी व्यक्ति की निजी जानकारी, उसके व्यवसायिक लेन-देन, कर्ज की स्थिति और यहां तक कि उसके संपर्कों का भी पता चल सकता है। नेताओं को इस बात का डर है कि यह जानकारी डार्क वेब पर बेची जा सकती है, जिससे गैंगस्टर और अंडरवर्ल्ड माफिया इसे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं, जैसे कि धमकी देकर फरौती मांगना।

विवाद: बिना बताए वाशरुम गई को-पायलट को कोकपिट में आने से रोका

कोलंबो। श्रीलंकन एयरलाइंस के एक फ्लाइट में दो पायलटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि कैप्टन ने अपनी साथी महिला को-पायलट को कॉकपिट से बाहर निकाल दिया। वजह ये थी कि को पायलट बिना बताए वाशरुम चली गई और यह सुनिश्चित नहीं कर पाई कि किसी और अटेंडेंट को कॉकपिट में जाने की अनुमति दी जाए, जो कि 'मानक संचालन प्रक्रियाओं' (एसओपी) का उल्लंघन है। इस घटना के बाद एयरलाइन ने कैप्टन को सस्पेंड कर दिया है और मामले की जांच जारी है। यह घटना 21 सितंबर, 2024 को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी से श्रीलंका के कोलंबो के लिए उड़ान भरने वाले एयरबस ए 330 विमान में हुई। फ्लाइट के 10 घंटे की लंबी यात्रा के दौरान महिला को-पायलट को वॉशरूम जाने की जरूरत पड़ी। हालांकि, वह कॉकपिट से बाहर जाने से पहले यह सुनिश्चित नहीं कर पाई कि किसी और अटेंडेंट को कॉकपिट में जाने की अनुमति दी जाए।

अमेरिका ने गाजा पर इजराइल को चेताया, नेतन्याहू ने कहा-फैसला राष्ट्रीय हित के आधार पर लेंगे

वॉशिंगटन, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने इजराइल को पत्र भेजकर गाजा पर सैन्य सहायता में कटौती की चेतावनी दी है। पत्र में चेताया गया है कि अगर उसने आगामी 30 दिन के भीतर गाजा में मानवीय आपूर्ति का प्रवाह नहीं बढ़ाया तो वह सैन्य सहायता खो सकता है। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने मंगलवार को बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि इजराइल संयुक्त राज्य अमेरिका की राय की अनदेखी नहीं करता पर अंतिम निर्णय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर लेता है। यह पत्र रविवार को इजराइल के रक्षामंत्री योव गैलेंट और रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर को भेजा गया है। इस पर अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के हस्ताक्षर हैं।

खबर के अनुसार, अमेरिकी कानून ऐसे किसी भी देश को सैन्य सहायता देने से रोकता है जो अमेरिका प्रदत्त मानवीय आपूर्ति में बाधा डालता पाया जाता है। बावजूद इसके अमेरिका, इजराइल की सैन्य सहायता कर रहा है। हाल ही में एक उन्नत वायु रक्षा प्रणाली और उसे संचालित करने के लिए 100 सैनिकों को भेजा गया है। अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों ने हाल के सप्ताहों में चेतावनी दी है कि गाजा में विशेषकर उत्तर में स्थितियां और खराब हो रही हैं। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को वाशिंगटन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इजराइल को पत्र भेजने की पुष्टि की। मिलर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में मानवीय सहायता भेजने में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

अमेरिकी अखबार खबर में कूटनीतिक अधिकारियों की पहचान को छुपाते हुए उनके हवाले से कहा गया है कि इजराइल के अगले हमले ईरान के सैन्य ठिकानों पर केंद्रित होंगे। बाइडेन प्रशासन का मानना है कि अगर इजराइल तेल या यूरेनियम संवर्धन स्थलों पर हमला करता है, तो यह मध्य पूर्व शत्रुता में नाटकीय रूप से वृद्धि कर सकता है। इजराइली अधिकारियों के अनुसार, अगर आईडीएफ ईरानी परमाणु और तेल साइटों को छोड़ भी देते हैं, तब भी वह ईरानी मिसाइल लॉन्चरों, भंडारण डिपो और मिसाइलों और ड्रोन का उत्पादन करने वाली फैक्ट्रियों साथ ही सैन्य ठिकानों और सरकारी इमारतों को निशाना बना सकते हैं।

ईरान के कुद्स फोर्स के प्रमुख डिप्टी कमांडर जनरल अली फदावी ने मंगलवार को लेबनान में इजराइली हवाई हमले में मारे गए एक जनरल के अंतिम संस्कार में संवाददाताओं से कहा कि ईरान चुप नहीं बैठेगा। वहीं, हिजबुल्लाह नेता शेख नईम कासिम ने कहा कि इजराइल में घुसकर हमला किया जाएगा। कासिम ने कहा कि केवल संघर्ष विराम ही इस हमले को रोक सकता है। संघर्ष विराम होने पर ही हिजबुल्लाह रॉकेट हमले से विस्थापित लगभग 60,000 इजराइलियों को लेबनान की सीमा के पास अपने घरों में लौटने की अनुमति देगा।

इधर इजराइल ने गाजा-लेबनान पर की बमबारी तो वहां हिज्बुल्लाह ने भी रात भर दागे रॉकेट

गाजा। इजरायल पर पलटवार करते हुए हिजबुल्लाह ने मंगलवार रात में दर्जनों मिसाइल बरसाया। इजरायल सेना आईडीएफ ने बुधवार को बयान जारी कर बताया कि मंगलवार की देर रात को लेबनान की ओर कम से कम 50 रॉकेट दागे गए। हालांकि, आईडीएफ ने किसी भी प्रकार के क्षति से इंकार कर दिया है। वहीं, मंगलवार को इजरायल ने भी गाजा और लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर रॉकेट दागे। लेबनान में 3 बच्चों समेत 15 लोग तो गाजा में कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई। वहीं, ब्रिटेन, फ्रांस और कई यूरोपिय देशों ने लेबनान में उनके यूएन के सैनिकों के ठिकानों पर इजरायल को हमला न करने की चेतावनी जारी की है। मिडिल ईस्ट में जंग खत्म होते नहीं दिख रहा है। इजरायल फिलहाल तीन मोर्चे पर जंग लड़ रहा है- पहला हमास के साथ, दूसरा हिजबुल्लाह और तीसरा ईरान के साथ। वहीं, इजरायल के ईरान और हमास से जंग में अमेरिका का हस्तक्षेप दिखने लगा है। अमेरिका ने ईरान के परमाणु और पेट्रोलियम बेस पर अटैक न करने की हिदायत दी है। तो वहीं, अमेरिका ने कहा इजरायल से कहा कि गाजा में मानवीय सहायाता के लिए आपके पास 30 दिन अन्यथा आपको हथियारों की खेप मिलनी बंद हो जाएगी. इस पर बयान जारी करते हुए इजरायल के अधिकारी ने कहा, 'इजरायल इस मामले को गंभीरता से लेता है। अपने अमेरिकी समकक्षों के द्वारा इस पत्र में उठाई गई चिंताओं को दूर करने का इरादा रखता है।

निज्जर मामले में भारत को सहयोग करना चाहिए : अमेरिका

वॉशिंगटन, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्या मामले में भारत और कनाडा की लंबे समय से तनातनी चल रही है। कनाडा ने पहले हत्या की साजिश में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। अब कनाडा कह रहा है कि इस मामले की जांच में भारत सहयोग नहीं कर रहा है। अब इस विवाद में अमेरिका की भी इंट्री हो गई है। अमेरिका ने भारत को सलाह देते हुए कहा कि जांच में भारत को सहयोग करना चाहिए। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर आरोप लगाए हैं कि भारतीय एजेंसियों ने कनाडा की धरती पर निज्जर की हत्या की साजिश रची। कनाडा के इस आरोप के बाद भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक विवाद बढ़ गया है, और इस मामले में अमेरिका भी हस्तक्षेप कर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने कहा है कि भारत को इस मामले में कनाडा की जांच में सहयोग करना चाहिए।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए कहा कि कनाडा के लगाए गए आरोपों को भारत को गंभीरता से लेना चाहिए। हालांकि, भारत ने कनाडा के इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे निराधार बताया और कहा कि उसने कोई साक्ष्य साझा नहीं किए हैं। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने इस विवाद के बीच भारत के खिलाफ पाबंदी लगाने की संभावना भी व्यक्त की है, जिससे दोनों देशों के रिश्तों में और तनाव बढ़ सकता है। भारत ने स्पष्ट किया कि कनाडा के आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है और यह देश में भारतीय एजेंटों से जुड़े किसी भी अपराध से संबंधित नहीं है। इस विवाद के बीच अमेरिकी राजनीति में भी दिलचस्प मोड़ आ सकता है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो प्रधानमंत्री ट्रूडो को बेईमान और कमजोर व्यक्ति मानते हैं, ने उनके परिवार के कास्त्रो के साथ रिश्तों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। ट्रंप के अनुसार, ट्रूडो के परिवार का कास्त्रो से करीबी संबंध था, और इस कारण उनके आरोपों की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। अब सवाल यह है कि यदि डोनाल्ड ट्रंप फिर से राष्ट्रपति बने, तो क्या अमेरिका का कनाडा के प्रति रुख बदल जाएगा क्या इस कूटनीतिक विवाद का असर अमेरिका और कनाडा के रिश्तों पर भी पड़ेगा

निक जोनस को जान का खतरा, स्टेज पर हुआ हंगामा

लंदन, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के पति और प्रसिद्ध सिंगर निक जोनस को हाल ही में एक लाइव कॉन्सर्ट के दौरान जान का खतरा महसूस हुआ। निक, उनके भाई केविन और जो जोनस के साथ प्राग में परफॉर्म कर रहे थे, जब एक बेहद चौंकाने वाली घटना हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में निक जोनस स्टेज से उतरते हुए दर्शकों के बीच भागते नजर आ रहे हैं।

वीडियो में देखा गया कि निक अपने सिक्यॉरिटी गार्ड को इशारा करते हुए दर्शकों के बीच से जल्दी से बाहर निकलते हैं। इसके बाद एक अन्य क्लिप में उनके सिर और शरीर पर लाल लेजर लाइट से निशाना साधते हुए दिखाई देती है। जैसे ही निक और उनके भाई इस खतरे को भांपते हैं, वे स्टेज से भाग जाते हैं, जिसके बाद कुछ समय के लिए कॉन्सर्ट को रोकना पड़ा।

हालांकि, निक और उनके भाई जल्द ही शांति पाने के बाद कॉन्सर्ट को फिर से शुरू कर दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, उस व्यक्ति को मौके से हटा लिया गया था, जिसने यह संदिग्ध गतिविधि की थी। अभी तक जोनस ब्रदर्स की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। यह घटना उनके फैंस के बीच चिंताएं बढ़ा सकती है, लेकिन राहत की बात यह है कि निक जोनस और उनके भाइयों की कोई शारीरिक क्षति नहीं हुई।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव : ओबामा ने कमला के पक्ष में की अपील, ट्रंप पर लगाया ब्लैक समुदाय की उपेक्षा का आरोप

वॉशिंगटन, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस का समर्थन बढ़ता जा रहा है। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अमेरिकियों को अपील करते हुए कहा है कि ब्लैक समुदाय के लिए बेहतर योजना केवल कमला हैरिक के पास है। जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा ही ब्लैक समुदाय की उपेक्षा की है। इसलिए सभी को ध्यान कमला हैरिस के पक्ष में मतदान करना चाहिए। ओबामा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लोगों से कमला हैरिस के पक्ष में वोट करने की अपील की। पोस्ट में ओबामा ने लिखा, कमला हैरिस के पास एक ऐसी योजना है जो अश्वेत पुरुषों और उनके परिवारों को ऊपर उठाएगी। उन्होंने अश्वेत पुरुषों को धन संचय, वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने और लागत कम करने के कई तरीके सुझाए हैं। इससे पहले, 12 अक्टूबर को ओबामा ने ब्लैक नागरिकों से आग्रह किया था कि वे कमला हैरिस के पक्ष में मतदान करें, और यह भी कहा था कि हैरिस की परवरिश भी ब्लैक समुदाय से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, वे आपके साथ कॉलेज में पढ़ी हैं और उनके अनुभव भी आपके समान हैं। ओबामा ने रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना भी की और कहा कि ट्रंप ने ब्लैक समुदाय के साथ उपेक्षात्मक रवैया अपनाया है। उन्होंने ट्रंप को अहंकारी, अनाड़ी और विभाजनकारी बताया और कहा, हमें चार और सालों तक ऐसे नेतृत्व की जरूरत नहीं है। अमेरिका अब एक नए पन्ने को पलटने के लिए तैयार है, एक बेहतर कहानी के लिए, जो हमें एक-दूसरे के खिलाफ जाने के बजाय साथ काम करने में मदद करे। ओबामा ने यह भी कहा कि वह आर्थिक रूप से असुरक्षित लोगों को आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं, जो कमला हैरिस को वोट देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं एक आशावादी और परिवर्तनकारी व्यक्ति हूं, इसलिए मैं समझता हूं कि लोग निराश महसूस कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि हम बेहतर कर सकते हैं। मुझे यह समझ में नहीं आता कि कोई क्यों सोचेगा कि डोनाल्ड ट्रंप चीजों को इस तरह से बदल देंगे, जो आपके लिए अच्छा होगा।

एक और युद्ध की आहट: उत्तर कोरिया ने सड़कों को ध्वस्त किया

सियोल, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हाल ही में उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के साथ संबंधों में और तनाव बढ़ाते हुए उस उत्तरी सड़क को ध्वस्त कर दिया है, जो कभी दोनों देशों को जोड़ती थी। यह कदम दक्षिण कोरिया द्वारा उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग पर ड्रोन उड़ाने के आरोपों के बाद उठाया गया है।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने इस घटना के बाद दक्षिण कोरिया के साथ सभी संपर्क खत्म करने की बात कही है। दक्षिण कोरिया की सेना ने इस कदम के जवाब में दक्षिणी सीमा पर गोलीबारी की, हालांकि इस गोलीबारी पर अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई है। फिलहाल यह भी स्पष्ट नहीं है कि उत्तर कोरिया ने इस गोलीबारी का जवाब दिया है या नहीं। दक्षिण कोरिया ने अपनी सेना की तैयारियों और निगरानी को बढ़ाने का संकेत दिया है, और अमेरिकी सहयोग के साथ अपनी सुरक्षा मजबूत करने की कोशिश की है। बता दें कि इस समय दुनिया में कई युद्ध चल रहे हैं, जिसमें इजरायल-ईरान और रूस-यूक्रेन के बीच की संघर्ष शामिल हैं। लेकिन अब एक और पुराना दुश्मन देश, उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया, आपस में भिड़ गए हैं।

बढ़ते तनाव के बीच किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने भी इस मुद्दे पर बयान दिया है और कहा कि उन्हें स्पष्ट सबूत मिले हैं कि कथित ड्रोन हमलों के पीछे दक्षिण कोरियाई सेना का हाथ था। उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच सीमा पर कई बार तनाव बढ़ चुका है। 2000 में, दोनों देशों ने एक समय सीमा को दो सड़क मार्गों और दो रेल पटरियों से जोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन बाद में यह सब निलंबित कर दिया गया था। उत्तर कोरिया ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह दक्षिण कोरिया के साथ अपनी सीमा को स्थायी रूप से बंद कर देगा और अमेरिकी तथा दक्षिण कोरियाई सेनाओं की उकसावे वाली कार्रवाई के खिलाफ अपनी रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करेगा। इस घटना के बाद उत्तर कोरिया ने अपनी सरजमीं पर इमारतों को ध्वस्त करने का कदम उठाया, जो उसके राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। इससे पहले भी 2020 में उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया द्वारा बनाए गए एक संपर्क कार्यालय को नष्ट कर दिया था। इस महीने के शुरुआत में भी उत्तर कोरिया ने आरोप लगाया था कि दक्षिण कोरिया ने उसके खिलाफ ड्रोन भेजे थे, जिससे विवाद और बढ़ गया है। उत्तर कोरिया ने चेतावनी दी थी कि अगर इस प्रकार के ड्रोन भेजे गए तो वह बल प्रयोग करेगा।

युगांडा ने दक्षिण सूडान को हराकर अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस 2025 के लिए किया क्वालीफाई

जुबा, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

युगांडा ने मंगलवार को एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण सूडान को 2-1 से हराकर मोरक्को में होने वाले 2025 अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

युगांडा ने 11 अक्टूबर को कंपाला में हुए उलट मुकाबले में दक्षिण सूडान को 1-0 से हराया था।

दक्षिण सूडान के मुख्य कोच निकोलस डुपुइस ने कहा कि युगांडा व्यक्तिगत मुकाबलों में बेहतर टीम थी, उन्होंने कहा कि मैच का फैसला करने में यह महत्वपूर्ण था।

दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में एक ब्रीफिंग में डुपुइस ने कहा, हमारे लिए यह बहुत मुश्किल था क्योंकि युगांडा हमसे बेहतर था, इसलिए मुझे लगता है कि परिणाम सामान्य है। व्यक्तिगत रूप से वे बेहतर थे, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की। यह पर्याप्त नहीं है लेकिन हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ खेला।

डुपुइस ने कहा कि उनकी टीम का ध्यान अब 25 अक्टूबर को टोटल एनर्जीज अफ्रीकन नेशंस चैंपियनशिप में केन्या के खिलाफ होने वाले आगामी मुकाबले पर केंद्रित है।

युगांडा के मुख्य कोच पॉल जोसेफ पुट ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि उनकी टीम ने मैच की शुरुआत से लेकर अंत तक दबदबा बनाए रखा।

पुट ने कहा, मुझे लगता है कि हमने हर अच्छी टीम को देखा है, उन्होंने पहले पल से लेकर अंत तक पहल की, मुझे लगता है कि दक्षिण सूडान अपने खिलाड़ियों की लंबाई के कारण कॉर्नर किक्स में थोड़ा खतरनाक था, लेकिन हमने खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा।

उन्होंने कहा कि मैच के पूरे 90 मिनट में बनाए गए कई अवसरों के कारण उनकी टीम अधिक गोल कर सकती थी। युगांडा ग्रुप के में शीर्ष पर है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका, कांगो गणराज्य और दक्षिण सूडान शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

लौरा डेलानी की जगह गैबी लुईस बनीं आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान

डबलिन। गैबी लुईस को आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है, जो अब तक की सबसे अनुभवी खिलाड़ी लॉरा डेलानी की जगह लेंगी। डेलानी ने सभी प्रारूपों में आयरलैंड का 207 बार प्रतिनिधित्व किया है, और पिछले आठ वर्षों से वह उनकी कप्तानी भी कर रही हैं। वे महिला टी20 विश्व कप में जगह बनाने में असमर्थ रहीं, लेकिन हाल ही में उन्हें सफलता मिली है, अगस्त में श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय मुकाबले में 1-1 से बराबरी की, जब लुईस ने शतक बनाया और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गईं। इसके बाद उनकी टीम ने वनडे में श्रीलंका को 2-1 से हराया। लुईस, जो वर्तमान में मेलबर्न में क्लब क्रिकेट खेल रही हैं, ने कहा, मुझे पता है कि जब मैं पहली बार सीनियर टीम में आई थी, तो डेल्स उन टीम-साथियों में से एक थीं जिनसे आप प्रेरणा लेते थे। शौकिया से पेशेवर युग में जाने के बाद, उन्होंने लगातार अपने खेल को विकसित करने और सुधारने की कोशिश की है, और मैं डेल्स के साथ कई और मौकों पर खेलने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि हम अपनी टीम के विकास के अगले चरण में आगे बढ़ रहे हैं। लुईस ने आयरलैंड के लिए अपना डेब्यू तब किया था जब वह सिर्फ 13 साल की थीं। वह 28.95 की औसत से 3,742 रन बनाकर उनकी सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं, जिसमें दो शतक और 21 अर्धशतक शामिल हैं। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने 12 बार अपने देश की कप्तानी भी की है और अब नवंबर और जनवरी में होने वाले बांग्लादेश और भारत के दौरे से पहले पूर्णकालिक कप्तानी संभालेंगी। लुईस ने कहा, मुझे आयरलैंड की महिला टीम की स्थायी कप्तान बनने के लिए कहा जाना बहुत अच्छा लगा। मुझे गर्मियों के दौरान इस भूमिका में अभिनय करने में बहुत मज़ा आया और मैं सिस्टम के ज़रिए आने वाली युवा प्रतिभाओं को लेकर वास्तव में उत्साहित हूँ। हालाँकि हम एक युवा टीम हैं, लेकिन हाल के वर्षों के परिणामों ने दिखाया है कि हम सर्वश्रेष्ठ के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

द हंड्रेड : मैनचेस्टर ओरिजिनल्स पुरुष टीम के प्रभारी बने रहेंगे साइमन कैटिच

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने साइमन कैटिच को एक साल का अनुबंध विस्तार दिया है, जबकि

इस सत्र में उनकी पुरुष टीम ने केवल एक जीत हासिल की थी, हालांकि क्लब ने स्टीफन पैरी को महिला टीम के कोच पद से हटा दिया है। पैरी ने दो साल तक महिला टीम की कमान संभाली थी। दोनों कोचों के भविष्य पर निर्णय ओरिजिनल्स बोर्ड द्वारा लिए गए, जिसे 2025 से लंकाशायर के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों को दर्शाने के लिए पुनर्गठित किया गया है। काउंटी अगले सत्र में ओरिजिनल्स में बहुसंख्यक शेयरधारक बन जाएगी, जब उन्हें ईसीबी द्वारा 51 प्रतिशत हिस्सेदारी सौंपी जाएगी, जबकि शेष 49 प्रतिशत एक निजी निवेशक को बेची जाएगी।

पीएसएल में कामरान को राउफ के मारे थप्पड़ का विडियो सामने आया

मुल्तान। इंग्लैंड के खिलाफ मुल्तान में शुरु हुए दूसरे टेस्ट में पदार्पण के साथ ही शतक लगाने वाले बल्लेबाज कामरान गुलाम को एक बार तेज गेंदबाज हारिस राउफ ने एकबार थप्पड़ मारा था। इसका एक वीडियो अब आया है। साल 2022 में पेशावर जाल्मी और लाहौर कलंदर्स के बीच पीएसएल मैच में हुई इस घटना का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राउफ, विकेट लेने के बाद लाहौर कलंदर्स में अपने साथी खिलाड़ी रहे गुलाम को थप्पड़ मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि यह टीम के जश्न का हिस्सा लग रहा था। तब गुलाम ने भी हंसते हुए इसे हल्का बनाने की कोशिश की। रऊफ के हाव-भाव और थप्पड़ की तेजी पर लोगों ने तब सवाल उठाये थे। ने वहीं कमरन को बाबर आजम की जगह टीम में जगह मिली है। इस बल्लेबाज ने कहा कि उसपर अच्छा प्रदर्शन करने का बहुत दबाव था। उन्होंने कहा कि पिछले चार सालों से घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का ये फल है। गुलाम ने शतक यहां एक मुश्किल विकेट पर आया जिससे पाकिस्तान ने पहले दिन 5 विकेट पर 259 रन बनाए। गुलाम ने 224 गेंदों पर 118 रनों की पारी खेली।

हॉकी इंडिया लीग 2024-25

महिला वर्ग में खिलाड़ियों की नीलामी के बाद सभी टीमों की सूची देखने को मिली

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की पहली महिला नीलामी मंगलवार को नई दिल्ली में संपन्न हुई, जिसमें विभिन्न देशों की जूनियर और सीनियर खिलाड़ियों के लिए फ्रेंचाइजी के बीच कड़ी बोली जंग देखने को मिली। 2024-25 सीज़न में महिला लीग में चार टीमें दिल्ली एसजी पाइपर्स, ओडिशा वॉरियर्स, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स और सूरमा हॉकी क्लब (हरियाणा) होंगी।

नीलामी के बाद प्रथम महिला हॉकी इंडिया लीग में हिस्सा ले रही सभी चार टीमों की पूरी टीम की सूची इस प्रकार है:

दिल्ली एसजी पाइपर्स

डिफेंडर: एम्मा पुवरेज (बेल्जियम), ज्योति सिंह, स्टेफनी डी ग्रूफ (बेल्जियम), गिजेल ऐनी एंस्ले (ग्रेट ब्रिटेन), मिरी मैरोनी (ऑस्ट्रेलिया), एलिजाबेथ एन नील (ग्रेट ब्रिटेन)।

मिडफील्डर: मनीषा चौहान, ज़ान गेर्डिएन डी वार्ड (नीदरलैंड), खैदेम शिलेमा चानू, मनीषा मनश्री।

फॉरवर्ड: सुनलिता टोप्पो, संगीता कुमारी, नवनीत कौर, दीपिका, मुमताज खान, इशिका, गीता यादव, चार्लोट वॉटसन (ग्रेट ब्रिटेन), प्रीति दुबे , हिमांशी शरद गावंडे।

गोलकीपर: बिचू देवी खारीबाम, एलोडी पिकार्ड (बेल्जियम), बंसारी सोलंकी।

ओडिशा वॉरियर्स

डिफेंडर: इशिका चौधरी, क्लेयर कोलविल (ऑस्ट्रेलिया), ज्योति छत्री, अंजलि बरवा, लिली पॉलिन स्टॉफेल्स्मा (जर्मनी)।

मिडफील्डर: नेहा गोयल, यिब्बी जानसन (नीदरलैंड), कैटलिन जे नोब्स (ऑस्ट्रेलिया), बलजीत कौर, सोनिका, विक्टोरिया सॉज (अर्जेंटीना), निशा, नंदनी।

फॉरवर्ड: फ्रीके जॉर्जेट मैरी (नीदरलैंड), अन्नू , रितुजा दादासो पिसल, साक्षी राणा, कनिका सिवाच, मिशेल फिलेट (नीदरलैंड), साधना।

गोलकीपर: जॉक्लिन बार्द्राम (ऑस्ट्रेलिया), माधुरी किंडो, एंगिल हर्ष रानी मिंज।

श्राची रारह बंगाल टाइगर्स

डिफेंडर: उदिता, अप्टन रोइसिन (आयरलैंड), एलेना नील (आयरलैंड), मरीना लालरामनघाकी, महिमा चौधरी।

मिडफील्डर: ईवा रोमा मारिया डी गोएडे (नीदरलैंड), सारा हॉकशॉ (आयरलैंड), ज्योति एडुला, मुनमुनी दास, बिनीमा धान, हुडा खान, सुशीला चानू पुखरंबम, शिल्पी डबास।

फॉरवर्ड: वंदना कटारिया, लालरेम्सियामी, ब्यूटी डंग डंग, अंब्रे बैलेनघियेन (बेल्जियम), कैथरीन मुलान (आयरलैंड), लालरिनपुई पचुआव, प्रियंका वानखेड़े, वंदना पटेल।

गोलकीपर: ग्रेस ओ हैनलॉन (न्यूजीलैंड), जेनिफर रिज़ो (यूएसए)), विद्याश्री वी।

सूरमा हॉकी क्लब

डिफेंडर: निक्की प्रधान, ज्योति, अक्षता अबासो ढेकाले, प्रीति, पेनी स्क्विब (ऑस्ट्रेलिया), अन्ना टोमन (ग्रेट ब्रिटेन)।

मिडफील्डर: सलीमा टेटे, वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, नाइके लोरेंज, मारिया वर्सचूर, हिना बानो, जिमेना मारिया सेड्रास (अर्जेंटीना), ऐश्वर्या राजेश चव्हाण, अजमीना कुजूर।

फॉरवर्ड: शर्मिला देवी, चार्लोट एंगलबर्ट (बेल्जियम), चार्लोट स्टेपनहॉर्स्ट (जर्मनी), दीपिका सोरेंग, सोनम, उपासना सिंह, अमनप्रीत कौर।

गोलकीपर: सविता पुनिया, निधि, नतालिया साल्वाडोर (चिली)।

एडी टी10 लीग में पदार्पण के लिए तैयार यूपी नवाब

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

एडी टी10 लीग में नई फ्रेंचाइजी यूपी नवाब अपना पदार्पण करने के लिए तैयार है। टीम के मालिक वेंचर कैपिटलिस्ट लविश चौधरी हैं। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले चौधरी की गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर से यात्रा उनकी जड़ों से उनके गहरे जुड़ाव और क्रिकेट के प्रति आजीवन जुनून को दर्शाती है। यह नया उद्यम उन्हें खेल के प्रति अपने प्यार को अपने रणनीतिक निवेश दृष्टिकोण के साथ जोड़कर एक ऐसी टीम बनाने का मौका देता है जो उत्तर प्रदेश की भावना और लचीलेपन का प्रतिनिधित्व करती है।

लविश चौधरी ने टीम के लिए अपनी आकांक्षाओं को साझा करते हुए एक बयान में कहा, क्रिकेट मेरे जीवन का एक मूलभूत हिस्सा रहा है, और एडी टी10 लीग में एक फ्रैंचाइज़ी का मालिक होना एक सपने के सच होने जैसा है। यूपी नवाबों के साथ, मेरा लक्ष्य उत्तर प्रदेश के गौरव को वैश्विक मंच पर लाना और लीग में एक मजबूत दावेदार के रूप में अपनी उपस्थिति स्थापित करना है। यूपी नवाब एडी टी10 लीग के आगामी 8वें सीजन में दमदार शुरुआत करने के लिए तैयार है। टीम में विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज, गतिशील तेज गेंदबाज टाइमल मिल्स, पावर-हिटिंग बल्लेबाज आंद्रे फ्लेचर, कुशल लेग स्पिनर आदिल राशिद और शीर्ष क्रम के कुशल बल्लेबाज डेविड मालन सहित कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं।

एडी टी10 लीग का 8वां सीजन अबू धाबी के जायद क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जो टी10 क्रिकेट का नया घर बन गया है। 2017 में अपनी शुरुआत के बाद से इस प्रारूप की अपार लोकप्रियता ने इसे एक तेज-तर्रार मनोरंजक खेल के रूप में स्थापित किया है।

मेसी की हैट्रिक से अर्जेंटीना ने विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में बोलिविया को 6-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स , 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी की शानदार हैट्रिक से अर्जेंटीना ने विश्व कप फुटबॉल क्वालीफाइंग मैच में बोलिविया को 6-0 से हराया। इससे मेसी के प्रशंसकों का जश्न शुरु हो गया। मेसी ने 19वें, 84वें और 86वें मिनट में अपनी टीम की ओर से गोल दागे। अर्जेंटीना के दो गोल मेसी की पास पर हुए। उन्होंने लोटारो मार्तिनेज और जूलियन अल्वारेज के गोलों में भी अहम भूमिका निभाई।

विश्व क्वालीफाइंग मैच के अन्य मुकाबलों में ब्राजील ने पेरू को 4-0 से हरा दिया। इससे ब्राजील 16 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में 22 अंक लेकर नंबर एक पर है। उससे तीन अंक पीछे कोलंबिया है। इसमें से शीर्ष छह टीमें अगले साल होने वाले विश्व कप में उतरेंगी। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग दौर के दो मुकाबले नवंबर में खेले जाएंगे।

पुर्तगाल को स्कॉटलैंड ने गोलरहित ड्रॉ पर रोका, रोनाल्डो विफल रहे

वहीं दूसरी ओर नेशंस लीग में पुर्तगाल को स्कॉटलैंड से गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। इस मैंच में पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी असफल रहे। पुर्तगाल ने क्रोएशिया, स्कॉटलैंड और पोलैंड से पहले तीन मैच जीते थे पर ग्लासगो में रोनाल्डो की टीम गोल नहीं कर पायी। रोनाल्डो के पास इस मैच में गोल दागने के कई अवसर थे पर वह उनका लाभ नहीं उठा पाये। पुर्तगाल की टीम हालांकि ड्रॉ के बावजूद अपने ग्रुप में पहले नंबर पर है। वहीं क्रोएशिया दूसरे स्थान पर है जबकि स्पेन ने सर्बिया को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। क्रोएशिया ने पोलैंड से 3-3 से ड्रॉ खेला।

एशेज 2024-25 के पहले टेस्ट की मेजबानी करेगा पर्थ

मेलबर्न, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का पर्थ स्टेडियम एशेज 2025-26 के पहले टेस्ट की मेजबानी करेगा। चार दशक से भी अधिक समय में यह पहली बार है जब ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में खेले जाने वाले एशेज की शुरुआत गाबा के अलावा किसी अन्य मैदान पर होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

पर्थ स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया में एशेज मैच की मेजबानी करने वाला आठवां स्थल बन जाएगा। पहला टेस्ट 21 नवंबर से शुरू होने वाला है। पर्थ में होने वाले इस मैच के बाद, ब्रिस्बेन के गाबा में 4 दिसंबर से दिन-रात्रि टेस्ट खेला जाएगा होगा।

गाबा में दूसरा टेस्ट ब्रिस्बेन का तीसरा दिन-रात्रि पुरुष टेस्ट होगा, इससे पहले पाकिस्तान (2016) और श्रीलंका (2019) की मेजबानी की जा चुकी है।

तीसरा टेस्ट एडिलेड ओवल में होगा, उसके बाद मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में बॉक्सिंग डे टेस्ट और सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में नए साल में पहला और आखिरी का टेस्ट होगा।

एशेज 2025-25 श्रृंखला का कार्यक्रम:

पहला टेस्ट: 21-25 नवंबर, 2025, पर्थ स्टेडियम

दूसरा टेस्ट: 4-8 दिसंबर, 2025, द गाबा(डे/नाइट)

तीसरा टेस्ट: 17-21 दिसंबर, 2025, एडिलेड ओवल

चौथा टेस्ट: 26-30 दिसंबर, 2025, एमसीजी

पांचवां टेस्ट: 4-8 जनवरी, 2026, एससीजी।

हरमनप्रीत सिंह और उदिता हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत से उत्साहित

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरमनप्रीत- उदिता नीलामी में बने सबसे महंगे खिलाड़ी

तीन दिनों तक चली बोली-प्रक्रिया के बाद, आठ पुरुष और चार महिला टीमें दिसंबर में होने वाली हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में एक-दूसरे से भिड़ने के लिए तैयार हैं। हॉकी इंडिया लीग की बहुप्रतीक्षित वापसी की नीलामी में भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह और उदिता सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उदिता को श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख में खरीदा, जबकि सूरमा हॉकी क्लब ने हरमनप्रीत सिंह को 78 लाख में खरीदा।

हैदराबाद तूफान, सूरमा हॉकी क्लब, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स, दिल्ली एसजी पाइपर्स, तमिलनाडु ड्रैगन्स, यूपी रुद्रास, कलिंगा लांसर्स और टीम गोनासिका पुरुष फ्रेंचाइजी थीं, जिन्होंने 13 और 14 अक्टूबर को पुरुषों की नीलामी में एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश की।

15 अक्टूबर को महिलाओं की नीलामी में, सूरमा हॉकी क्लब, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स, दिल्ली एसजी पाइपर्स और ओडिशा वॉरियर्स के बीच लीग में 24 खिलाड़ियों की सबसे मजबूत टीम बनाने के लिए मुकाबला हुआ।

हॉकी इंडिया लीग सात साल के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो रही है, लेकिन लीग की वापसी के साथ ही महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत भी हो रही है, जो भारत में अपनी तरह की पहली लीग होगी। महिला हॉकी इंडिया लीग पुरुषों की लीग के साथ-साथ चलेगी और इसका फाइनल 26 जनवरी को रांची में होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर उदिता कई मशहूर अंतरराष्ट्रीय हॉकी सितारों को पछाड़कर 32 लाख रुपये में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स की नीलामी में सबसे ज़्यादा कीमत पर बिकीं। नीलामी के अंत में, उनकी कुछ उल्लेखनीय साथी नीदरलैंड की ट्रिपल ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ईवा रोमा मारिया ड्रमंड और भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज़्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी वंदना कटारिया थीं।

उदिता ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हॉकी इंडिया पुरुष हॉकी इंडिया लीग के साथ-साथ महिला हॉकी इंडिया लीग आयोजित करके बाधाओं को तोड़ रहा है और नए मानक स्थापित कर रहा है। यह पहली बार था जब हममें से अधिकांश ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया और पूरी टीम इसका हिस्सा बनने के लिए उत्साहित थी। यह हमारे कौशल को दिखाने और विभिन्न राष्ट्रीयताओं के खिलाड़ियों के साथ खेलकर एथलीट के रूप में विकसित होने का एक अच्छा अवसर होगा। हम सभी लीग को अपना 100 प्रतिशत देने के लिए उत्सुक हैं। मैं हॉकी इंडिया लीग की सबसे बड़ी खरीद बनकर खुश हूं और मैं श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को मुझ पर अपना विश्वास दिखाने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने एक प्रभावशाली टीम बनाई है और मैं मैदान पर उतरने और लीग जीतने का लक्ष्य रखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह के लिए सभी आठ पुरुष टीमों ने कड़ी बोली लगाई।

टाटा संस हुई कर्ज मुक्त, नए उद्यमों में निवेश बढ़ाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां) । 18 साल में पहली बार टाटा संस शुद्ध आधार पर कर्ज मुक्त कंपनी बनी है। टाटा समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर वित्त वर्ष 2023 के आखिर में 22,176 करोड़ रुपए का कर्ज था जो मार्च 2024 में घटकर 363.2 करोड़ रुपए रह गया था। वित्त वर्ष 2024 के आखिर में टाटा संस के पास 3,042 करोड़ रुपए की नकदी और समतुल्य राशि थी, जो इससे एक साल पहले 1,534 करोड़ रुपए थी। कंपनी पर कर्ज खत्म होने के बाद 2,679.2 करोड़ रुपए की नकदी बचेगी। मार्च 2020 के आखिर में टाटा संस पर सबसे ज्यादा 31,603 करोड़ रुपए का कर्ज था और उसका शुद्ध कर्ज एवं इक्विटी का अनुपात 0.56 गुना था।

कर्ज-मुक्त बैलेंस शीट और समूह की सूचीबद्ध कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा मोटर्स, टाइटन और टाटा कंज्यूमर से ज्यादा लाभांश मिलने से टाटा संस को नए उद्यमों में निवेश बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे पहले वित्त 2006 में टाटा संस शुद्ध आधार पर कर्ज मुक्त हुई थी। उसके बाद विदेशी में कई बड़े अधिग्रहण किए गए थे, जिसने समूह को पूरी तरह से बदल दिया। टाटा संस की बैलेंस शीट और विभिन्न उद्यमों में इसके पूंजी निवेश की रफ्तार में संबंध दिखता है।

वित्त वर्ष 2005-06 से 2014-15 के दौरान जब टाटा संस की बैलेंस शीट मजबूत थी तब उसने कई सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध उद्यमों में निवेश किया था। दिलचस्प बात यह है कि टाटा स्टील ने अक्टूबर 2006 में कोरस समूह के लिए 8.1 अरब डॉलर की बोली लगाई थी और 12.1 अरब डॉलर की प्रतिस्पर्धी बोली लगाकर ब्रिटेन की इस कंपनी का अधिग्रहण किया था। टाटा मोटर्स ने जनवरी 2008 में ब्रिटेन की लक्जरी कार विनिर्माता जगुवार लैंड रोवर को 2.3 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया था। 2006 के बाद की अवधि में टाटा केमिकल्स, इंडियन होटल्स और टाटा ग्लोबल बेवरिजेज ने भी विदेश में कई बड़े सौदे किए थे।

न्यूज़ब्रीफ

विकसित भारत के लिए जीडीपी में विनिर्माण का योगदान बढ़ाने की जरुरतः बाली

नई दिल्ली। वोल्वो ग्रुप इंडिया के प्रबंध निदेशक और अध्यक्ष कमल बाली ने विनिर्माण क्षेत्र को विकसित भारत के लिए 'कमजोर कड़ी' बताते हुए कहा कि इस लक्ष्य को पाने जीडीपी में विनिर्माण का योगदान बढ़ाकर 25 फीसदी करने की आवश्यकता है। बाली ने एक संगोष्ठी में कहा कि देश को गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करके अपने पड़ोसी से अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में तीन लाख करोड़ डॉलर के विनिर्माण अवसर को भुनाने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि हमें विकसित भारत बनाना है तो विनिर्माण को पूरी क्षमता से काम करना होगा। विनिर्माण क्षेत्र हमारी कमजोर कड़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले 20-25 सालों से विनिर्माण क्षेत्र भारत के जीडीपी के 15-16 फीसदी स्तर पर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक सरकारों और कई नेताओं ने कोशिश भी की है लेकिन यह आगे नहीं बढ़ पाई है। इसलिए, इसमें बदलाव की जरुरत है। बाली ने जर्मनी, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि इनमें से ज्यादातर देश 40 से 50 सालों से विनिर्माण के जरिए से आगे बढ़ रहे हैं। भारत भी इससे अलग नहीं होगा। इसलिए विनिर्माण क्षेत्र को जीडीपी के 25 फीसदी तक बढ़ाना होगा। उन्होंने स्वीकार किया कि यह एक बड़ा कदम होगा और एक तरह से चुनौती भरा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए ब्रांड इंडिया की धारणा को बदलना होगा और यह धारणा केवल गुणवत्ता पर मानसिकता बदलने के साथ ही बदल सकती है।

37 दिन बाद काम पर लौटे सैमसंग इंडिया के कर्मचारी, खत्म की हड़ताल कर्मचारियों ने प्रबंधन के खिलाफ काम नहीं करने पर जताई सहमति

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की फैक्टरी में कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को खत्म हो गई। तमिलनाडु सरकार ने बताया कि सभी कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की श्रीपेरंबुदूर इकाई के कर्मचारियों ने राज्य सरकार और प्रबंधन के साथ हुई बातचीत के बाद 37 दिन लंबी हड़ताल वापस ले ली। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीआईटीयू) के नेतृत्व में हड़ताल कर रहे कर्मचारियों की वेतन वृद्धि समेत ज्यादातर मांगों को सैमसंग प्रबंधन ने पहले ही मान लिया था। इसके बावजूद सीटू ने अपनी यूनियन की मान्यता की मांग को लेकर हड़ताल जारी रखी है, जिसका मामला अदालत में चल रहा है। इस मामले पर कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच कानूनी नतीजे का इंतजार करने पर सहमति बनी है। साथ ही सरकार ने भी यूनियन के पंजीकरण की मांग का समर्थन किया, जिसके बाद यूनियन हड़ताल वापस लेने पर सहमत हो गई। बातचीत के दौरान प्रबंधन और हड़ताली कर्मचारी दोनों के प्रतिनिधि इस बात पर सहमत हुए कि सभी कर्मचारी तुरंत हड़ताल खत्म कर देंगे और काम पर लौट आएंगे। प्रबंधन ने कहा कि हड़ताल में शामिल कर्मियों को प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। दूसरी ओर कर्मचारियों ने पूरा सहयोग करने और काम पर लौटने के साथ प्रबंधन के हितों के खिलाफ किसी भी तरह का काम नहीं करने पर भी सहमति जताई है। सरकारी बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने इस सलाह को मान लिया है। कर्मचारियों ने बताया है कि वे तुरंत हड़ताल खत्म कर काम पर लौट आएंगे। इसके साथ सैमसंग फैक्टरी में हड़ताल खत्म हो गई है और सभी कर्मचारियों ने काम फिर से शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि कर्मचारी बुधवार को सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन की आमसभा के बाद आधिकारिक तौर पर हड़ताल वापस ले लेगी।

अमेरिका में हुंडई और किआ की ईवी ब्रिकी 1,00,000 के पार

मुंबई । हुंडई मोटर और उसकी सहयोगी किआ कॉरपोरेशन की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बिक्री अमेरिका में अक्टूबर 2024 के अंत तक 1,00,000 को पार कर जाएगी है। कंपनी की ओर से जारी डेटा से जानकारी मिली। दोनों कोरियाई कंपनियों की ओर से जनवरी से सितंबर तक 91,348 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की गई। इस दौरान ईवी की बिक्री में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 30.3 प्रतिशत बढ़ोत्तरी देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार, हुंडई की ईवी बिक्री सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत बढ़कर 48,297 यूनिट्स रही। वहीं किआ की ईवी बिक्री में 80.3 प्रतिशत का उछाल दिखाई दिया है और यह 43,051 यूनिट्स रही। बाजार के जानकारों का मानना है कि इस महीने के अंत तक दोनों कंपनियों की बिक्री का आंकड़ा 1,00,000 यूनिट्स को पार कर सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी सरकार ने..

बता दें कि डीए/डीआर की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा, सितंबर माह में कर दी जाती थी। कई बार अक्तूबर के प्रारंभ में भी डीए/डीआर का एलान हुआ है। तीन अक्टूबर को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई थी। उसमें रेल कर्मचारियों को 78 दिन का बोनस देने की घोषणा की गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि रेल कर्मचारियों के लिए 2029 करोड़ रुपए के बोनस को मंजूरी मिल गई है। इसके बाद केंद्रीय कर्मचारियों को यह आस बंध गई थी कि 9 अक्तूबर की केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में डीए की घोषणा कर दी जाएगी। कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के महासचिव एसबी यादव ने 30 सितंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर डीए की दरों में बिना कोई देरी किए वृद्धि करने की मांग की थी। उन्होंने लिखा, अक्तूबर माह में केंद्र सरकार, भत्तों व बोनस देने की घोषणा करती है तो उनका भुगतान नवंबर में हो सकेगा। इन भत्तों को तय समय पर जारी न कर केंद्र सरकार, खुद लाभ कमा रही है। एसबी यादव के अनुसार, वित्त मंत्री को लिखे पत्र में कहा गया है कि महंगाई भत्ता डीए और महंगाई राहत डीआर एक जुलाई से देय हैं। आमतौर पर सितंबर के आखिरी सप्ताह में इसकी घोषणा कर दी जाती थी। इसके बाद अक्टूबर के पहले सप्ताह में कर्मचारियों को तीन महीने का बकाया भुगतान किया जाता था। इन भत्तों की घोषणा में हो रही देरी को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों में गहरा असंतोष था। नवरात्र, दुर्गा पूजा उत्सव व दशहरे का पर्व निकल गया, मगर डीए/डीआर की घोषणा नहीं की गई। केंद्र सरकार के कर्मियों के लिए महंगाई भत्ते डीए की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा कई माह देरी से की जाती है। इसके द्वारा सरकार, खुद लाभ कमा लेती है। चूंकि डीए/डीआर की दरों में हुई बढ़ोतरी से सरकार पर हजारों करोड़ रुपये का भार पड़ता है। ऐसे में सरकार, डीए/डीआर की घोषणा, तीन चार माह देरी से करती है। इस अवधि के दौरान सरकार का पैसा निवेश होता है, जिस पर उसे अच्छा खासा ब्याज मिलता है। नियमानुसार, पहली जनवरी और पहली जुलाई से महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत में बढ़ोतरी करने का प्रावधान है, लेकिन केंद्र सरकार हर दफा यह घोषणा करने में तीन चार माह की देरी कर देती है। अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) के महासचिव और राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) स्टाफ साइड के वरिष्ठ सदस्य सी.श्रीकुमार के अनुसार, सरकार को इस मामले में देरी नहीं करनी चाहिए। जब पहली जनवरी और पहली जुलाई से डीए बढ़ोतरी का नियम है तो इसमें कई माह की देरी क्यों हो रही है। अगर ये भत्ते देने में तीन चार माह की देरी होती है तो सरकार हजारों करोड़ रुपये बचा लेती है।

रबी सीजन के...

कुसुम का मूल्य 5800 रुपए से बढाकर 5940 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया गया है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रिमंडल के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने रबी सीजन 2025 - 26 के लिए छह रबी फसलों गेहूं, जौ, चना, मसूर, रेपसीड एवं सरसों और कुसुम के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, किसानों की आय बढ़े, वह सशक्त और समृद्ध बनें, इसके लिए केंद्र सरकार संकल्पित है। रबी फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी के फैसले के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी का हार्दिक अभिनंदन।

न्यूनतम समर्थन मूल्य वो गारंटीड मूल्य है, जो किसानों को उनकी फसल पर मिलता है। भले ही बाजार में उस फसल की कीमतें कम हों। इसके पीछे तर्क यह है कि बाजार में फसलों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का किसानों पर असर न पड़े। उन्हें न्यूनतम कीमत मिलती रहे। सरकार हर फसल सीजन से पहले कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइसेस (सीएसीपी) की सिफारिश पर एमएसपी तय करती है। यदि किसी फसल की बम्पर पैदावार हुई है तो उसकी बाजार में कीमतें कम होती हैं, तब एमएसपी उनके लिए फिक्स एश्योर्ड प्राइज का काम करती है। यह एक तरह से कीमतें गिरने पर किसानों को बचाने वाली बीमा पॉलिसी की तरह काम करती है।

आतंकवाद और ...

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि विकास और तरक्की के लिए शांति और स्थिरता जरूरी हैं। अगर सीमा पर आतंकवाद होगा, अलगाववाद और कट्टरपंथ होगा तो फिर व्यापार, ऊर्जा, कनेक्टिविटी और लोगों के लोगों से संबंधों को बढ़ावा देना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि औद्योगिक सहयोग से प्रतिस्पर्धा और श्रम बाजार का विस्तार हो सकता है। छोटे और मध्यम उद्योगों के बीच सहयोग से रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। बड़े नेटवर्क से औद्योगिक समुदाय को फायदा होता है। आपसी जुड़ाव नए रास्ते खोल सकता है। लॉजिस्टिक एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है। साथ ही पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य क्षेत्र, खाद्य और ऊर्जा में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। साथ ही संस्कृति, शिक्षा और खेल में भी काफी विकास हो सकता है और हम मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं। विदेश मंत्री ने भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए वैश्विक अभियानों जैसे इंटरनेशनल सोलर अलायंस, मिशन लाइफ, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण के क्षेत्र में किए जा रहे कामों को भी एससीओ से आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि योग और मोटे अनाज को लेकर भारत सरकार की पहल से पर्यावरण को बेहतर करने में मदद मिलेगी। साथ ही ग्लोबल बायोफ्यूल अलायंस, इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस से जैव विविधता की सुरक्षा की जा सकती है। भारत में हमने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की अहमियत को प्रदर्शित किया है, साथ ही हमने महिला आधारित विकास के प्रभाव को भी दिखाया है।

उन्होंने कहा, मैं आपको याद दिलाता हूं कि हमने जुलाई 2024 में अस्ताना में माना था कि संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता व्यापक सुधार के माध्यम से विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने पर निर्भर है। इसी प्रकार, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनाए गए भविष्य के लिए समझौते में, हमारे नेता सुरक्षा परिषद में सुधार करने, इसे और अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण, समावेशी, पारदर्शी, कुशल, प्रभावी, लोकतांत्रिक और जवाबदेह बनाने पर सहमत हुए हैं। एससीओ को ऐसे बदलाव की वकालत करने में अग्रणी होना चाहिए, न कि ऐसे महत्व के मामले पर पीछे हटना चाहिए। यह जरूरी है कि अब हम एससीओ के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अपने संकल्प को नवीनीकृत करें। इसका मतलब है कि हमारे सहयोग पर मौजूदा बाधाओं को पहचानना और आगे बढ़ने के रास्ते पर ध्यान केंद्रित करना। यह निश्चित रूप से तब हो सकता है जब हम एक ऐसा एजेंडा विकसित और कार्यान्वित करते हैं जो हितों की सहमत पारस्परिकता पर दृढ़ता से आधारित हो। ऐसा करने के लिए, यह भी उतना ही आवश्यक है कि हम चार्टर में स्पष्ट रूप से बताए गए क्या करें और क्या न करें का पालन करें। आख़िरकार, एससीओ परिवर्तन की उन शक्तियों का प्रतिनिधित्व करता है जिन पर दुनिया के अधिकांश लोग इतना बड़ा भरोसा रखते हैं। आइए हम उस जिम्मेदारी पर खरे उतरें।

सीएम उमर...

साथ ही माकपा की एक सीट भी उसके खाते में गई। चुनाव पूर्व गठबंधन में नेकां के साथ लड़ने वाली कांग्रेस ने भी नेकां को अपनी छह सीटों का समर्थन दिया, जिससे सीटों की कुल संख्या 53 हो गई। जम्मू में, भाजपा ने 29 सीटें जीतकर अपना दबदबा बनाया। हालांकि, यह संख्या सरकार बनाने के लिए जरूरी संख्या से काफी कम थी। कश्मीर में भाजपा कमल नहीं खिला पाई और पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई।

शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, मैंने जम्मू से उपमुख्यमंत्री चुनकर अपना वादा पूरा किया है। मैंने वादा किया था कि जम्मू के लोगों को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि वे सरकार का हिस्सा नहीं हैं। जम्मू से उपमुख्यमंत्री बनना जम्मू के लोगों के लिए स्पष्ट संदेश है कि हम उन्हें साथ लेकर चलने वाले हैं। सीएम उमर ने कहा कि अभी भी कैबिनेट के तीन पद खाली हैं, जिन्हें भी जल्द ही भरा जाएगा।

जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी ने कहा, मुझे उपमुख्यमंत्री का पद दिया गया है जो मेरे कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी है। मैं अपनी पूरी क्षमता से अपनी जिम्मेदारी निभाने की कोशिश करूंगा। पिछले 10 सालों के खालीपन को भरना बहुत मुश्किल है। मुझे सीएम उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है और उम्मीद है कि मैं जम्मू क्षेत्र के लोगों की सेवा करूंगा, भले ही यह काम चुनौतियों से भरा है।

मस्जिद में जय...

कैसे ठेस पहुंचाएगा, जबकि शिकायतकर्ता खुद कहता है कि इलाके में हिन्दू और मुसलमान सद्भाव से रह रहे हैं।

न्यायालय ने कहा, धारा 295ए धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों से संबंधित है। इस धारा के तहत कोई भी कार्य तब तक अपराध नहीं माना जाएगा जब तक कि वह शांति या सार्वजनिक व्यवस्था को भंग न करता हो। सार्वजनिक व्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़ने और घटना में किसी भी तरह की वास्तविक संलिप्तता न होने के कारण, न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि इन याचिकाकर्ताओं के खिलाफ आगे की कार्रवाई की अनुमति देना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा और इसके परिणामस्वरूप न्याय की विफलता होगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सचिन बीएस पेश हुए, जबकि राज्य की ओर से एचसीजीपी सौम्या आर. ने प्रतिनिधित्व किया।

आदेश का पालन...

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि राज्य सरकार पराली जलाने के लिए लोगों पर मुकदमा चलाने से क्यों कतरा रही है और लोगों पर मामूली जुर्माना लगाकर उन्हें छोड़ क्यों रही है। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि इसरो आपको वह स्थान बता रहा है, जहां आग लगी थी और आप कहते हैं कि आपको कुछ नहीं मिला। पीठ ने कहा, यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। अगर मुख्य सचिव किसी के इशारे पर काम कर रहे हैं तो हम उनके खिलाफ भी समन जारी करेंगे। कुछ भी नहीं किया गया है, पंजाब के साथ भी ऐसा ही है। रवैया स्वीकार्य करने लायक नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हरियाणा द्वारा दायर हलफनामा गैर-अनुपालन से भरा है। हम निर्देश देते हैं कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) राज्य के अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करे। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के मुख्य सचिव को अगले बुधवार को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने और यह बताने का आदेश दिया कि अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। पंजाब सरकार को फटकार लगाते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में एक भी अभियोजन नहीं चलाया गया है। यहां तक कि पंजाब सरकार ने किसानों के लिए ट्रैक्टर सुनिश्चित करने के वास्ते केंद्र से धन मांगने का कोई कोशिश नहीं की। सीएक्यूएम एक दंतहीन बाघ बन गया है। शीर्ष अदालत ने इससे पहले पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने के कारण दिल्ली में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने में अपनी विफलता पर सीएक्यूएम को फटकार लगाई थी और कहा था कि उसे अपने दृष्टिकोण में और अधिक सक्रिय होने की जरूरत

सैनी होंगे...

श्री सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कुशल मार्गदर्शन, राष्ट्रीय नेतृत्व का निरंतर प्रोत्साहन और हरियाणा की देवतुल्य जनता द्वारा चुने गये सभी विधायकों के समर्थन से विधायक दल का नेता चुना गया हूं और सभी के भरोसे पर शत-प्रतिशत खरा उतरूंगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मेरे परिजनों को यह विश्वास दिलाता हूं, आपका यह भाई, आपका यह बेटा, आपका यह सेवक हर समय आपके लिए आपकी सेवा में उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण जिम्मेवारी के लिए मैं पुनः केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल तथा शीर्ष नेतृत्व सहित अपने उन सभी कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, जिनके अथक परिश्रम के बल पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तीसरी बार हरियाणा में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है।

गृहमंत्री अमित शाह रात को चंडीगढ़ के ललित होटल में रुकेंगे। गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह के बाद पीएम नरेंद्र मोदी हरियाणा राजभवन में मीटिंग लेंगे। भाजपा ने अपने सभी 48 विधायकों को अगले दो दिन चंडीगढ़ में ही रहने के निर्देश जारी किए हैं। होटल ललित और हरियाणा राजभवन सेक्टर-6 में काफी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। वहीं होटल हयात में छह राज्यों के मुख्यमंत्रियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। इनमें बिहार, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, नगालैंड और पुड्डूचेरी के सीएम शामिल हैं।

बीते मार्च में मनोहर लाल को हटाकर विधायक दल की बैठक में जब नायब सिंह सैनी का नाम रखा गया तो अनिल विज नाराज हो गए थे। वह बैठक से बाहर निकल गए थे। चुनाव से पहले अनिल विज मुख्यमंत्री की दावेदारी जता चुके हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत भी समय-समय पर दावेदारी जताते रहे हैं। लिहाजा इस तरह के विवादों से बचने के लिए शाह को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले 2022 में शाह यूपी में केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर भाजपा विधायक दल की बैठक में शामिल हुए थे और योगी के नाम पर मुहर लगाई गई थी।

नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 17 अक्तूबर को पंचकूला के दशहरा ग्राउंड में होगा। समारोह में पीएम समेत 37 लोग विशेष अतिथि होंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने बताया, समारोह में पीएम मोदी समेत 37 विशेष अतिथि होंगे। इनमें केंद्रीय मंत्री, एनडीए घटक दल के राष्ट्रीय नेता, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री शामिल हैं। हम लोग सभी के संपर्क में हैं और सौ फीसदी हाजिरी पूरी होगी। उन्होंने बताया 17 को करीब 11 बजे कार्यक्रम शुरू होगा और लगभग एक बजे तक समारोह संपन्न हो जाएगा। उधर, शपथ ग्रहण समारोह को सफल बनाने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की अध्यक्षता में चंडीगढ़ के हरियाणा निवास पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम नायब सिंह सैनी समेत प्रदेश के बड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सभी पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। किसी को बाहर से आ रहे मुख्यमंत्रियों के स्वागत की जिम्मेदारी सौंपी गई है तो किसी को केंद्रीय मंत्रियों को स्टेज पर लाने तक की ड्यूटियां लगाई गई हैं।

संगीत, नृत्य युवा...

आर्कटिक अकादमी और संस्कृति मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया है, विविध चर्चाओं, विद्वतीय प्रस्तुतियों और परंपरा और नवाचार, संस्कृति और पहचान के बीच के प्रतिच्छेदन पर प्रदर्शन शुरू करने का प्रयास करता है। जहाँ कृष्ण, योग के स्वामी, और अर्जुन, धनुर्धारी हैं, वहाँ सफलता, विजय, समृद्धि और अच्छी नैतिकता भी होती है।

इसका तात्पर्य यह है कि ज्ञान और सफलता सहयोग और साझा उद्देश्य से उत्पन्न होती है। इस तरह का ऐतिहासिक कार्यक्रम, जहाँ कलाकारों, विद्वानों, अकादमिकों, निर्माताओं और कला के समर्थकों का एक साथ आना, दुर्लभ है। मुझे लगता है कि अब सवाल उठाने, बातचीत करने और एकत्र होने का समय है, जबकि हम अपने भविष्य की ओर देख रहे हैं। संगीत नाटक अकादमी की ओर से आयोजित भारतीय नृत्य पर अंतरराष्ट्रीय महोत्सव, दुनिया भर के कलाकारों, विद्वानों, नृत्य समीक्षकों और प्रदर्शनकारियों को एक साथ लाने का प्रयास कर रहा है। इसमें भारतीय नृत्य के ऐतिहासिक और समकालीन विकास, नृत्य शिक्षा, अनुसंधान विधियों तथा कला पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव जैसे विभिन्न विषयों की खोज करने वाले तीस सेमिनार शामिल होंगे। कमानी ऑडिटोरियम में प्रतिदिन शाम को प्रतिष्ठित कलाकारों, जैसे डॉ. सोनल मांनसिंह और राम्ली इब्राहीम, के सांस्कृतिक प्रदर्शनों के साथ-साथ भारत और विदेशों से एकल तथा समूह कार्यशाला पेश किए जाएंगे। गौरतलब है कि संगीत नाटक अकादमी देश की राष्ट्रीय संगीत, नृत्य और नाटक की अकादमी पहली राष्ट्रीय अकादमी है। इसे 31 मई 1952 को (तब के) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के एक प्रस्ताव द्वारा स्थापति किया गया था। अकादमी ने अगले वर्ष अपने पहले अध्यक्ष डॉ पी वी राजामन्नार की नियुक्ति के साथ कार्यशीलता प्राप्त की और इसकी अखिल भारतीय प्रतिनिधियों की परिषद, सामान्य परिषद का गठन किया गया। देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 28 जनवरी, 1953 को संसद भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में इसका उद्घाटन किया।

चमका देती है पति की किस्मत भाग्यशाली पत्नी

शादी के बाद बदल सकती है आपकी किस्मत

जब भी किसी का भी रिश्ता कहीं पर तय होता है तो मन में एक सवाल आता है कि मेरा जीवनसाथी कैसा होगा। क्या जीवनसाथी आपके लिए भाग्यशाली होगा। क्या जीवनसाथी के जीवन में आने से आपकी किस्मत चमकेगी। दरअसल कहते हैं कि शादी के बाद लोगों की किस्मत भी बदलती है। इसकी वजह समुद्रशास्त्र में बताया गया है कि कुछ ऐसे शुभ चिह्न हैं जो जीवनसाथी में हो तो वह बहुत ही भाग्यशाली होती है न सिर्फ अपने लिए बल्कि अपने परिवार के लिए भी। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि भविष्य पुराण, गरुड़ पुराण, विष्णु पुराण सहित कई पुराणों में भी इन बातों का जिक्र किया गया है। तो विवाह के जीवनसाथी का चुनाव करते समय आप इन गुण लक्षणों पर भी ध्यान देंगे तो संभव है कि आपका जीवनसाथी आपके घर में हमेशा के लिए शुभ लाभ लेकर आएगा। हस्तरेखा विज्ञान और कई पुराणों में ऐसी बातें बताई गईं हैं जिन पर गौर करेंगे तो आपको न सिर्फ सुंदर जीवनसाथी मिलेगा बल्कि वह आपकी किस्मत को भी चमका देगा। समुद्रशास्त्र अंगों की बनावट और रुप रेखा के आधार पर मनुष्य के भाग्य, गुण और जीवन के दूसरे पहलुओं के बारे में जाना जा सकता है। जिन कन्याओं का चेहरा अपने पिता के चेहरे से मिलता-जुलता हो, वे बहुत ही भाग्यशाली होती हैं। इन्हें जीवन में हर वह सुख मिलता है। जो वह चाहती है। इसके विपरीत माता से मिलते वाला पुरुष भाग्यशाली माना गया है।

ज्योतिषाचार्या ने बताया कि जिन कन्याओं का चेहरा गोल, मांसल, चिकना और आकर्षक होता है वह किस्मत वाली होती हैं। जिन युवतियों को शरीर आगे की तरफ हाथी की तरह उठा हुआ होता है,वह सौभाग्यशालिनी होती हैं। ये पति के लिए बेहद लकी होती हैं। जिन लड़कियों का ललाट समतल और सिंदूर लगाने वाला स्थान कुछ उन्नत होता है, वे सौभाग्यवती होती हैं। इनके सुहाग की उम्र लम्बी होती है। यदि कन्या के बाल भौंरे की तरह काले, मेघमय हों और कुंड के समान मुड़े हों तो यह बड़ा ही शुभ माना जाता है। बाल चिकने, कोमल और मुलायम होना भी उत्तम कन्या की पहचान है। जिन युवतियों की भौंहें एक बराबर दूरी पर हों, सटी हुई नहीं हों और धनुष के समान झुकी हों, वे भाग्यशालिनी होती हैं। जिन युवतियों के नेत्र कमल की पंखुडी के समान और उनके बीच का स्थान दूध के समान सफेद हो, ये कन्याएं पति के लिए भाग्यवर्धक होती हैं। जिन कन्याओं की भुजाओं में हड्डियों का जोड़ नजर नहीं आता। हाथ व भुजाएं कोमल होने के साथ हाथों में अधिक रोम नहीं होते, वे भी भाग्यशालिनी होती हैं। हथेली से नाखून की ओर अंगुलियां पतली और उंगली के पोर लंबे होना शुभदायक होता है।

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार जिन कन्याओं के पैरों के तलवे लालिमायुक्त और चिकने होते हैं, वे लक्ष्मी के समान होती हैं। पैरों की अंगुलियां कोमल और आपस में सटी हुई हों तो शुभ होता है। कन्या को देखते समय यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि उसके पैर की कनिष्ठा यानी छोटी अंगुली भूमि को स्पर्श करता हो, वह शुभ होता है। जिन कन्याओं के तलवे मांसल, समतल और पसीने से रहित होते हैं, वे विवाह योग्य उत्तम मानी गई हैं। चिकने, गोल, उठे हुए और तांबे के समान रंग वाले नाखून शुभ होते हैं। शास्त्रों में वर्णित है कि लंबे बालों वाली महिलाएं पदमनी होती हैं अर्थात उच्च कोटि की होती हैं। लंबे और रेशमी बाल शुभता और सौंदर्य का प्रतीक हैं। सामुद्रिक शास्त्र में लंबी गर्दन वाली महिलाओं को मंगलकारी माना गया है। जिन कन्याओं की गर्दन लम्बी होती है, वे ऐश्वर्यशालिनी होती हैं। इनके पास संपूर्ण वैभव होता है। इनके रहते पति को कभी पैसों की कमी नहीं आती।

भाग्यशाली लोगों को ही मिलती हैं ऐसी जीवनसंगिनी

एक स्त्री में ऐसे तमाम गुण होते हैं, जिनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। स्त्री के गुणों को मापना उतना ही मुश्किल है जितना एक समुद्र के पानी की गहराई को मापना। भविष्य पुराण, गरुड़ पुराण, विष्णु पुराण में स्त्री के उन गुणों के बारे में बताया गया है, जो किसी स्त्री में हो तो उन्हें सर्वगुण सम्पन्न माना जाता है। समुद्रशास्त्र में कुछ ऐसे शुभ चिह्नों के बारे में बताया गया है जो अगर आपके जीवनसाथी में हों तो आप दुनिया के सबसे सौभाग्यशाली व्यक्तियों में से एक मानें जाएंगे। ऐसे में विवाह के समय जीवनसाथी का चुनाव करते वक्त आप इन गुण या लक्षणों पर ध्यान देंगे तो संभव है कि आपका जीवनसाथी आपके घर में हमेशा के लिए शुभ लाभ लेकर आएगा।

गले में तीन रेखाएं

अगर किसी महिला की गर्दन चार अंगुली जितनी लंबी हो और उसमें तीन रेखाएं दिखाई देते हों तो ऐसी स्त्री को अत्यंत भाग्यशाली माना जाता है। कहा जाता है कि ऐसी स्त्रियों के पास सोने-चांदी की कमी नहीं रहती है।

गोल गाल का होना

जिन लड़कियों के गाल चारो तरफ से गोल और कुछ पीलापन लिए हुए हो ऐसे गालों का होना बहुत ही शुभ माना जाता है। वहीं अगर किसी महिला के गाल पिचके, खुरदरे और पतले हो तो यह शुभ लक्षण नहीं माना जाता है।

सुंदर और सफेद दांत

जिस स्त्री के दांत सुंदर, चमकीला, सफेद और आगे तरफ निकले हुए हों ऐसी स्त्रियां बहुत ही भाग्यशाली होती हैं। कहा जाता है ऐसी स्त्रियां शाही जीवन जीती हैं। वहीं, किसी स्त्री के दांत बहुत पतले या फिर छोटे हों या होठ रुखे और फटे हुए हों तो यह शुभ नहीं माना जाता है।

हंसते समय दांत न दिखना

हंसते समय अगर किसी स्त्री के दांत न दिखाई दें और गाल फूल जाए और आंखें बंद न हो तो यह बहुत ही शुभ लक्षण माना जाता है। इसके अलावा हंसते समय अगर किसी स्त्री के गालों अगर गड्ढे पड़ते हैं तो यह अच्छा नहीं माना जाता है।

जिह्वा के गुण

भविष्य पुराण में जिह्वा के चार गुण बताए गए हैं, लंबी सीधी, पतली और तांबे की तरह लाल। इसके अलावा स्कंद पुराण में कहा गया है कि जिस स्त्री की जिह्वा लाल और कोमल हो ऐसी स्त्रियां सुंदर जीवन जीती हैं।

गोल सुंदर गला

गर्ग मुनि के मुताबिक अगर किसी महिला के गले में तीन रेखाएं दिखाई देती हो और उनका गला सुंदर, गोल आकार वाला हो तो यह बेहद शुभ परिणाम देने वाला होता है।

■ ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा
अजमेर

जेब में नहीं टिक रहा है पैसा तो घर में लगाकर देखें यह पौधा, चमक उठेगी किस्मत

आज के समय में सभी की इच्छा होती है कि वो धनवान बन जाएं और उन्हें किसी प्रकार के कोई अभाव का सामना ना करना पड़े। वास्तु के अनुसार घर का वास्तु खराब हो तो नौकरी, बिजनेस सभी में नुकसान होता है। लेकिन अगर वास्तु सुधर जाए तो धन संपदा खुद चलकर आपके पास आती है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार सभी देवी एवं देवताओं का कोई एक प्रिय पौधा होता है। दीपावली के दिन धन के देवता कुबेर की भी पूजा की जाती है। आइये समझते हैं कि कुबेर जी को कौन सा पौधा प्रिय है और इसे लगाने के क्या लाभ हैं।

धन के देवता हैं कुबेर

कुबेर को हिंदू धर्म में धन का देवता कहा गया है। यह माना जाता है कि इनकी कृपा जिस पर हो जाए उसका जीवन ही बदल जाता है और उसे कभी धन की कमी नहीं होती।

इस पौधे का नाम है क्रासुला

जो पौधा कुबेर जी को प्रिय है उसका नाम क्रासुला है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यह पौधा बहुत शुभ एवं लाभकारी फल देने वाला होता है। इसे घर के आंगन में लगाना अच्छा माना गया है। इस पौधे को लकी ट्री, मनी ट्री, सकुलेंट्स, पुलाव का पौधा या फिर क्रासुला ओवाटा के नाम से भी जाना जाता है।

उत्तर दिशा में लगाएं

जब भी हम घर में कोई पौधा लगाएं तो उसे वास्तु के हिसाब से सही दिशा देखकर ही लगाना चाहिये। क्रासुला के पौधे को उत्तर दिशा में लगाया जाता है। तभी इसके शुभ परिणाम सामने आते हैं।

मिलती है विशेष कृपा

वास्तु के अनुसार जो भी व्यक्ति क्रासुला के पौधे को घर में लगाता है उस पर भगवान कुबेर जी की विशेष कृपा बरसती है। धार्मिक और वास्तु दोनों दृष्टियों से इस पौधे को लगाना हितकारी है।

धन की कमी नहीं होगी

ऐसा कहा जाता है कि जिसने भी सही दिशा में, सही ढंग से क्रासुला के पौधे को घर में लिया उसके जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं रहती है। इतना ही नहीं, उसके अटके हुए काम भी पूरे होने लगते हैं। घर में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है और परिवार के सदस्यों में भी मतभेद नहीं होते हैं।

करवा चौथ का व्रत 20 अक्टूबर को

बन रहे हैं ये पांच शुभ योग, जानिए शुभ मुहूर्त

अखंड सौभाग्य की कामना के साथ महिलाएं कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का व्रत करती हैं। पंचांग के अनुसार, करवा चौथ का व्रत 20 अक्टूबर रविवार को किया जाएगा। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि इस साल करवा चौथ पर पूजा के लिए केवल एक घंटा 16 मिनट का ही शुभ मुहूर्त है। इस बार यह व्रत विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि पांच शुभ योग बन रहे हैं, जिसका लाभ वृषभ, कन्या और तुला राशियों को विशेष रूप से होने वाला है।

इन योगों के बनने से होगा लोगों को लाभ

करवा चौथ पर बन रहे शुभ योग ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अब की बार सूर्य और बुध दोनों ही ग्रह शुक्र की राशि तुला में हैं। ऐसे में बुधादित्य योग का निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही शुक्र के वृश्चिक राशि में आने वह गुरु के साथ मिलकर समसप्तक योग का निर्माण कर रहे हैं।

इसके अलावा शनि अपनी राशि कुंभ में रहकर शश राजयोग का निर्माण कर रहे हैं। इसके अलावा चंद्रमा वृषभ राशि में गुरु के साथ युति करके गजकेसरी राजयोग का निर्माण कर रहे हैं।

करवा चौथ व्रत व सरगी का शुभ मुहूर्त

कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 20 अक्तूबर को सुबह छह बजकर 46 मिनट पर शुरू होगी, तिथि का समापन 21 अक्तूबर को सुबह चार बजकर 17 मिनट पर होगा। चंद्रोदय का समय 20 अक्टूबर को शाम आठ बजकर 18 मिनट पर है। परंपरा के अनुसार, सूर्योदय से करीब दो घंटे पहले तक सरगी खा सकते हैं। ऐसे में तीन बजकर 12 मिनट से लेकर सुबह चार बजकर 37 मिनट तक का समय सरगी खाने के लिए सर्वोत्तम रहेगा। करवा चौथ पूजा समय शाम पांच बजकर 46 मिनिट से रात सात बजकर नौ मिनिट तक (अवधि एक घंटा 16 मिनट) रहेगा।

करवा माता और चंद्रदेव की होती है पूजा

इस दिन करवा माता और चंद्रदेव की पूजा की जाती है। हिंदू धर्म में इस पर्व को पति-पत्नी के प्रेम का प्रतीक माना जाता है। इस वर्ष करवा चौथ का व्रत व्यतिपात योग और कृतिका नक्षत्र में रखा जाएगा।

करवा चौथ के दिन करवा माता की आराधना करके पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखा जाता है। रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देने व छलनी की ओट से पति को देखने के बाद व्रत का पारण किया जाता है।

करवा चौथ व्रत समय सुबह छह बजकर 25 मिनिट से रात्रि सात बजकर 54 मिनट (अवधि 13 घंटे 29 मिनट) तक रहेगा।

सरगी से होती है करवा चौथ व्रत की शुरुआत

करवा चौथ व्रत की शुरुआत हमेशा सरगी खाने से की जाती है, जो सूर्योदय से लगभग दो घंटे पहले तक खाई जाती है।

व्रत शुरू होने से पहले सास अपनी बहू को उपहार देती है।यदि सास न हो तो घर की बड़ी महिला या ननद भी सरगी दे सकती है। सरगी की थाल में कुमकुम, बिंदी, मेहंदी, साड़ी, सिंदूर, बिछिया, सूखे मेवे, मिठाई, ताजे फल, शगुन मनी आदि शामिल होते हैं।

चांदी के बर्तन में खाएं खीर, मजबूत होंगे चंद्रमा और शुक्र

इस तिथि का चंद्रमा अन्य दिनों के मुकाबले आकार में बड़ा और औषधीय गुण प्रदान करने वाला माना जाता है। इस दिन चंद्रमा की किरणों से अमृत बरसता है। यही वजह है कि इस दिन पारंपरिक रूप से गाय के दूध और चावल की खीर बनाकर उसे संपूर्ण रात्रि के लिए चांदनी में रखा जाता है। इससे उस खीर में चंद्रमा के औषधीय और दैवीय गुण समाहित हो जाते हैं। सफेद चीजों का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से होता है। इसलिए इस दिन चावल-दूध की खीर चांदी के बर्तन में खाने से कुंडली में चंद्रमा और शुक्र ग्रह भी मजबूत होते हैं।

दिवाली कब है 31 अक्टूबर या 1 नवंबर, काशी से मिल गया उत्तर

तिथियों की घट-बढ़ के कारण शुरू से दुविधा रही है कि इस बार दिवाली किस दिन मनाई जाएगी। अलग-अलग विद्वान अपने हिसाब से 31 अक्टूबर या 1 नवंबर की तारीख बताते रहे, लेकिन पूरे देश में एक साथ साथ दीपावली कब मनाई जाए, इस पर एक राय नहीं बन पा रही थी। ताजा खबर है कि बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से इसका समाधान मिल गया है।

काशी में जुटे विद्वानों ने तय कर दिया है कि पूरे देश में एक साथ 31 अक्टूबर को ही दिवाली मनाई जाएगी। दीप ज्योति पर्व दिवाली को लेकर भ्रम का काशी के विद्वानों ने निवारण कर दिया है। गणितीय मानों, धर्मशास्त्रीय वचनों, दृश्य एवं पारंपरिक मतों के आधार पर सर्वसम्मति से इसी दिन दीपावली मनाने को शास्त्रोचित बताया गया है।

ऐसे लिया गया 31 अक्टूबर को दिवाली मनाने का फैसला

बनारस हिंदू विश्व विद्यालय (बीएचयू) के संस्कृत धर्म विद्या धर्म विज्ञान संकाय के ज्योतिष विभाग में बैठक आयोजित की गई, जिसमें श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास परिषद, श्रीकाशी विद्वत परिषद, पंचांगकारों तथा ज्योतिर्विदों ने भाग लिया। सभी विद्वानों ने विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाने के पक्ष में निर्णय दिया। बैठक के बाद ज्योतिष विभाग में पत्रकार वार्ता आयोजित कर आधिकारिक जानकारी दी गई। बीएचयू के विश्व पंचांग के समन्वयक प्रो. विनय कुमार पांडेय ने बताया कि पारंपरिक गणित से निर्मित पंचांगों में किसी प्रकार का भेद नहीं है। सभी पंचांगों के अनुसार अमावस्या का आरंभ 31 अक्टूबर को सूर्यास्त से पहले हो रहा है। प्रो. विनय कुमार पांडेय ने आगे बताया कि अमावस्या तिथि अगले दिन अर्थात 1 नवंबर को सूर्यास्त के पूर्व ही समाप्त हो रही है। इससे पारंपरिक सिद्धांतों से निर्मित पंचांगों के अनुसार 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाया जाना एक मत से सिद्ध है।

इसलिए पैदा हुईं विरोधाभासी स्थितियां

देश के कुछ हिस्सों जैसे गुजरात, राजस्थान और केरल के कुछ क्षेत्रों में अमावस्या 31 अक्टूबर के सूर्यास्त से पहले आरंभ होकर एक नवंबर को सूर्यास्त के बाद प्रदोष में कुछ काल तक व्याप्त है। इससे 31 अक्टूबर और 1 नवंबर की स्थिति को लेकर कुछ विरोधाभासी स्थितियां उत्पन्न हो गई हैं, लेकिन धर्मशास्त्रीय वचनों के क्रम में वहां भी दिवाली 31 अक्टूबर को ही मनाया जाना तय हुआ है।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कमाई में भारी गिरावट

पिछले काफी समय से फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो चर्चा में थी। आखिरकार 11 अक्टूबर को इसने सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया है।फिल्म में राजकुमार राव के साथ पहली बार तृप्ति डिमरी की जोड़ी बनी है, जिसे दर्शक पसंद कर रहे हैं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।आइए जानते हैं विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने चौथे दिन कितने करोड़ रुपये का कारोबार किया है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को 2.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 21.05 करोड़ रुपये हो गया है।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने 5.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 6.9 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। तीसरे दिन इसने 6.4 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्देशन राज शांडिल्य हैं। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। भूषण कुमार इसके निर्माता हैं।इस फिल्म में विजय राज, मल्लिका शेरावत और शहनाज गिल जैसे सितारे भी नजर आ रहे हैं।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कहानी विक्की (राजकुमार) और विद्या (तृप्ति) पर आधारित है, जो अपनी शादी के बाद पहली रात को यादगार बनाने के लिए वीडियो बनाते हैं, लेकिन वह वीडियो खो जाता है।

बॉक्स ऑफिस पर आलिया भट्ट की जिगरा की हालत पस्त

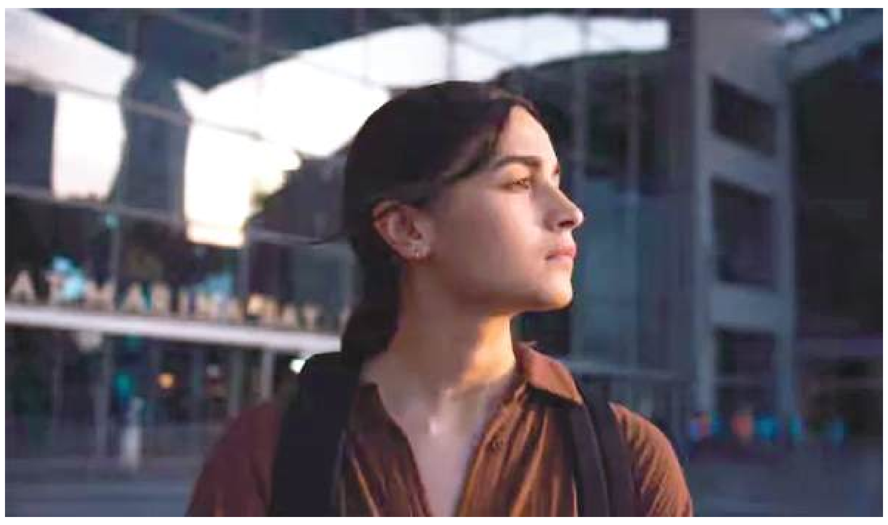

अभिनेत्री आलिया भट्ट और अभिनेता वेदांग रैना की फिल्म जिगरा से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह टिकट खिड़की पर अपना जादू चलाने में नाकाम साबित हुई है।हर गुजरते दिन के साथ इस फिल्म की दैनिक कमाई लगातार घटती जा रही है।अब जिगरा की कमाई के चौथे दिन का आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें भारी गिरावट दर्ज की गई है और यह अब तक का सबसे कम कारोबार भी है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जिगरा ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को 1.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 18.10 करोड़ रुपये हो गया हैइस फिल्म ने 4.55 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी। दूसरे दिन इस फिल्म ने 6.55 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं तीसरे दिन यह फिल्म 5.5 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।जिगरा का निर्देशन वासन बाला ने किया है, वहीं करण जौहर इसके निर्माता हैं। आलिया इस फिल्म की सह-निर्माता भी हैं।जिगरा में आलिया ने वेदांग की बड़ी बहन का किरदार निभाया है, जो अपने भाई को हर मुसीबत से बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।जिगरा को 11 अक्टूबर को हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज किया गया था। बॉक्स ऑफिस पर जिगरा का सामना विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से हो रहा है।

वेस्टर्न आउटफिट पहन कमाल की दिखीं मोनालिसा

जपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका बोल्ड और हॉट अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स की फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका बोल्ड लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने रेड कलर की बेहद ही सेक्सी ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कैमरे के सामने किलर पोज दे रही हैं।बालों की पोनी बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये लुक देखकर फैंस अपनी नजरें उन पर से हटा नहीं पा रहे हैं।इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक मोनालिसा अपने हर एक लुक में काफी जबरदस्त लगती हैं। उनका कातिलाना लुक इंस्टा पर पोस्ट होते ही लोगों के बीच ट्रेंड करने लगता है।मोनालिसा सोशल मीडिया स्टार हैं, इंस्टाग्राम पर उनके चाहने वालों की लिस्ट भी काफी लंबी है। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही लोगों के होश उड़ा देता है।

नीली आंखें और मासूम चेहरा
संजय दत्त की बेटी इकरा को देखने के बाद लोग भूले नर्गिस दत्त

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त की फैन फॉलोइंग गजब की है। उनके फैंस उन्हें मूवी में तो देखना पसंद करते ही हैं, उनकी पर्सनल लाइफ को भी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। यही वजह है कि जब भी संजय दत्त या उनकी पत्नी मान्यता दत्त सोशल मीडिया पर कोई फोटो डालते हैं तो उस फोटो या वीडियो को काफी लाइक्स मिलते हैं। कुछ समय पहले संजय दत्त की फैमिली को स्पॉट किया गया था, जिसमें मान्यता अपने बच्चों के साथ किसी वेन्यू पर नजर आ रही थीं। इस वीडियो में जब संजय दत्त की बेटी इकरा कैमरे की तरफ नजर करती हैं तो लोगों को उनकी दादी नरगिस दत्त की याद आ जाती है।

नरगिस की कॉपी हैं संजय की बेटी इकरा दत्त

सोशल मीडिया पर यह वीडियो काफी वायरल हुआ था। वीडियो को देखने के बाद लोग संजय दत्त की बेटी इकरा की खूबसूरती के कायल हो गए थे। लोग इकरा को हूबहू अपनी दादी यानी कि नरगिस की तरह बता रहे थे। थ्रोबैक वीडियो में इकरा अपने भाई और मां के साथ नजर आ रही हैं। झील सी नीली आंखें और खुले बालों में वाकई यह अनुमान लगाया जा सकता है कि इकरा अपनी दादी नरगिस की कॉपी ही हैं। इकरा के नैन नक्श बिलकुल अपनी दादी की तरह ही हैं। बता दें कि संजय दत्त और मान्यता की दो जुड़वा संतान, बेटा शहरान और बेटी इकरा है जबकि उनकी पहली पत्नी रिचा शर्मा से एक बेटी है, जिसका नाम त्रिशला है। त्रिशला अपने नाना नानी के साथ अमेरिका में रहती हैं। रिचा का ब्रेन ट्यूमर की वजह से साल 1996 में देहांत हो गया था, जिसके बाद त्रिशला की परवरिश उनके नाना नानी ने किया।

रवीना टंडन को अपनी बेटी राशा की पहली कमाई से मिला यह खूबसूरत तोहफा

रवीना टंडन को अपनी बेटी राशा की पहली कमाई से मिला यह खूबसूरत तोहफा

अभिनेत्री रवीना टंडन की खुशी इस वक्त सातवें आसमान पर है, क्योंकि उनकी बेटी राशा टंडन अब कमाने लगी हैं। राशा ने अपनी पहली कमाई से अपनी मां को एक खूबसूरत तोहफा भी दिया है।दरअसल, रवीना का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।इस वीडियो में रवीना के हाथ में एक भूरे रंग का पर्स दिखाई दे रहा है, जो उन्हें उनकी बेटी ने अपनी कमाई से उपहार में दिया है।पैपराजी से बातचीत करते हुए रवीना ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह पर्स मुझे मेरी बेटी ने अपनी पहली कमाई से उपहार में दिया है। इस दौरान रवीना के आंखों की चमक और खुशी देखने लायक थी।काम के मोर्चे पर बात करें तो रवीना जल्द ही फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, परेश रावल और दिशा पटानी भी नजर आएंगे।

हेमा मालिनी ने अपनी पहली ही फिल्म में 26 साल बड़े राज कपूर संग किया था रोमांस, जानते हैं मूवी का नाम?

राज कपूर को पूरा बॉलीवुड ही नहीं बल्कि दुनियाभर की फिल्मी दुनिया और फिल्मी फैन्स भी शो मैन के नाम से जानते हैं। फिल्मों में काम करने से लेकर फिल्में बनाने तक राज कपूर ने कई हीर-ोइन्स के साथ काम किया। वो लंबे समय तक फिल्मों में एक्टिव रहे, जिसकी वजह से एक दौर ऐसा भी आया जब राज कपूर ऐसी हीरोइन्स के हीरो बनकर आए जिनकी उम्र बहुत कम रही। एक हीरोइन तो ऐसी भी था जिनका डेब्यू राज कपूर के साथ हुआ। उस हीरोइन की उम्र राज कपूर के बड़े बेटे रणधीर कपूर से भी कम थी। ये अनोखी पेयर जिस फिल्म में दिखी क्या आप उस फिल्म का नाम जानते हैं।

ये है फिल्म का नाम

हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं, उस फिल्म का नाम है सपनों का सौदागर। ये फिल्म रिलीज हुई थी साल 1968 में। सपनों का सौदागार नाम की इस फिल्म के जरिए ही हेमा मालिनी का हिंदी फिल्मों में डेब्यू हुआ था। हेमा मालिनी इस फिल्म में राज कपूर की हीरोइन बनकर लॉन्च हुई थीं। हेमा मालिनी की उम्र राज कपूर के बड़े बेटे रणधीर कपूर से कुछ महीने कम है। इस लिहाज से ये कहा गया कि राज कपूर अपने बेटे से भी छोटी उम्र की हीरोइन के साथ पर्दे पर काम कर रहे हैं।

ऐसी है फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी उस दौर की हिंदी फिल्मों की आम कहानियों की तरह ही थी, जिसमें एक गांव का जुल्मी रईस शख्स होता है, जिससे पूरा गांव परेशान है। वो उस गांव पर राजा की तरह राज करता है। गांव में चारों तरफ निराशा का आलाम है। ऐसे में खाकी कपड़े, लाल टाई और मोजे पहना एक अनजान शख्स गांव में आता है और गांव वालों को अच्छे सपने दिखाता है। जिसके बाद गांव में खुशियां आने लगती हैं। ये शख्स राज कपूर ही होते हैं, जिनसे गांव की एक लड़की प्यार करने लगती है। हेमा मालिनी गांव की इसी लड़की की भूमिका में नजर आई थीं।

अमिताभ बच्चन की इस फिल्म में पहली बार दिखा था खतरनाक तात्या बिच्छू, बिग बी ने निभाए थे तीन किरदार

सत्तर अस्सी के दशक में बॉलीवुड में अमिताभ बच्चन के नाम का डंका बचता था। एंग्री यंग मैन के स्टाइल ने लोगों को इतना इंप्रेस किया हुआ था कि वो अपने सुपरस्टार को हर रोल में पसंद करते थे। अपने फैंस को हर बार सरप्राइज करने के लिए अमिताभ बच्चन या उनकी फिल्म के मेकर्स भी कुछ न कुछ नया ट्राय करते थे। हम आज जिस मूवी की बात कर रहे हैं वो मूवी भी ऐसी ही मूवी है। जिसमें अमिताभ बच्चन का ट्रिपल डोज था। इसके साथ ही तात्या बिच्छू भी पहली बार इसी मूवी में दिखाई दिया। क्या आप जानते हैं तात्या बिच्छू है कौन?

तात्या बिच्छू कौन है?

अमिताभ बच्चन की 1983 में एक फिल्म रिलीज हुई थी जिसका नाम था महान। इस फिल्म में पहली बार तात्या बिच्छू नाम की डॉल दिखाई दी थी। जो बाद में कई हॉरर मूवीज का हिस्सा भी बनी। चौकोर सा चेहरा, बड़ी सी नाक और स्ट्रेट बिखरे हुए बाल वाली ये गुड़िया मामूजी नाम से फिल्म में इंट्रड्यूज की गई थी। बाद में यही गुड़िया मराठी फिल्म झपटलेला नाम की मराठी फिल्म में दिखी। इस फिल्म में लक्ष्मीकांत बर्डे एक वेंटोलॉजिस्ट के किरदार में थे। उसके बाद इस गुड़िया को लेकर और भी बहुत सी मूवीज बनी थी।

अमिताभ बच्चन का ट्रिपल रोल

अमिताभ बच्चन ने महान फिल्म में ट्रिपल रोल अदा किया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन पिता के रोल में थे। उनके अपॉजिट थीं वहीदा रहमान जो अमिताभ बच्चन की हीरोइन भी थीं और मम्मी भी थीं क्योंकि दो बेटों के रोल में भी खुद अमिताभ बच्चन ही थे। जिनके साथ जीनत अमान और परवीन बाबी पेयर की गई थीं। उस दौर में ये फिल्म काफी हिट रही थी। दर्शकों ने अमिताभ बच्चन की फिल्म को बहुत प्यार दिया था। जिसकी कहानी कुछ ऐसी थी कि अपनी आइडेंटिटी छुपाने के लिए पापा अमिताभ बच्चन कुछ प्लान करते हैं। इस बीच बचपन में ही उनके दोनों में से एक बेटा बिछड़ जाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती हैं दिन अच्छा है फैशन डिजाईन मे करियर बना रहे हैं तो आज आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं. आपका कॉन्फिडेंस लेवल हाई रहेगा जिससे जोखिम भरे कामों में सफलता मिल सकती है. पैसों और बिजनेस के मामलों पर ध्यान देना होगा. सामाजिक सम्मान भी बढ़ सकता है. पारिवारिक संबंधों में सुधार के योग बन रहे हैं. आज सेहत के मामले मे खर्चा ज्यादा होगा ध्यान रखने की जरुरत है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज भाग्य प्रबल हैं काम फटाफट बनेंगे और आप कन्स्ट्रक्शन मे कार्यरत हैं सरकारी उच्च अधिकारियों से विशेष सहयोग प्राप्त करेंगे. आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक परिवेश से खुश रहेगा और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रियता हासिल करेंगे. रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ आपके संबंध अधिक सौहार्दपूर्ण बनेंगे.स्वास्थ्य एकदम चुस्त रहेगा

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज छात्रों के लिए दिन अच्छा हैं आप को दूसरों की मदद करना चाहिए आप को भी उतना ही लाभ मिलेगा जॉब में प्रगति होगी. जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. रिस्क लें सकते हैं किसी ऐसे इंसान का साथ पाने की कोशिश करें जो आपकी भावनाओं को समझता हो और आप उसकी. खर्चा ज्यादा होगा संतान पक्ष से बेफिक्री रहेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज शिवजी की पूजा करनी चाहिए जिससे आप की नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा. आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे, तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी। ऑफिस में आज समय ज्यादा देना पड़ेगा जिससे रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा नया विजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है. आज स्वास्थ्य थोडा कमजोर रहेगा कुछ हल्का भोजन करना अच्छा रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

छोटी कन्या को खिर का भोजन कराए जिससे आप का रुका हुआ पैसा मिलने के योग बनेंगे किसी से उधार पैसा भी लेना पड़ सकता है. आपकी कोशिशें सफल हो जाएगी. जो आपके लिए बहुत हद तक फायदेमंद हो सकती है. जीवनसाथी सेसहयोग मिलेगा. आज आपकी कोई इच्छा पूरी हो जाएगी. घर मे वैवाहिक प्रसंग का माहौल रहेगा नयी रिश्तेदारी बन सकती हैं मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला झुला रहेगा कुछ काम भी बनेंगे कही पर काम अटकेगा भी परन्तु चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं कठिन समय के बाद आखिरकार आप अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ आराम कर सकते हैं. आप अपनी कड़ी मेहनत और श्रम के लिए इनाम की उम्मीद कर सकते हैं. आपको अपनी नौकरी में पदोन्नति मिलेगी. बेहतर होगा, प्रेम संबंधों को सार्वजनिक करने से बचना होगा आज ठंडी चिजों से परहेज करें गर्म भोजन गर्म तरल पदार्थ ही लें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि गले सम्बंधित तकलीफ बन सकती हैं

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज समय पर सभी काम हो जाएंगे जिससे आप की खुशी का ठिकाना नही रहेगा जिससे परिवार में भी उत्सव का वातावरण छाया रहेगा, जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा. छात्रों को नये कोर्स मे सफलता बनती हुई दिख रही हैं कला से जुड़े लोगों को तरक्की मिलेगी. किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा. किसी बड़े समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा.आप को काम से फुर्सत मिलते ही धार्मिक यात्रा करनी चाहिए

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका दिन अच्छा रहेगा. आज आप रुठे हुए लोगों और बिगड़े हुए रिश्तों को मनाने की कोशिश करेंगे, हो सकता है कि रुठे हुए लोग मान भी जाएं. आज प्रतियोगी अपने करियर के लिए अपने सीनियर्स से परामर्श ले सकते हैं, साथ ही कुछ नए कोर्स की जानकारी भी लेते रहें .आज अविवाहित लोगों के लिए ,कोई रिश्ता आ सकता है. हो सकता है कि शादी फिक्स भी हो जाएं. इससे आपके रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेगी. आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अगर कुछ नया करना चाह रहें तो तकनीकी क्षेत्र मे भाग्य आजमाएं सफलता मिलेगी अगर नौकरी में हैं तो पदोन्नति की संभावना बन रही है. खुद का कोई बिजनेस है तो उस पर पूरा ध्यान रहेगा. बिजनेस और कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी. फालतू भाग–दौड़ खत्म हो सकती है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. घर और ऑफिस, दोनों जगह का माहौल आपके लिए खुशनुमा रहेगा. दिन भर की भागम–दौड के बाद शाम के समय थकान हो सकती हैं

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के पक्ष से आप बेफिक्र रहेंगे बच्चे अपने करियर के लिए अच्छी प्लानिंग करते हुए आगे बढ़ेंगे आप को पारिवारिक सम्बन्ध मे मुश्किलें दिखाई दे रही हैं तो अपने वरिष्ठों से सहायता और मार्गदर्शन लेना चाहिए आप अपने कार्य स्थल पर प्रशंसा के पात्र रहेंगे, जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. अगर किसी को प्रपोज़ करने की योजना है तो ऐसा करने के लिए यह एक आदर्श समय नहीं है.परिवार मे स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी आप को टेंशन दे सकती हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यापार के हिसाब से दिन लाभकारी हैं धन की तकलीफ दूर होगी कर्ज लेने की जरुरत नही पड़ेगी रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है. आज विवाहित पारिवारिक समस्याओं को जीवनसाथी से साझा करें तो हल जरूर निकलेगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेगा. सेहत अच्छी रहेगी. संतान का सुख मिलगा. अगर आप नौकरी के लिए आवेदन या किसी छात्रवृत्ती के कागजों पर काम कर रहे हैं तो पूरी तरह से सतर्क रहें. सुबह योग करें प्राणायाम करें शाम को तरल और गर्म भोजन करें स्वास्थ्य रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज हनुमानजी को चूरमे का भोग लगाए कपूर आरती करें दिनजनो को मिष्ठान वितरित करें आपका दिन खुशियों से भरा होगा. काम–धंधे में आज आपका मन लगेगा. अगर आज किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है. किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन–देन करने जा रहे हैं, तो बेहतर होगा कि पहले उसकी अच्छे से जांच–पड़ताल जरूर कर लें. लेकिन अपनों के सहयोग से आपकी परेशानी दूर हो जाएगी.शाम के वक्त बच्चों को साथ घूमने जा सकते हैं

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 17 अक्टूबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा सायं 04:58 तक
नक्षत्र : रेवती सायं 04:21 तक
योग : हर्षण रात्रि 01:41 तक
करण : विष्टि प्रातः 06:50 तक
चन्द्रराशि : मीन सायं 04:21 तक
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:59 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 05:51 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 05:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : आश्विन पूर्णिमा, गण्डमूल चालू है , पंचक सायं 04:21 तक , कार्तिक स्नान आरंभ , तुला संक्रांति प्रातः 07:42 से , संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से प्रातः 11:42 तक , ऋषि पाराशर–वाल्मिकी जयंती , भद्रा प्रातः 06:49 तक

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

थूक लगाकर सेब बेच रहा था दुकानदार लोगों ने देखा तो जमकर पीटा

झज्जर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में झज्जर में एक फल विक्रेता रेहड़ी वाला थूक लगाकर फल बेचता पकड़ा गया है। मार्केट के व्यापारियों की उसपर नजर पड़ी तो उन्होंने उसकी धुनाई कर दी। मामला झज्जर शहर के थाना के सामने का है। यहां एक मुस्लिम युवक रेहड़ी पर थूक लगाकर सेब बेचते पकड़ा है। इस घटना के दो दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पहले वीडियो में युवक व्यापारियों से ऐसा करने पर माफी मांग रहा है। वहीं, दूसरे वीडियो में एक व्यापारी सेब पर थूक लगाने वाले युवक की पिटाई कर रहा है। हालांकि इस मामले की पुलिस को शिकायत नहीं मिली है। मामला तीन दिन पहले का बताया जा रहा है।

दुकानदारों की माने तो सिटी थाने के सामने मुस्लिम युवक मोहम्मद रजा सेब बेच रहा था। मोहम्मद रजा सेब पर थूक लगा रहा था। आसपास के व्यापारियों ने उसे सेब पर थूक लगाते देख लिया। इस पर व्यापारियों ने उसे मौके पर पकड़ लिया। बाद में उसकी एक वीडियो भी बनाई गई, जिसमें वह व्यापारियों से ऐसा करने पर माफी मांग रहा है। इसके चलते उसे छोड़ दिया गया था। इसके बाद एक और वीडियो भी बुधवार को वायरल हुई, जो 15 अक्तूबर शाम की बताई जा रही है। इसमें एक युवक मोहम्मद रजा की पिटाई कर रहा है। वीडियो में युवक भी कान पकड़कर माफी मांगता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो सब्जी मंडी का है, जहां से युवक ने सेब खरीदे थे।

भाजपा की जीत ऐतिहासिक तो समारोह भी भव्य होगा : कृष्णपाल

चंडीगढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचकूला में कल गुरुवार को मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह हो रहा है। इस पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता कृष्णपाल गुर्जर का कहा कि शपथ समारोह के लिए एनडीए के सहयोगियों को निमंत्रण भेजा गया है। कन्फर्मेशन भी आ रही है कि एनडीए के बड़े तमाम नेता समारोह के लिए आ रहे हैं। क्योंकि हरियाणा में भाजपा की यह एक शानदार जीत है, इसलिए जश्न भी भव्य होगा।

गुर्जर ने कहा कि पार्टी के सभी बड़े नेता गुरुवार को इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनेंगे। हरियाणा में इतिहास लिखा गया है, क्योंकि राज्य में भाजपा की तीसरी बार लगातार सरकार बन रही है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में गुरुवार को भाजपा की सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में भी बहुत लंबे अंतराल के बाद 1960 के बाद केंद्र में मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है। वहीं हरियाणा में भी भाजपा की यह जीत ऐतिहासिक जीत है। बता दें कि इससे पहले भाजपा के पर्यवेक्षक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विधायकों के साथ बैठक की। विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के लिए नायब सिंह सैनी के नाम पर मुहर लगी। बैठक में अनिल विज और कृष्ण बेदी ने सैनी का नाम भी रखा था। वहीं नायब सैनी दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में गुरुवार को पंचकूला में शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। बैठक के बाद सीएम नायब सैनी राज्यपाल से मिलने पहुंचे और सरकार बनाने का दावा पेश किया।

हरियाणा में ग्रैप का पहला चरण लागू, लगी कई प्रकार की पाबंदियां

गुरुग्राम, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ ही ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का पहला चरण लागू हो गया है। इसको लेकर तय बंदिशें मंगलवार से लागू कर दी गईं। केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की उप–समिति की बैठक में वायु गुणवत्ता के पूर्वानुमान को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक (एकक्यूआई) 200 के पार होने पर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का पहला चरण लागू किया जाता है। अक्तूबर के पहले सप्ताह से प्रदूषण बढ़ा है। मंगलवार को जिले का एक्यूआई 259 दर्ज किया गया, जो इस सीजन का सबसे अधिकतम एक्यूआई है। सोमवार को प्रदूषण का स्तर 258 दर्ज किया गया था। 9 अक्तूबर को प्रदूषण का स्तर सबसे कम 80 दर्ज किया गया था। अगर वायु गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया तो प्रदूषण का स्तर 300 पार कर जाएगा। एक्यूआई 250 पहुंचने पर ग्रैप–1 की बंदिशें लागू कर दी गई हैं।

इसके तहत होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में कोयले व लकड़ी जलाने पर रोक रहेगी। सड़कों पर मशीन से सफाई करने के साथ ही पानी का छिड़काव करना होगा। धारूहेड़ा–भिवाड़ी, बावल क्षेत्र में काफी अधिक प्रदूषण दर्ज किया जाता है। यहां स्थिति सुधारने की कोशिश की गई, लेकिन ज्यादा कामयाबी नहीं मिली। सबसे ज्यादा खराब स्थिति धारूहेड़ा की होती है। धारूहेड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। यहां पर प्रदूषण से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बावल भी औद्योगिक क्षेत्र बनता जा रहा है। यहां पर भी प्रदूषण की वजह से लोगों को परेशानी होती है।

लगातार बढ़ते प्रदूषण को लेकर चिंता जताई जा रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अध्ययन करने के लिए कहा था, ताकि यह पता लगाया जा सके कि जिले में प्रदूषण का कारण क्या है और इसे किस प्रकार से कम किया जा सकता है। धुआं किन क्षेत्रों से अधिक उठता है। हैरानी की बात यह है कि अभी तक जिले में यह अध्ययन शुरू ही नहीं हुआ। रेवाड़ी एनसीआर क्षेत्र में आता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने एनजीटी को दी गई अपनी रिपोर्ट में कहा है कि हरियाणा में मात्र दो जिलों में ही अभी अध्ययन शुरू हुआ है। बाकी एनसीआर के क्षेत्र में अध्ययन की शुरुआत नहीं हुई है। एक्यूआई की छह श्रेणियां हैं। 0 और 50 तक अच्छा, 51 और 100 तक संतोषजनक, 101 से 200 तक मध्यम, एक्यूआई 201 और 300 खराब, 301 और 400 बेहद खराब और एक्यूआई 401 से 500 तक बेहद गंभीर माना जाता है। वाहनों के इंजन का ट्यून ठीक रखें, टायर में हवा का उचित दबाव बनाए रखें, अपने वाहन का पीयूसी प्रमाणपत्र रखें, लाल बत्ती पर इंजन बंद कर दें, वाहन के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हाइब्रिड वाहनों या ईवी को प्राथमिकता दें, खुले स्थान पर कूड़ा–कचरा न फैलाएं, अधिक से अधिक पौधे लगाएं, त्योहारों को पर्यावरण अनुकूल तरीके से मनाएं, पटाखों से बचें, 10–15 वर्ष पुराने डीजल व पेट्रोल वाहन न चलाएं।

सड़कों पर मशीन से सफाई व पानी का छिड़काव करना होगा, प्रदूषण फैलाने वाले वाहन जब्त होंगे, दूसरे राज्यों में जाने वाले ट्रकों की दिल्ली में एंट्री बंद कर केजीपी व केएमपी एक्सप्रेस–वे से भेजे जाएंगे, बीएस–3 पेट्रोल व बीएस–4 डीजल वाहनों के संचालन पर निगरानी रखी जाएगी।आवश्यक सेवाओं को छोड़ बाकी के लिए डीजल जनरेटर पर रोक रहेगी, होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में कोयले व लकड़ी जलाने पर रोक रहेगी।दिल्ली के 300 किमी के अंदर प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों व थर्मल पावर प्लांटों के खिलाफ कार्रवाई होगी। 500 वर्ग मीटर या उससे अधिक के उन भूखंड पर निर्माण, तोड़फोड़ पर रोक होगी।

आज से शुरु होंगे पुष्कर के पवित्र सरोवर में कार्तिक स्नान

अजमेर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर के तीर्थराज पुष्कर के पवित्र सरोवर में 17 अक्टूबर से कार्तिक स्नान शुरू होंगे जो एक महीने चलेंगे और कार्तिक पूर्णिमा को संपन्न होंगे। इस दौरान लाखों श्रद्धालु कार्तिक महीने का पवित्र स्नान करेंगे।

सूत्रों के अनुसार बुधवार को शरद पूर्णिमा से शुरू हुई पूर्णिमा गुरुवार सूर्योदय तक रहेगी। इसलिये कार्तिक महीने के स्नान कल सुबह से ही शुरू होंगे। श्रद्धालु अपनी सुविधा से पुष्कर में कार्तिक स्नान का धर्म लाभ ले सकेंगे। कार्तिक स्नान का शास्त्र सम्मत महत्व है । कार्तिक पूर्णिमा पर पुष्कर सरोवर में ब्रह्माण्ड के सभी 33 तरह के देवी–देवताओं का वास रहता है। पुष्कर मेले के दौरान एकादशी से पूर्णिमा तक पुष्कर सरोवर का स्नान धार्मिक दृष्टि से अति महत्व वाला है। यही कारण की मेले के दौरान 'पंचतीर्थ स्नान' का विशेष महत्व है । स्नान के साथ साथ विशेष पूजा अर्चना, ब्रह्माजी के दर्शन, दानपुण्य और रात्रि में सरोवर आरती जैसे धार्मिक कामों में लोग बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेते हैं और परिवार में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हैं। इस बार एक तिथि क्षय होने से कार्तिक महीने का पंचतीर्थ स्नान इस बार चार दिनों का ही रहेगा। हालांकि सरोवर के दैनिन्दनी स्नान से श्रद्धालुओं पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ेगा।

पहली बार भर्ती कलैण्डर जारी किया गया : रावत

अजमेर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जलसंसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा है कि राज्य के इतिहास में पहली बार युवाओं को रोजगार दिये जाने के उद्देश्य से कर्मचारी चयन बोर्ड से भर्ती कलैण्डर जारी किया गया है, जिसमें परीक्षा परिणाम की तारीख भी अभी से घोषित कर दी गई है।

श्री रावत ने बुधवार को राजस्थान में अजमेर के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय में पत्रकारों से राज्य में भजनलाल सरकार की 10 महीने की उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा कि सरकार ने चार लाख सरकारी नौकरी और छह लाख कौशल के साथ युवाओं को जो रोजगार देने का वायदे के क्रम में एक लाख 11 हजार पदों पर भर्ती की विज्ञप्ति जारी की जा चुकी है।

उन्होंने कांग्रेस राज की गहलोत सरकार पर युवाओं के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि 17 भर्ती परीक्षा में पेपरलीक, आठ को रद्द करने के साथ 50 हजार

पदों की भर्तियों को रद्द करना पड़ा, लेकिन भाजपा राज में युवाओं के सपनों को साकार करने का काम किया गया, जो सतत चल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी पहली सरकार है जो शिक्षितों के साथ साथ अशिक्षितों को भी रोजगार देने का काम कर रही है। भजनलाल सरकार ने पेपरलीक होना रोककर युवाओं के भविष्य को बर्बाद होने से रोकने का काम किया है। पुराने मामलों में विशेष ऑपरेशन समूह (एसओजी) की कार्रवाई जारी है और गिरफ्तारी चल रही है।

श्री रावत ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के सम्बन्ध में कहा कि यह काम जल्द शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से समय मांगा गया है, जल्द ही शिलान्यास कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि अजमेर जिले को भी इसका ऐतिहासिक लाभ मिलेगा। इसके लिए साढ़े चार लाख करोड़ रुपये की लागत से जलाशय तैयार किया जायेगा ताकि जल संधारण और वितरण के नये रास्ते खुल सकें। श्री रावत ने कहा कि आधे से ज्यादा राजस्थान ईआरसीपी से लाभान्वित होगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान – मध्यप्रदेश के बीच विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का काम हो चुका है और अब केन्द्रीय जल आयोग की मोहर लगने जा रही है। पत्रकार वार्ता में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, विधायक जितेंद्र गोठवाल, विधायक एवं सदस्यता अभियान सहप्रभारी अनीता भदेल, शहर अध्यक्ष रमेश सोनी, उपमहापौर नीरज जैन, जिला महामंत्री वेदप्रकाश, मीडिया सहप्रभारी रचित कछावा मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र में एलिवेटेड ट्रैक पर दौड़ी ट्रेन ट्रायल देख लोगों के खिले चेहरे

लोगों को पांच फाटकों व जाम से मिलेगी निजात

कुरुक्षेत्र, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र के ड्रीम प्रोजेक्ट एलिवेटेड रेलवे ट्रैक पर मंगलवार को ट्रेन चलाई गई, जिसके साथ ही ट्रैक का ट्रायल भी किया गया। इस ट्रैक पर पहली बार ट्रेन दिखाई दी तो शहर के लोगों के चेहरे खिल उठे। अब अगले करीब एक माह में न केवल इस ट्रैक पर ट्रेनों का संचालन सामान्य हो जाएगा बल्कि रेलवे लाइन की वजह से दो हिस्सों में बंटा शहर भी एक होगा। इससे जहां लोगों को पांच फाटकों व इन पर लगने वाले जाम से भी निजात मिल जाएगी।

करीब 245 करोड़ के इस प्रोजेक्ट पर ट्रेन चलाने से पहले ट्रैक व इंजन की पूजा की गई। रेलवे लाइन के बीच में ही पंडित जय किशन पराशर द्वारा विधि विधान से रेलवे व प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों की ओर से पूजा कराई गई, जिसके साथ ही भारत माता के जयकारे गूंजने लगे। इसके साथ ही मिठाई भी बांटी गई। ट्रैक पर चलाई गई ट्रेन कोई पैसेंजर नहीं बल्कि रेलवे लाइन से ही लोडिड थी।

अभी तक पुरानी पटरियां ही यहां बिछाई गई है लेकिन अब नई पटरियां इस ट्रेन के जरिए उतारी गई, जो सभी पुलों पर बिछाई जाएंगी। इस कार्य में करीब एक माह का समय लगेगा, जिसके बाद ट्रेनों की आवाजाही यहां शुरू हो जाएगी। इनके सुचारू होते ही पुरानी रेल लाइन को बंद कर दिया जाएगा। एलिवेटेड ट्रैक के ट्रायल के दौरान स्टेशन अधीक्षक शंकर लाल मीणा, हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन की ओर से अमरजीत सिंह, जेपी लाल, इंजीनियर डी पाटिल सहित कई अन्य अधिकारी व सैकड़ों कर्मी मौजूद रहे।

स्टेशन अधीक्षक शंकर लाल मीणा व अन्य अधिकारियों ने मौके पर ही बताया कि प्रोजेक्ट का कार्य पूरा हो चुका है। अब कुछ बाकी तैयारी करते हुए अगले एक माह तक यहां से ट्रेनों का सामान्य संचालन किए जाने का लक्ष्य तय किया गया है। यहां से ट्रेन जाने लगेंगी तो लोगों को पांचों फाटकों से मुक्ति मिल जाएगी। उनका न केवल समय बचेगा बल्कि जाम व प्रदूषण से भी छुटकारा मिल पाएगा। पहली बार इस ट्रैक पर ट्रायल सही रहा है और किसी प्रकार की कोई खामी नहीं मिली। हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन की ओर से प्रदेश व केंद्र सरकार की इस संयुक्त परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 22 अगस्त 2019 को किया था। अनुमानित लागत 245.99 करोड़ मानी जा रही है, जिसमें प्रदेश सरकार 136.45 करोड़ और केंद्रीय रेलवे विभाग की ओर से 109.54 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया था। यहां से ट्रेनें चलने का शहरवासी लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।

स्कूटी पर शव लेकर श्मशान पहुंचे परिजन पुलिस ने रुकवाया अंतिम संस्कार

भरतपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में डीग जिले के कुम्हेर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक 16 वर्षीया किशोरी की मौत होने पर परिजन स्कूटी पर शव लेकर श्मशान पहुंचे, जहां पुलिस ने अंतिम संस्कार रुकवा दिया।

पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि कल शाम पांच–छह लोग एक किशोरी का शव स्कूटी पर लेकर अंतिम संस्कार के लिये श्मशान पहुंचे। यह देखकर वहां मौजूद लोगों को शंका हुई और उन्होंने पुलिस को इत्तिला कर दी। इस पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव पोस्टमॉर्टम के लिये अस्पताल भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने कल रात ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया। लड़की के परिजनों ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उनकी लड़की ने फांसी लगा ली, इस पर परिजन उसे फंदे से उतारकर कुम्हेर अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद वे अस्पताल से शव स्कूटी पर ही ले गये और सीधे श्मशान पहुंचे, जहां वह उसका अंतिम संस्कार करने वाले थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देने वाला शातिर ठग गिरफ्तार

जयपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय के पुलिस दल ने बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले शातिर ठग दीपक कुमार मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बुधवार को बताया कि पुलिस निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह एवं उप निरीक्षक सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में गठित पुलिस दल ने मंगलवार को 25 हजार रुपये के इनामी दीपक मीणा को गुरुग्राम में पकड़ा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में दीपक कुमार मीणा, मनराज कीर और हंसराज कीर के खिलाफ भारतीय खाद्य निगम और भारतीय डाक विभाग में नौकरी लगवाने का झांसा देकर पीड़ित को फर्जी नियुक्ति पत्र देकर 10 लाख 70 हजार रुपये ठगने का मामला दर्ज कराया गया था।

एमएसपी वृद्धि आत्मनिर्भरता के सपने को साकार करने की दिशा में कदम : चौधरी

अजमेर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने बुधवार को केन्द्र सरकार की ओर से किसानों को राहत के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) वृद्धि को आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। श्री चौधरी ने आज यहां बयान जारी करके कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा किसान हित में लिए गए निर्णय सराहनीय है। केंद्र सरकार ने रबी विपणन सीजन 2025 – 26 के लिए छह रबी फसलों गेहूं, जौ, चना, मसूर, रेपसीड और सरसों, कुसुम के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि का निर्णय लिया है। किसानों की आय बढ़े, वह सशक्त और समृद्ध बनें, इसके लिए केंद्र सरकार संकल्पित है। उन्होंने एमएसपी वृद्धि के निर्णय को किसान हित में ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि हमारे किसानों और देश के कृषि क्षेत्र के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जहरीली शराब का तांडव, मरने वाले आठ लोगों का नाम आया सामने

ग्रामीण 15-16 मौतों की बात कह रहे

सारण (एजेंसियां)। बिहार में जहरीली शराब कांड फिर भीषण रूप में सामने आया है। सारण में एक की मौत और दो के गंभीर होने की पुष्टि हुई, जबकि सीवान में मरने वाले सात लोगों का नाम सामने आ चुका है। सीवान के ही एक मृतक के ग्रामीण ने 15-16 लोगों की मौत की बात कही है। प्रशासन की ओर से पुष्टि के बाद मौत का आंकड़ा स्पष्ट हो सकेगा। मरने वालों में कौड़िया वैश्य टोला के अरविंद सिंह (40), रामेंद्र सिंह (30), माघर पोखरा के संतोष महतो उम्र (35), मुन्ना (32), बृज मोहन सिंह और दिनेश राम शामिल है। वहीं सीवान के भगवानपुर हाट थाने के माघर निवासी गंगा साह के पुत्र मोहन साह की पीएमसीएच पटना के जाने के क्रम में रास्ते में मौत हो गई है। इधर, ग्रामीणों ने पुलिस के डर से कुछ शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

सारण में घटना मशरक थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में हुई है, जो सीवान जिले के भगवानपुर हाट और सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र की सीमा पर है। जहरीली शराब पीने से मशरख थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव निवासी लतीफ मियां के 30 वर्षीय पुत्र इस्लामुद्दीन अंसारी की मौत हुई है। आलम अंसारी के 29 वर्षीय पुत्र मुमताज अंसारी और रियाज अंसारी के 18 वर्षीय पुत्र शमशाद अंसारी का इलाज चल रहा है। दोनों युवकों से पुलिस शराब के मंगाने, पीने और बीमार होने तक के बारे में पूछताछ कर रही है।

सीवान में भगवानपुर थाना क्षेत्र के दो गांव मगरी और बाइस कट्ठा गांव में कई लोगों की मौत की जानकारी आ रही है। जहरीली शराब पीने से हुई मौतों की पुष्टि प्रशासनिक स्तर पर नहीं हुई है, लेकिन मृतकों के यह नाम सामने आए हैं- (1) कौड़िया वैश्य टोला के अरविंद सिंह 40 वर्ष (2) रामेंद्र सिंह 30 वर्ष (3) माघर पोखरा के संतोष महतो उम्र 35 वर्ष (4) मुन्ना 32 (5) बृज मोहन सिंह (6) भगवानपुर हाट थाने के माघर निवासी गंगा साह के पुत्र मोहन साह।

सारण जिला प्रशासन की ओर से जारी बयान के अनुसार सारण जिले के मसरक थाना क्षेत्र अंतर्गत मिलावटी शराब पीने से इब्राहिमपुर गांव के एक व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मृत्यु होने की सूचना मिली है। दो अन्य व्यक्तियों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक के चिकित्सक कर रहे हैं। पुलिस टीम एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत के संबंध में जांच कर रही है। मशरक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उक्त दोनों युवकों को छपरा स्थित सदर अस्पताल रेफर कर दिया है। साथ ही नियमों का पालन करते हुए अन्य कार्यवाही की जा रही है।

रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव को लेकर कैमूर में आचार संहिता लागू

18 से 25 अक्तूबर तक होगा नामांकन

पटना (एजेंसियां)। कैमूर में भभुआ जिला अधिकारी (डीएम) सावन कुमार ने रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव को लेकर मंगलवार को प्रेस वार्ता आयोजित की। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के उप-चुनाव के लिए निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। इसके साथ ही आज से पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

डीएम ने जानकारी दी कि उप-चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 18 अक्तूबर से 25 अक्तूबर तक चलेगी। नामांकन की संवीक्षा 28 अक्तूबर को की जाएगी, जबकि उम्मीदवार अपने नामांकन 30 अक्तूबर तक वापस ले सकते हैं। मतदान की तिथि 13 नवंबर तय की गई है और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता जिले भर में लागू हो चुकी है। डीएम ने बताया कि इस दौरान सभी राजनीतिक दलों को आचार संहिता का सख्ती से पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि उपचुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी राजनीतिक दलों के साथ जल्द ही बैठक की जाएगी। उसमें नियमों के पालन पर जोर दिया जाएगा।

डीएम सावन कुमार ने बताया कि चुनाव से संबंधित सभी कार्यो के लिए मोहनिया अनुमंडल पदाधिकारी को अधिकृत किया गया है। उम्मीदवारों को प्रचार-प्रसार के लिए सभी प्रकार की अनुमतियां संबंधित पदाधिकारी से लेनी होंगी। सभी उम्मीदवारों को चुनाव आयोग के नियमों का पालन करते हुए प्रचार करना होगा।

पटना की पॉश कॉलोनी में डबल मर्डर

बिस्कोमान के रिटायर्ड अधिकारी और उनकी पत्नी को मार डाला

पटना (एजेंसियां)। पटना में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। पाटलिपुत्रा थाना से महज 130 मीटर दूर अपराधियों ने बुजुर्ग दंपती की हत्या कर दी है। प्रथम दृष्टया प्रतीत हो रहा है कि दोनों की बेरहमी से हत्या की गई है। सिर पर गंभीर जख्म के निशान हैं। घटना पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के नेहरू नगर रोड नंबर दो स्थित मकान नंबर 62 के पहले फ्लोर पर मंगलवार को हुई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। मरने वालों की पहचान सीवान के नौतन थाना क्षेत्र पचलखी गांव निवासी एनके श्-ीवास्तव (74) और उनकी पत्नी सुजाता देवी (68) के रूप में हुई है। एनके शीवास्तव बिस्कोमान के सेवानिवृत अधिकारी थे।

इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। फौरन फोरेंसिक की टीम को बुलाया गया। पटना सेंट्रल एसपी स्वीटी सहरावत ने कहा कि घटना मंगलवार दोपहर की प्रतीत हो रही है। दोपहर करीब एक बजे के बीच दंपती के बीच विवाद हो रहा था। लोगों ने शोर-शराबा सुना था। बुजुर्ग महिला का शव किचन में मिला था। वहीं उनके पति का शव बेडरूम में था। लूटपाट के साक्ष्य अब तक नहीं मिले हैं। दंपती के के तीन बेटे हैं। एक नीदरलैंड, दूसरे दुबई और तीसरे दिल्ली में रहते हैं। पटना में केवल दंपती ही रहते थे। नीचे वाले तल पर किरायदार रहते हैं।

पुलिस का कहना है कि प्रतीत होता है कि घटना दोपहर में ही हुई है। क्योंकि कमरे से लेकर किचन तक खून पसरा हुआ था। खून सूख चुका था। मामले की जांच चल रही है। किराएदार और आसपास के लोगों से पूछताछ चल रही है।

कांग्रेस का बिहार सरकार पर वार

स्मार्ट मीटर जनता पर थोपना लूट-भ्रष्टाचार का हिस्सा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने राज्यभर में जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

कांग्रेस का आरोप है कि सरकार गरीब लोगों को लूटने के लिए स्मार्ट मीटर को जबरन थोप रही है, जिसे देश के अन्य राज्यों में हटाया जा चुका है। इसी के तहत मुजफ्फरपुर में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिजली विभाग के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद कुमार मुकुल के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने सरकार पर आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाने के पीछे एक साजिश है। उनका कहना है कि जिन राज्यों ने इस मीटर का बहिष्कार कर दिया, वहां से सीख लेते हुए बिहार को भी इससे बचना चाहिए था। उन्होंने दावा किया कि बिहार जैसे गरीब राज्य में यह मीटर सिर्फ आम लोगों को आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए लगाया गया है।

वहीं, अरविंद कुमार मुकुल ने कहा कि यह स्मार्ट मीटर एक तुगलकी फरमान जैसा है, जिसे बिहार की जनता पर थोपा जा रहा है। सरकार का यह कदम लूट और भ्रष्टाचार का हिस्सा है, जिसमें कुछ उच्च अधिकारी और उद्योगपति शामिल हैं। खासकर खअड अधिकारी संजीव हंस का नाम लिया जा रहा है, जिन्होंने इस मीटर के जरिए अदानी जैसे बड़े व्यापारिक घरानों को फायदा पहुंचाने की साजिश रची है।

कांग्रेस ने सवाल उठाया कि अगर देश के गुजरात सहित कई अन्य राज्यों ने स्मार्ट मीटर को हटा दिया है, तो आखिर बिहार जैसे गरीब राज्य में इसे क्यों लागू किया गया। पार्टी का कहना है कि यह सरकार की नीतियों का हिस्सा है, जिसमें जनता की आवाज को नजरअंदाज किया जा रहा है।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने स्मार्ट मीटर को हटाने की उनकी मांग को नहीं माना, तो वे इस विरोध को और तेज करेंगे।

अरविंद कुमार मुकुल ने कहा कि अगर सरकार अब भी नहीं चेती, तो यह आंदोलन सड़कों तक जाएगा और हम इसे जन आंदोलन में तब्दील कर देंगे। प्रदर्शनकारियों ने तिलक मैदान स्थित बिजली विभाग के कार्यालय पर जोरदार नारेबाजी की और सरकार के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार किया।

उन्होंने स्मार्ट मीटर को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि यह गरीबों के हित में नहीं है और सरकार को इसे तुरंत हटाना चाहिए।

बाहुबली मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी ने किया सरेंडर

पटना (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मंत्री बृजबिहारी प्रसाद हत्याकांड में आजीवन कारावाज की सजा पाने वाले बाहुबली व पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला ने बुधवार को सिविल कोर्ट मे सरेंडर कर दिया। उनके साथ मंटू तिवारी ने भी सरेंडर किया। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाइ है। सरेंडर के दौरान कोर्ट में मुन्ना शुक्ला के समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। समर्थक मुन्ना शुक्ला के समर्थन में नारेबाजी कर रहे थे। इधर जेल जाने पहले राजद नेता मुन्ना शुक्ला अपने पैतृक गांव में लोगों को साथ बैठक की। कहा कि हम भले ही जेल में रहेंगे। सरकार भी बदलेगी लेकिन जेल में रहकर भी अपने घर पर बैठक करते रहेंगे।

राजद नेता ने बताया कि मुझे जनता ने बनाया है। जनता सब जानती है। जेल से टेंशन नहीं है। मुझे यह नहीं पता था कि मुझे पीए मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी जानते हैं। कह कि हम तो मुख्यमंत्री-मुख्यमंत्री 20 साल तक खेले हैं, लेकिन देश के पीएम और गृहमंत्री हमें जान रहे हैं, यह बड़ी बात है। रमा देवी ने स्पष्ट कह दिया था कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दबाव में मुझे आजीवन कारावास की सजा मिली। अगर वह यह बात नहीं कहतीं तो हम अंधेरे में रहते।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की 1998 में हुई हत्या के मामले में पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस पर शुक्ला ने आत्मसमर्पण करने के लिए समय मांगने के लिए याचिका दायर की थी, जिसे बुधवार को अदालत ने खारिज कर दिया। दरअसल, पूर्व विधायक की ओर से वकील विकास सिंह ने जस्टिस संजीव खन्ना, संजय कुमार और आर महादेवन की पीठ से अनुरोध किया था कि उनकी पत्नी के स्वास्थ्य और मामलों के प्रबंधन के लिए एक महीने यानी 30 दिन का समय चाहिए। हालांकि, याचिका खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि तीन अक्तूबर के आदेश में शुक्ला को 15 दिन का पर्याप्त समय दिया गया है और इसलिए अब और समय नहीं दिया जा सकता।

भजपा सीएम नीतीश कुमार के साथ केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से झाड़ा पल्ला

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भारतीय जनता पार्टी थोड़ी भी दूरी नहीं बनाएगी। ऐसी आशंका भी नहीं हो, इसके लिए भाजपा एक-एक कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। इसी क्रम में बिहार भाजपा ने केंद्रीय मंत्री और पार्टी के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह से दूरी बना ली है।

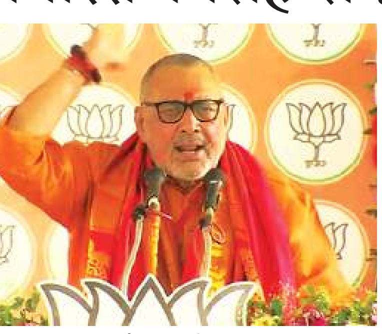

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नीतीश कुमार सरकार के मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने गिरिराज सिंह की हिंदू स्वाभिमान यात्रा से पार्टी को अलग करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह भाजपा की यात्रा नहीं। जहां गिरिराज बार-बार हिंदुत्व कार्ड खेल रहे, वहीं जायसवाल ने कहा कि हम नफरत या सियासत के नाम पर नहीं मोहब्बत के नाम पर चुनाव लड़ेंगे।

दिलीप जायसवाल ने कहा कि हिन्दू स्वाभिमान यात्रा भाजपा का कार्यक्रम नहीं है।

गिरिराज सिंह की यात्रा से नीतीश कुमार की सेक्युलर इमेज को कोई खतरा नहीं है। सीएम नीतीश की सेक्युलर इमेज के साथ दिलीप जायसवाल साथ खड़े हैं। बिल्कुल यहां किसी को घबराने की जरूरत नहीं है।

वहीं बिहार की चार विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्याशियों की घो-षणा एक हफ्ते में कर दी जाएगी।

तेजस्वी यादव की यात्रा शुरू होने और स्थगित होने पर दिलीप जायसवाल ने कहा कि जिस समय बाढ़ में जनता थी। उस समय वो जनता को पूछने नहीं गए और राजनीतिक दुकानदारी चलाने निकले थे। जनता ने उन्हें खारिज कर दिया है। आगामी चुनाव परिणाम में स्पष्ट हो जाएगा।

सावधान : तेजी से फैल रहा लंगड़ा बुखार, डेंगू से भी ज्यादा खतरनाक है

पटना में रोज मिल रहे 100 केस

पटना (एजेंसियां)। बिहार में एक चौंकाने वाले संक्रमण का नाम सामने आया है। पटना में यह तेजी से फैल रहा है। इसने लोगों का हाल-बेहाल कर रखा है। पटना में करीब सौ मरीज रोज मिल रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने भी अलर्ट रहने को कहा है। इस संक्रमण नाम है लंगड़ा बुखार है। लोगों का कहना है कि यह बुखार डेंगू और चिकनगुनिया से भी खतरनाक साबित हो रहा है। ये बुखार डॉक्टरों को हैरान कर दिया है। इसमें मरीजों के पैरों में इतना दर्द होता है कि उन्हें चलने में भी दिक्कत होती है, इसीलिए लोग इसे 'लंगड़ा बुखार' कह रहे हैं।

पटना के भूतनाथ, बाजार समिति, मुसल्लहपुर हाट, मीठापुर, पाटलिपुत्र, लोहानीपुर, कदमकुआं, भूतनाथ रोड, चित्रगुप्तनगर, कांटी फैट्री रोड, अशोकनगर, न्यू पाटलिपुत्र कॉलोनी, दीघा, सिपारा, जयप्रकाशनगर और पीसी कॉलोनी समेत कई इलाकों में इसके मरीज मिले हैं। इनका इलाज सरकारी और प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, मरीज को पहले बुखार आता है।

इसके बाद अलग-अलग लक्षण दिखाई देने लगता है। जांच में ना तो डेंगू, ना चिकनगुनिया और ना ही टायफाइड निकल रहा है। लेकिन, बहुत तेज बुखार के साथ पीड़ितों के पैरों में तेज दर्द, एड़ियों और घुटनों के आसपास सूजन के लक्षण मिल रहे हैं।

डॉक्टरों की मानें तो पटना के कई मोहल्ले से ऐसे दर्जनों मामले आ रहे हैं। लोगों को चलने में भी परेशानी हो रही है। मौसम में बदलाव के कारण लोग वायरल बुखार से ग्रसित हो रहे हैं। इसमें तेज बुखार के साथ पैरों में तेज दर्द होता है। एड़ियों और घुटनों में सूजन भी हो जाती है। मरीज को चलने में बहुत तकलीफ होती है। कभी-कभी कमर और घुटनों में असहनीय दर्द भी महसूस होता है। यह बुखार चिकनगुनिया की तरह लंबे समय तक परेशान करता है। डॉक्टरों का कहना है कि अगर इस तरह का लक्षण दिखे तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें। घबराएं नहीं। परहेज में रहें।

प्रशांत किशोर ने रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल को दिया टिकट

पटना (एजेंसियां)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार की चार सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का एलान कर दिया है। तरारी विधानसभा सीट से तो उन्होंने प्रत्याशी के नाम की घोषणा भी कर दी है। अन्य सीट पर जल्द ही उम्मीदवार उतारने की बात कही है। बुधवार दोपहर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने प्रेस कॉफ्रेंस किया था। इसमें प्रशांत किशोर के अलावा कार्यकारी अध्यक्ष व पूर्व राजनयिक मनोज भारती भी मौजूद थे। उन्होंने एलान किया कि जनसुराज ने तरारी विधानसभा सीट से पूर्व उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल कृष्णा सिंह को उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार बनाया। वहीं प्रशांत किशोर ने कहा कि हमारी पार्टी तीन अन्य सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम कुछ ही दिनों के भीतर घोषित कर देगी। जहां अगले महीने उपचुनाव होने हैं। तरारी विधानसभा सीट पर पूर्व उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल कृष्णा सिंह जनसुराज के प्रत्याशी बनाए गए हैं। गया में अवैध रेत-खनन और अपराध चरम पर है।

वहीं बिहार के अन्य तीन सीट रामगढ़, इमामगंज और बेलागंज विधानसभा सीट पर उम्मीदवारों का नाम सामने नहीं आया है। हालांकि सूत्रों की मानें तो बेलागंज विधानसभा सीट पर मो. अमजद और इमामगंज विधानसभा क्षेत्र से पासवान समाज के चर्चित डॉक्टर जितेंद्र के नाम की चर्चा है।

बिहार की तरारी, बेलागंज, इमामगंज और रामगढ़ विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव होंगे। इन सीटों पर रामगढ़, बेलागंज और तरारी विधानसभा सीट महागठबंधन के कब्जे में था। वहीं इमामगंज विधानसभा सीट पर एनडीए के पास था। सभी सीटों के विधायक लोकसभा में चुने जाने के बाद खाली हुआ था। जिसमें तरारी विधानसभा सीट भाकपा माले विधायक सुदामा प्रसाद आरा से लोकसभा, रामगढ़ से राजद विधायक सुधाकर सिंह बक्सर से लोकसभा, बेलागंज से राजद विधायक डा. सुरेंद्र प्रसाद यादव जहानाबाद से लोकसभा और इमामगंज विधानसभा से हम के जीतन राम मांझी गया संसदीय सीट से लोकसभा चुने गए थे। इन सभी चार सीटों पर 23 नवंबर को उपचुनाव का मतगणना होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com